राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे को दी मछली खने की सलाह..... नौकरशाह आकांक्षाओं पर खरा उतरें, सरकार में लोगों का विश्वास 12

वर्ष : 14 | अंक : 37 | नई दिल्ली, मंगलवार, 20 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

कर्नाटक में सत्ता की साझेदारी को लेकर फिर से शुरू हुआ आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक में सत्ता के साझेदारी को लेकर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के बीच फिर से आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य के मंत्री एच.सी. महादेवप्पा और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई एवं सांसद डीके सुरेश के बीच इस मुद्दे पर टकराव के बाद यह मामला नये रूप में सामने आया। मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान श्री महादेवप्पा के श्री सिद्दारमैया के मुख्यमंत्री बने रहने संबंधी दावे पर श्री सुरेश ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन पर अपने विभाग से संबंधित काम पर ध्यान केंद्रित नहीं करने का आरोप लगाया। श्री सुरेश ने कहा, ह्लमुझे नहीं पता कि महादेवप्पा ने ऐसा बयान क्यों दिया। वह एक वरिष्ठ एवं परिपक्व नेता हैं तथा उनकी अपनी विचारधाराएं हैं। मुझे लगता है कि वह मंत्री के रूप में अपनी भूमिका पर ध्यान देने के बजाय अन्य चीजों पर बोलने के लिए अधिक उत्सुक हैं। दूसरी तरफ दावणगेरे में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं लोक निर्माण

मंत्री सतीश जारकीहोली यह कहते हुए मैदान में कूद पड़े कि श्री सिद्दारमैया और श्री शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण के किसी फॉमूर्ले पर सहमति नहीं है। उन्होंने कहा, ह्लसत्ता के बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे। यह पार्टी का फैसला भी है। संवाददाताओं के श्री सिद्दारमैया से इस संदर्भ में पूछे जाने पर उन्होंने श्री महादेवप्पा से सवाल करने को कहा। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आर अशोक ने श्री शिवकुमार पर तंज कसते हुए कहा कि उनका मुख्यमंत्री बनने का सपना सपना ही रहेगा, क्योंकि सिद्दारमैया बहुत चतुर राजनीतिज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि सिद्दारमैया ने एचडी देवेगौड़ा एवं एचडी कुमारस्वामी को संभाला है तथा पांच साल तक सीएम के रूप में बने रहेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि सिद्दारमैया और शिवकुमार दोनों सड़क पर लड़ते रहेंगे जैसा कि राजस्थान में हो रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले श्री शिवकुमार के सहयोगियों ने पिछले महीने सत्ता-साझाकरण समझौते पर मंत्री एमबी पाटिल की बयानबाजी पर नाराजगी जतायी थी। इस बीच पार्टी के अंदरुनी सूत्रों ने दावा किया है कि 21 जून को दिल्ली में आहूत बैठक में इस मुद्दे को उठाया जायेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के लिए कर्नाटक के मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। संभावना है कि आलाकमान मंत्रियों को सत्ता-साझाकरण समझौते पर कोई भी टिप्पणी करने से बाज आने तथा प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने और 5-गारंटी को लागू करने के वादे को पूरा करने पर ध्यान देने के लिए कहेगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 39.2°C

न्यूनतम तापमान 27.6°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,190
चांदी	72,400
संसेक्स	63,385
निफ्टी	18,826

अमेरिका की 'पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा' होगी मोदी की : विदेश सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अमेरिका और मिस्र की पांच दिन की यात्रा पर जाएंगे और वह 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज यहां संवाददाताओं को प्रधानमंत्री की 20 जून से 25 जून तक दो देशों की यात्रा की जानकारी देते हुए कहा, ह्लयह प्रधान मंत्री की अमेरिका की पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा होगी।ह्व उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बिडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री अमेरिका यात्रा 21 जून से 23 जून तक होगी। इस यात्रा की शुरूआत न्यूयॉर्क से शुरू होगी, जहां श्री मोदी 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2014 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव अपनाया

था। श्री क्वात्रा ने कहा कि इसके बाद प्रधानमंत्री 21 जून की शाम को वाशिंगटन जाएंगे, जहां उनकी राष्ट्रपति बिडेन से निजी मुलाकात होगी। अगले दिन 22 जून को श्री मोदी एवं राष्ट्रपति बिडेन के बीच औपचारिक द्विपक्षीय बैठक होगी और इससे पहले व्हाइट हाउस में श्री मोदी का समारोह पूर्वक स्वागत किया जाएगा। इसी दिन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैकार्थी और सीनेट के अध्यक्ष चार्ल्स शूमर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। राष्ट्रपति बिडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बिडेन उसी शाम प्रधानमंत्री के सम्मान में राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। विदेश सचिव ने कहा कि 23 जून को प्रधानमंत्री चुनींदा शीर्ष कारोबारी सीईओ से भेंट करेंगे। दोपहर में अमेरिकी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और विदेश मंत्री एंटनी बिल्केन संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। इसके बाद श्री मोदी भारतीय समुदाय के लोगों के साथ संवाद करेंगे और फिर मिस्र के लिए रवाना हो जाएंगे। श्री क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा के बाद में 24-25 जून को मिस्र की यात्रा पर काहिरा में रहेंगे। यह यात्रा मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्तह अल-सिसी के निमंत्रण पर हो रही है जिन्होंने जनवरी 2023 में गणतंत्र दिवस समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लिया था। यह प्रधानमंत्री की मिस्र की पहली यात्रा होगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति सिसी के साथ बैठक के अलावा, प्रधानमंत्री के मिस्र सरकार के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों, मिस्र की कुछ प्रमुख हस्तियों के साथ-साथ मिस्र में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने की संभावना है। भारत और मिस्र के बीच संबंध प्राचीन व्यापार और आर्थिक संबंधों के साथ-साथ सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच गहरे संबंधों पर आधारित हैं। जनवरी 2023 में राष्ट्रपति सिसी की राजकीय यात्रा के दौरान, संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने पर सहमति हुई थी। संवाददाताओं के प्रश्नों के उत्तर में विदेश सचिव ने कहा, ह्लयह दोनों देशों के बीच हमारे संबंधों में एक मील का पत्थर है... यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण यात्रा है, एक बहुत ही महत्वपूर्ण यात्रा है। एक यात्रा जिसमें अमेरिका में एक वास्तविक और व्यापक गहरी दिलचस्पी है।ह्व उन्होंने कहा कि श्री मोदी ऐसे पहले विदेशी राजनेता होंगे जिन्हें अमेरिकी कांग्रेस को दो बार संबोधित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान भारत एवं अमेरिका के बीच टेलीकॉम, अंतरिक्ष, रक्षा और उभरती हुई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के दूरगामी प्रभाव वाले फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में संपूर्णता में संयुक्त औद्योगिक उत्पादन की संभावनाओं पर चर्चा होगी ताकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को बल मिल सके। प्रधानमंत्री श्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिका में अलगाववादी गुटों के विरोध प्रदर्शनों की धमकियों एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के बारे में पूछने पर विदेश सचिव ने कहा कि संबंधित एजेंसियां इस बारे में अपना काम कर रही हैं।

गांधी शांति पुरस्कार दिया जाना गीता प्रेस के भगीरथ कार्यों का सम्मान: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोरखपुर स्थित प्रसिद्ध गीता प्रेस को वर्ष 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की कांग्रेस की ओर से की जा रही आलोचना के बीच सोमवार को कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा जाना गीता प्रेस के भगीरथ कार्यों का सम्मान है। शाह ने एक ट्वीट में कहा, "भारत की गौरवशाली प्राचीन सनातन संस्कृति और आधार ग्रंथों को अगर आज सुलभता से पढ़ा जा सकता है, तो इसमें गीता प्रेस का अतुलनीय योगदान है। 100 वर्षों से अधिक समय से गीता प्रेस रामचरितमानस से लेकर श्रीमद्भगवद्गीता जैसे कई पवित्र ग्रंथों को निःस्वार्थ भाव से जन-जन तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य कर रही है।" उन्होंने कहा, "गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 मिलना उनके द्वारा किये जा रहे इन भगीरथ कार्यों का सम्मान है।" गीता प्रेस को यह पुरस्कार 'अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान' के लिए दिया जायेगा। हालांकि, कांग्रेस ने गीता प्रेस को पुरस्कार दिए जाने की आलोचना की और इसे 'उपहास' बताया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार, गोरखपुर के गीता प्रेस को प्रदान किया जा रहा है, जो इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।" रमेश ने गीता प्रेस को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के बाद एक ट्वीट में कहा था, "यह फैसला वास्तव में एक उपहास है और सावरकर तथा गोडसे को पुरस्कार देने जैसा है।" गीता प्रेस की शुरूआत वर्ष 1923 में हुई थी और वह दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है, जिसने 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इनमें श्रीमद्भगवद्गीता की 16.21 करोड़ प्रतियां भी शामिल हैं। गांधी शांति पुरस्कार एक वार्षिक पुरस्कार है, जिसकी शुरूआत सरकार ने 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के अवसर पर गांधी द्वारा प्रतिपादित आदर्शों को सम्मान देते हुए की थी।

कांग्रेस गीता प्रेस से इसलिए नफरत करती है क्योंकि वह सनातन का संदेश फैलाता है : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गोरखपुर स्थित प्रसिद्ध गीता प्रेस को वर्ष 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की आलोचना करने को लेकर सोमवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी गीता प्रेस से इसलिए नफरत करती है क्योंकि वह सनातन का संदेश फैला रहा है। गीता प्रेस को यह पुरस्कार 'अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान' के लिए दिया जायेगा। हालांकि, कांग्रेस ने गीता प्रेस को पुरस्कार दिए जाने की आलोचना की और इसे 'उपहास' बताया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार गोरखपुर में गीता प्रेस को प्रदान किया जा रहा है, जो इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।" रमेश की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को 'हिन्दू विरोधी' करार दिया और लोगों से सवाल किया कि गीता प्रेस पर उसके हमले से क्या कोई हैरान है? उन्होंने एक ट्वीट में कहा, "गीता प्रेस को अगर 'एक्सवाईजेड प्रेस' कहा जाता तो वे इसकी सराहना करतेह्व लेकिन चूंकि यह गीता है, इसलिए कांग्रेस को समस्या है।" पूनावाला ने कहा, "कांग्रेस मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष मानती है, लेकिन उसके लिए गीता प्रेस सांप्रदायिक है। जाकिर नाइक शांति का मसीहा है लेकिन गीता प्रेस सांप्रदायिक है। कर्नाटक में गोहत्या चाहती है कांग्रेस।" पूनावाला ने कांग्रेस नेता और पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल के उस विवादित बयान का भी उल्लेख किया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि लव जिहाद की बात सिर्फ इस्लाम में ही नहीं है, बल्कि ये भगवद् गीता और ईसाई धर्म में भी हैं। हालांकि, कांग्रेस ने उस समय कहा था कि इस तरह के बयान अस्वीकार्य हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, "कांग्रेस ने कभी गीता की तुलना जिहाद से की थी (शिवराज पाटिल का बयान याद रखें)। कांग्रेस ने प्रभु श्री राम के अस्तित्व को नकारा और राम मंदिर का विरोध किया। कांग्रेस गीता प्रेस से इसलिए नफरत करती है क्योंकि वह सनातन के संदेश को कोने-कोने में फैला रहा है।" रमेश ने गीता प्रेस को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के बाद एक ट्वीट में कहा था, "अक्षय मुकुल ने 2015 में इस संस्थान की एक बहुत अच्छी जीवनी लिखी है। इसमें उन्होंने इस संस्थान के महात्मा के साथ उतार-चढ़ाव वाले संबंधों और राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक एजेंडे पर उनके साथ चली लड़ाइयों का खुलासा किया है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "यह फैसला वास्तव में एक उपहास है और सावरकर तथा गोडसे को पुरस्कार देने जैसा है।" गीता प्रेस की शुरूआत वर्ष 1923 में हुई थी और यह दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है, जिसने 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इनमें श्रीमद्भएगवद्गीजता की 16.21 करोड़ प्रतियां शामिल हैं। गांधी शांति पुरस्कार एक वार्षिक पुरस्कार है, जिसकी शुरूआत सरकार ने 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के अवसर पर गांधी द्वारा प्रतिपादित आदर्शों को सम्मान देते हुए की थी।

असम के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से करीब 33,500 लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

असम के कई हिस्सों में रातभर हुई भारी बारिश के कारण सोमवार को बाढ़ की स्थिति खतरनाक बनी रही और कई गांव, कस्बे एवं खेत जलमग्न हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने असम के लिए 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए बृहस्पतिवार तक राज्य के कई जिलों में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। गुवाहाटी में आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने रविवार और सोमवार के लिए कोकराझार, चिरांग, बक्सा, बारपेटा और बोंगाईगांव जिलों में भारी (24 घंटे में 7-11 सेंटीमीटर) से बहुत भारी (24 घंटे में 11-20 सेंटीमीटर) और अत्यधिक भारी बारिश (24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक) के पूवार्नुमान के साथ रेड अलर्ट जारी किया। इसी अवधि में धुबरी, कामरूप, कामरूप महानगर, नलबाड़ी, दीमा हसाओ, कछार, गोलपाड़ा और करीमगंज जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आरएमसी ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट और उसके बाद के दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का अर्थ है- तत्काल कार्रवाई करना, जबकि ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है-कार्रवाई के लिए तैयार रहना और येलो अलर्ट का अर्थ है- नजर रखना और ताजा जानकारी रखना। असम राज्य आपदा

प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, कछार, दरंग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजई, लखीमपुर, नागांव, नलबाड़ी, सोनितपुर, तिनसुकिया और उदलगुरी जिलों में बाढ़ के कारण 33,400 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। लखीमपुर में सर्वाधिक करीब 25,200 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके बाद डिब्रूगढ़ में 3,800 से अधिक लोग और तिनसुकिया में लगभग 2,700 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। प्रशासन तीन जिलों में 16 राहत वितरण केंद्र चलाने के अलावा एक राहत शिविर संचालित कर रहा है, जहां नौ लोगों ने आश्रय लिया है। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में 142 गांवों में पानी भरा है और पूरे असम में 1,510.98 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विश्वनाथ, बोंगाईगांव, डिब्रूगढ़, कोकराझार, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नागांव, शिवसागर, सोनितपुर, दक्षिण सलमारा और उदलगुरी जिलों में भारी कटाव देखा गया है। दीमा हसाओ और करीमगंज में भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की घटनाओं की सूचना मिली है। सोनितपुर, लखीमपुर, कछार, धेमाजी, गोलपारा, नागांव, उदलगुरी, चिरांग, डिब्रूगढ़, कामरूप, कार्बी आंगलोंग, करीमगंज, बोंगाईगांव, माजुली, मोरीगांव, शिवसागर और दक्षिण सलमारा में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि नेमाटीघाट में ब्रह्मपुत्र, एनएच रोड क्रॉसिंग पर पुथिमारी और कामपुर में कोपिली नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पुथिमारी और कोपिली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियां हैं।

खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख की कनाडा में गोली मारकर हत्या, भारत में वांछित था

नई दिल्ली, एजेंसी

खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में एक गुरद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गयी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। निज्जर भारत में अति वांछित आतंकवादियों में शामिल था जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में जालंधर के भारसिंघपुर गांव का रहने वाला निज्जर स्थानीय समयानुसार रात आठ बजकर करीब 27 मिनट पर सरे स्थित गुरु नानक सिख गुरद्वारा साहिब के पार्किंग स्थल में एक कार में मृत मिला था और उसके शरीर में गोलियां लगी हुई थीं। वह इस गुरद्वारे का प्रमुख था। अधिकारियों ने प्रारंभिक जानकारी के हवाले से कहा कि दो अज्ञात हमलावरों ने निज्जर को गोली मारी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। अधिकारियों के अनुसार, जब उसके शव को कनाडा की पुलिस घटनास्थल से ले जा रही थी तो सिखों के एक समूह ने खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी नारे लगाये। निज्जर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में कथित भूमिका को लेकर देश में अति वांछित आतंकवादियों में शामिल था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जालंधर में 2021 में एक हिंदू पुजारी पर हमले के मामले में निज्जर की गिरफ्तारी में सहायता के लिए सूचना देने पर पिछले साल जुलाई में 10 लाख रुपये नकद इनाम की घोषणा की थी। इससे तीन महीने पहले ही एनआईए ने हमले के सिलसिले में उसके और तीन अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए के अनुसार, निज्जर भारत में खालिस्तान समर्थक समूह 'सिख्स फॉर जस्टिस' के अलगाववादी और हिंसक एजेंडा को भी बढ़ावा दे रहा था।

गले में पट्टा डालकर कहलवाया - मैं धर्म बदलने को तैयार हूं', NSA लगेगा, आरोपियों के घर चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी

मध्य प्रदेश में बदमाश किस कदर बेखौफ है, इसका उदाहरण भोपाल में देखने को मिला। कुछ बदमाशों ने एक युवक के गले में पट्टा बांधा। कुत्ते की बर्ताव करते हुए उससे माफी मंगवाई। वीडियो में युवक कहता सुनाई दे रहा है कि 'मैं मियां भाई बनने को तैयार हूं। मुझे छोड़ दो।' वीडियो में कुछ लोग हाथ में बेल्ट लेकर युवक को मारने की धमकी भी दे रहे हैं। यह मामला सामने आने के बाद गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा हरकत में आए और पुलिस कमिश्नर को 24 घंटे के भीतर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाले विजय ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भी तत्काल कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के साथ ही अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। साथ ही टीला जमालपुरा के टीआई अनुराग लाल को लाइन अटैच कर दिया गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर को सख्त निर्देश दिए हैं कि अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर नजीर पेश करें। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ अब एनएसए के तहत कार्रवाई की जा रही है। तीनों अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलाया जाएगा। इसके बाद गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा दोबारा मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि सुबह आपको 24 घंटे का कहा था। छह घंटे के अंदर ही आरोपियों को पकड़ लिया है। ठरअ की कार्रवाई कर दी गई। उनका अतिक्रमण चिह्नित कर लिया गया है। अतिक्रमण पर बुलडोजर चलेगा। थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया है। घृणित सोच और मानसिकता वालों के विरुद्ध भोपाल में यह कार्यवाही प्रदेश में नजीर बनेगी। **छह**

लोगों के खिलाफ मामला दर्ज: पुलिस ने इस मामले में पीड़ित विजय की शिकायत पर छह आरोपियों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के साथ ही अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुराने भोपाल में विजय नाम के युवक के साथ बिलाल टीला, फैजान लाला, साहिल बच्चा, मोहम्मद समीर टीला और मुफीद खान ने मारपीट की है। यह वीडियो नौ जून का बताया जा रहा है। विजय निवासी पंचवटी कॉलोनी, लालघाटी ने पुलिस को शिकायत में कहा है कि नौ जून को वह और उसका दोस्त शाहरुख एक शादी में लैंडमार्क गार्डन गए थे। वहां से रात को लौटे। शाहरुख को घर छोड़ा और वह घर जा रहा था। तभी रास्ते में आरोपियों ने उसे रोका और तमाचे मारे। चाकू दिखाकर बाइक पर बिठाकर ले गए। उसकी एक्टिवा की चाबी और मोबाइल छीन लिए। पीजीबीटी मैदान में फैजान और साहिल ने उसके गले में बेल्ट बांधा। बाकी लोगों ने मारपीट की। जेब में रखे पैसे निकाल लिए। मारते-पीटते कहने लगे कि- तू मियां बन जा। बड़े का मांस खाने लग। तू डरपोक है। तेरे में जिगरा नहीं है। मारपीट करते हुए विजय के भाई लोकेश और मां को कॉल कर धमकाया। इस पर वीडियो में युवक को यह कहते सुना जा सकता है कि 'मैं मियां भाई बनने को तैयार हूं।' **रामेश्वर शर्मा बोले- अपराधियों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार होना चाहिए :** हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वीडियो को मध्य प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। गृहमंत्री जी ने जांच के आदेश दिए हैं। मैं भी पुलिस कमिश्नर और प्रशासन से आग्रह करूंगा कि इस तरह के अपराध में दोषियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाए। हिंदू बेटे-बेटियों को सताने के लिए कोई गैंग तो नहीं बन गई है? यह नशे का कोई कारोबार तो नहीं कर रही? हर एंगल से इस मामले की जांच की जाए। हम उम्मीद करते हैं कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। मेरी पीड़ित परिवार से बात हुई है। राजधानी में पट्टा बांधकर घसीटना अपराध है और जिन लोगों ने यह काम किया है, उनका भी यही हाल करना प्रशासन का काम है। उधर, कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भी कहा कि युवक के गले में पट्टा बांधकर पीटने की जो बात सामने आई है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार बातें तो बड़ी-बड़ी करती हैं लेकिन माफिया के हौंसले बुलंद है। सरकार कहती है कि गुंडो का सफाया हो चुका है, जो गलत है। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। कानून का शासन नहीं रह गया है, जो इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। भाजपा की बड़बोली सरकार के पास ऐसी घटनाओं का कोई समाधान नहीं है।

गौलापार में अवैध रूप से काटी जा रहीं तीन कॉलोनियां पकड़ीं

हल्द्वानी, एजेंसी। गौलापार में हाईकोर्ट आना तय है। इसके बाद से वहां जमीन की खरीद-फरोख्त बढ़ गई है। जिला विकास प्राधिकरण की टीम ने गौलापार क्षेत्र में अवैध रूप से काटी जा रहीं तीन कॉलोनियां पकड़ीं। इनमें एक कॉलोनी के प्लॉट की खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई है। दो कॉलोनियों के खसरा नंबर तहसील से पता कराए जा रहे हैं। सोमवार को इनकी भी खरीद-फरोख्त पर रोक लग सकती है। गौलापार में अनियोजित विकास, हल्द्वानी शहर की तरह न हो जाए शीर्षक से पूर्व में खबर प्रकाशित की थी। बुधवार को डीएम के सामने भी इस बात को उठाया गया था। इसके बाद डीएम ने जिला विकास प्राधिकरण को कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने गौलापार क्षेत्र में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने कहा कि खजान सिंह एवं सूरत सिंह देवला तल्ला पजाया मे खसरा संख्या 172/2 में अवैध रूप से प्लाटिंग कर रहे थे जिसे सील कर दिया गया है। रजिस्ट्रार को जमीन की खरीद-फरोख्त रोकने के लिए पत्र भेजा गया है। दो कॉलोनियां और अवैध पाई गई हैं जिनका खसरा नंबर निकाला जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने बताया कि ऊंचापुल पार्किंग के पास नरेंद्र सिंह रावत बेसमेंट खोदकर अवैध निर्माण कर रहे थे जिसे सील कर दिया गया है। ऊंचापुल कमलुवागांजा रोड पर पार्वती पथनी अवासीय नक्शा पास कराकर तीन दुकानों का निर्माण करवा रही थी जिसे सील कर दिया है।

संवरेंगे 24 राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन

चंपावत, एजेंसी। जिले में प्रारंभिक शिक्षा विभाग की ओर से 24 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की मरम्मत और नवनिर्माण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए विभाग को जिला योजना से 189.70 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। विभाग की ओर से दो दशक पूर्व बने विद्यालय भवनों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी पुरोहित ने बताया कि चयनित प्राथमिक विद्यालयों में छत मरम्मत, टाइल निर्माण, चहारदीवारी, अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण के साथ ही रंगरोगन आदि का कार्य किया जाएगा। वर्ष 2002 में बने राजकीय प्राथमिक विद्यालय तामली में 15 लाख रुपये से भवन मरम्मत और रंगरोगन कार्य किया जाएगा। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय बनबसा केनाल में 19 लाख से विद्यालय भवन का पुनर्निर्माण किया जाएगा। चंपावत विकासखंड के तहत संपर्क फाउंडेशन की ओर से निर्मित स्मार्ट क्लास में 13.70 लाख रुपये की लागत से रंगरोगन और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। चंपावत विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय लफड़ा, बडोली, धौनरावत, चौड़ाख्याली, मौनपोखरी, लमकनिया, चंपावत और बनबसा केनाल. बाराकोट विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय देवराड़ी, कामाज्यूला, शील बरियूड़ी, लोहाघाट विकासखंड में नाकोट, ठांठा और पाटी विकासखंड में गूंठ अर्नकिया, खेतीखान, मल्ली लड़ी, पिपलाटी, जनकांडे, कजीना, कोटना, कूंण, मौनकांडा। चंपावत। बाराकोट विकासखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय छंदा में भवन पुनर्निर्माण कार्य के लिए जिला योजना में 10.29 लाख रुपये का आवंटन किया गया है। वर्ष 2021 में विद्यालय भवन के पुनर्निर्माण के लिए 18.58 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। इसमें से अब तक निर्माण कार्य में 8.29 लाख रुपये व्यय किए जा चुके हैं।

महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष पर जान से मारने की धमकी का केस

खटीमा, एजेंसी। भाजपा नेता ने महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मीरा सोनकर पर जान से मारने की धमकी देने को आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने कांग्रेस नेत्री के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वार्ड 13 निवासी राज गौरव सोनकर ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह समाज के दबे पीड़ित की मदद क लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इस कारण कुछ रसूखदार उससे रंजिश रखते है। वार्ड 13 निवासी मीरा सोनकर उससे पूर्व से ही रंजिश रखती है। उसकी ओर से धमकाया जा रहा है कि जिस दिन सुरक्षा गार्ड हटेगा उसी दिन उसे जान से मार देंगे। इस बात का प्रमाण के रूप में एक ऑडियो वीडियो भी वायरल हो रहा है। इससे उसे जान माल का खतरा बना हुआ है। कहा कि मीरा सोनकर भविष्य में उसके और उसके परिवार के साथ कोई भी संगीन घटना कर सकती है। पुलिस ने इस मामले में कांग्रेस नेत्री मीरा सोनकर के खिलाफ धारा 506 आईपीसी के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल नरेश चौहान ने बताया कि मामले की जांच बाजार चौकी प्रभारी संदीप पिलख्वाल को सौंपी गई है। गौरव सोनकर मेरे साथ राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रखता है। 11मई को गौरव सोनकर अपने गनर के साथ उसके घर पर आया था गालीगलौज अभद्रता करने लगा इस घटना का वीडियो भी उसके पास है। मैंने इसकी शिकायत वार्ड मेंबर विश्वनाथ यादव से भी की और अनुरोध किया गया कि वह वार्ड मेंबर होने के नाते उससे समझाए। गौरव सोनकर ने अपनी दबंगई और राजनीतिक संरक्षण का परिचय देते मेरे खिलाफ झूठी एफआई आर दर्ज कराई है । मैंने जान से मारने की धमकी नहीं दी है। मामले की जांच के लिए घर पहुंची पुलिस टीम को भी मैंने यही बताया है।

धोखे से भाजपा का पट्टा डालने का आरोप

जसपुर, एजेंसी। बाबरखेड़ा गांव निवासी शहशाह आलम और रियासत अली ने विधायक कार्यालय पहुंचकर भाजपा नेताओं पर धोखे से भाजपा प्रदेश कार्यालय ले जाकर उनके गले में भाजपा का पट्टा डालने का आरोप लगाया है। रविवार को विधायक आदेश चौहान के कार्यालय पहुंचे शहशाह आलम ने कहा कि वह हृदय रोग से पीड़ित हैं। पूर्व प्रधान जो कुछ दिन पहले कांग्रेस में ही थे। उन्होंने ने उसे देहरादून में हृदय रोग विशेषज्ञ को दिखाने के लिए कहा था। उनके साथ रियासत अली भी गए थे। भाजपा नेता उनको भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कार्यालय ले गए। प्रदेश अध्यक्ष ने उनके और रियासत अली के गले में भी भाजपा का पट्टा डाल दिया। उन्होंने कहा कि वह बीती तीन पीढ़ियों से कांग्रेस में है और कांग्रेस में ही रहेंगे। उन्होंने भाजपा की सदस्यता नहीं ली है। वहां पर मो. हनीफ, गजेंद्र चौहान, मोइनुद्दीन, राहुल गहलोत आदि थे। सभी लोग मेरे नेतृत्व में बिना किसी दबाव से देहरादून भाजपा के प्रदेश कार्यालय गए थे। उन्हें पहले ही बता दिया गया था की भाजपा में शामिल होने प्रदेश कार्यालय जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में शामिल होने वाले सभी लोगों पर स्थानीय विधायक अनावश्यक दबाव बना रहे हैं, जो गलत है।

धोनी का गांव विकास के चौके-छक्के के लिए तरसा

जैंती (अल्मोड़ा), एजेंसी। अपने हेलिकॉप्टर शॉट से विपक्षी टीम के छक्के छुड़ाने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पैतृक गांव में विकास के चौके और छक्के की बारिश नहीं हो पाई है। उनका गांव अब तक सड़क से नहीं जुड़ सका है। अस्पताल न होने से ग्रामीण उपचार के लिए पांच किमी दूर पहुंच रहे हैं। गांव में खेल के मैदान की सुविधा नहीं है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में एक दशक में गांव के 20 परिवार पलायन कर चुके हैं। धोनी मूलरूप से अल्मोड़ा जिले की जैंती तहसील के ल्वाली गांव के निवासी हैं। इस गांव का सबसे बड़ा तोक बिराड़ सड़क से नहीं जुड़ सका है। गांव के लोग छह किमी पैदल चलकर नजदीकी स्टेशन जैंती पहुंचते हैं। बुजुर्गों और मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। बारिश में बदहाल पैदल रास्ता उनकी कठिन परीक्षा लेता है। धोनी के गांव में स्वास्थ्य केंद्र नहीं खुल सका है। ऐसे में मरीजों और गर्भवतियों को उपचार और प्रसव के लिए पांच किमी दूर जैंती की दौड़ लगानी पड़ रही है। ग्रामीण किसी तरह गंभीर मरीजों और गर्भवतियों को डोली के सहारे अस्पताल पहुंचा रहे हैं। पूरे तहसील क्षेत्र में खेल मैदान तक नहीं है। युवाओं का कहना है कि धोनी के नाम से क्षेत्र में एक स्टेडियम बन जाता तो यह पूरे क्षेत्र और जिले के गौरव की बात होती और वे भी उनकी तरह खेलों में बेहतर भविष्य बनाकर जिले और देश का नाम रोशन कर पाते।

2003 में गांव आए थे धोनी: वर्ष 1970 के दशक में धोनी के पिता पान सिंह धोनी नौकरी के लिए रांची जाकर बस गए लेकिन उनका गांव से जुड़ाव अब भी है। महेंद्र सिंह धोनी वर्ष 2003 में अपने गांव आए थे। गांव में बंदर, सुअरों के आतंक से खेती करना मुश्किल हो गया है। रोजगार न होने से गांव से लोग पलायन कर रहे हैं। गांव ने देश को महेंद्र सिंह धोनी जैसा क्रिकेटर दिया है लेकिन आज गांव का सुधलेवा कोई नहीं है। - दिनेश धोनी, ग्राम प्रधान। गांव के कई युवा धोनी की तरह ही क्रिकेटर बनना चाहते हैं लेकिन गांव में मैदान तक नहीं है। इस कारण खेल प्रतिभाएं बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहीं हैं। रोजगार आदि सुविधाओं के लिए युवा पलायन करने के लिए मजबूर हैं।

बेलडा बवाल को लेकर भीम आर्मी का शक्ति प्रदर्शन

रुड़की, एजेंसी। भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद के साथ पीड़ित परिवार से मिलने सैकड़ों लोग पहुंचे। बेलडा गांव निवासी युवक पंकज की रविवार की रात हादसे में मौत हो गई थी। बेलडा गांव में हुए बवाल को लेकर भीम आर्मी ने शक्ति प्रदर्शन किया। भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। इस दौरान भारी पुलिस और पीएसी बल मौजूद रहा। बेलडा गांव निवासी युवक पंकज की रविवार की रात हादसे में मौत हो गई थी। सोमवार की सुबह परिजनों व ग्रामीणों ने कोतवाली का घेराव करते हुए गांव के ही एक पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया था। साथ ही जमकर हंगामा करते हुए कोतवाली का घेराव किया था सोमवार की शाम गांव में देखते ही देखते बवाल हो गया था और जमकर पत्थरबाजी हुई थी। मोबाइल को शांत करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था जिसके बाद मामला शांत हुआ था। युवक की मौत के मामले में शनिवार को एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने भी गांव पहुंचकर पीड़ित पक्ष से हाल जाना था। जबकि भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद ने भी गांव पहुंचकर पीड़ित पक्ष से मिलने की बात कही थी। यहां पर पुलिस ने भीड़ को रोक लिया। इसके बाद भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद की गाड़ी समेत पांच गाड़ियों को गांव में जाने की अनुमति दी। इसके बाद चंद्रशेखर ने पीड़ित पक्ष से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि उनकी संभव मदद की।

गाजियाबाद के दंपती का सात माह का बच्चा चोरी, टीमें जांच में जुटीं

हरिद्वार, एजेंसी। गाजियाबाद से हरिद्वार घूमने आए एक परिवार का सात माह का बच्चा रात में सोते समय चोरी हो गया। पुलिस और सीआईयू की टीमें गंगा घाटों से लेकर रेलवे स्टेशन और बस अड्डे को खंगाला लेकिन कुछ पता नहीं चला। एसएसपी अजय सिंह ने पुलिस टीम को निर्देश दिए। पुलिस के मुताबिक, मोहल्ला अमेट नगर, विजय नगर गाजियाबाद निवासी शिव अपनी पत्नी रेखा व सात महीने के बेटे अभिजीत के साथ माता-पिता, भाई, बहन के साथ चार दिन पहले 14 जून को हरिद्वार घूमने आया था। घूमने के बाद परिवार के सदस्य गंगा घाट के आसपास ही सो गए। शनिवार रात में बारिश आने पर परिवार के सभी लोग सीसीआर के पास ऊर्जा निगम के कार्यालय परिसर में रूक गए। यहां रात में करीब एक बजे सभी बरामदे में सो गए। शिव की पत्नी रेखा की करीब चार बजे आंख खुली तो बच्चे को गायब देख शोर मचा दिया। परिवार के अन्य लोग भी जाग गए और बच्चे को ढूंढ़ने के साथ ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला, एसएसआई मुकेश थलेड़ी, रोड़ीबेलवाला चौकी प्रभारी प्रवीन सिंह रावत तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी लेने के बाद अलग-अलग टीमें बच्चे की तलाश में जुट गईं। कोतवाली भावना कैंथोला ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह ने बताया कि पुलिस और सीआईयू की टीमें बच्चे की तलाश में जुटी हैं। सीसीटीवी कैमरे चेक करने के साथ ही संभावित स्थानों पर भी तलाश कराई जा रही है।

स्वच्छता के लिए उठे हजारों हाथ, चला सफाई अभियान

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिले के विभिन्न हिस्सों में जिला न्यायालय, प्रशासन और नगर पालिका ने रविवार को संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के शुभारंभ पर जिला जल कौशल किशोर शुक्ला ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यावरण असंतुलन गंभीर समस्या बन रहा है। इसके संतुलन के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी है जिसमें सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी। अल्मोड़ा में अभियान का शुभारंभ सिमकनी मैदान से हुआ। इंदिरा कॉलोनी, एचएनबी स्टेडियम के संपर्क मार्गों को साफ कर नगर के विभिन्न हिस्सों से 650 किलो कूड़ा एकत्र किया गया। इसका निस्तारण पालिका ने किया। अभियान में शामिल डीएम विनीत तोमर ने कहा कि सफाई के लिए सभी को सहयोग देना चाहिए। इस मौके पर एसएसपी रामचंद्र राजगुरु, एसडीएम सदर गोपाल सिंह चौहान, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी गोविंद सिंह मेहरा, ईओ भरत त्रिपाठी आदि रहे। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सफाई अभियान का शुभारंभ न्यायिक मजिस्ट्रेट जसमीत कौर ने दीप जलाकर किया। वहां कक्षा छह से 10 तक के विद्यार्थियों की निबंध प्रतियोगिता भी हुई। विजेताओं को

पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद के कर्मियों, एसएसबी जवानों सहित अन्य लोगों ने क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया।

द्वाराहाट में सफाई अभियान चलाकर कूड़े को एकत्र किया: क्षेत्र में सिविल जज राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों ने विकासखंड परिसर, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, डढोली, धर्मगांव, रानीखेत रोड पर सफाई अभियान चलाकर प्लास्टिक और अन्य कूड़े को एकत्र किया। अभियान में जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी जगदीश प्रसाद, थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हेम रावत, बीडीओ संतोष जेठी आदि रहे। न्यायिक मजिस्ट्रेट आदर्श त्रिपाठी के नेतृत्व में चले अभियान में अधिकारियों और कर्मचारियों ने रामगंगा स्नान घाट पर सफाई अभियान चलाया। अभियान में अधिवक्ता, पुलिस कर्मी, यूपीसीएल कर्मी सहित अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल रहे। इस दौरान 220 किलोग्राम कूड़े को एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया। वहां एसडीएम गौरव पांडे, तहसीलदार निशा रानी, ईओ अनिरुद्ध गौड़ आदि रहे। ईओ विजय कनवासी के निर्देशन में अगनेरी स्थित श्मशान घाट पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। वहां जेई धीरज थापा, दिनेश मनराल, पवन तिवारी, गोकुल कांडपाल, जीवन नेगी, इंदर अटवाल, दीपक जोशी, अमृत माहेश्वरी, विजय जोशी समेत दुलड़ी क्षेत्र की महिलाएं और नगर पंचायत कर्मी आदि थे।

जाम की वजह से देरी से पहुंचीं नैनीताल से बसें

हल्द्वानी, एजेंसी। रविवार के दिन पर्यटकों की भीड़ के चलते रोडवेज की बसों की संख्या बढ़ानी पड़ी। दिल्ली के लिए अतिरिक्त बसें भेजीं लेकिन नैनीताल से आने वाली बसों को जाम से जूझना पड़ा। नैनीताल से बसों की हल्द्वानी वापसी में काफी समय लग रहा है। रास्ते में लग रहे जाम की वजह से बसें डेढ़ से दो घंटा देरी से पहुंच रही हैं। परिवहन निगम के अनुसार रविवार को भुजियाघाट में लंबा जाम लग गया। इसके चलते बसों के फेरे बढ़ाने में मुश्किलें आई हैं। वहीं, दिल्ली के लिए बसों को फिर से बढ़ाना पड़ा। रविवार को हल्द्वानी से दिल्ली के लिए 26 बसों को भेजा गया है जबकि यहां से सामान्य तौर पर 12 बसों को भेजा जाता है। परिवहन निगम को अनुमान

है कि अभी दो सप्ताह बसों में और भीड़ रहेगी। हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि यदि नैनीताल मार्ग पर जाम नहीं मिला तो हम बसों के फेरे और बढ़ा पाएंगे जिससे यात्रियों को सुविधा होगी और निगम की भी आय बढ़ेगी।

पहाड़ में सेवाएं देने वाली केमू बसों में भी यात्रियों की भीड़ चल रही है। हल्द्वानी से अल्मोड़ा, रानीखेत, बागेश्वर, रामगढ़ आदि रूटों पर केमू की बसों में सीट मिलने में दिक्कत हो रही है। इसी तरह टैक्सी चालकों के कारोबार में भी उछाल आया है।

महिला ने पति पर लगाया गलत तरीके से संबंध बनाने का आरोप

रूड़की, एजेंसी। एक महिला ने ससुरालवालों पर दहेज के लिए पीटकर घर से निकालने का आरोप लगाया। साथ ही पति पर उसकी बहन से छेड़खानी करने व उससे अप्राकृतिक तरीके से संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर ससुराल पक्ष की तीन महिलाओं समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी वर्ष 2020 में फैजान निवासी छांगा माजरी थाना भगवानपुर के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के तहत संपन्न हुई थी। कुछ दिनों तक तो उसके ससुरालियों का उसके प्रति व्यवहार ठीक रहा। इसके बाद आरोपी दहेज की मांग करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि गर्भवती होने पर ससुरालियों ने जबरन उसका गर्भपात करा दिया। वर्ष 2021 में उसकी छोटी बहन उसके घर आई तो पति ने उसके साथ छेड़खानी की। जब उसने विरोध किया तो आरोपी पति ने उसके साथ अप्राकृतिक तरीके से संबंध बनाने शुरू कर दिए। जब उसने इसकी ससुरालियों से शिकायत की तो उन्होंने उसका पक्ष सुनने के बजाय उसके साथ ही मारपीट कर घर से निकाल दिया। इसके बाद उसके पिता ने पंचायत की तो आरोपी माफी मांगते हुए उसे फिर से घर ले गए और फिर से कुछ दिनों बाद उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता ने बताया कि 23 अप्रैल 2023 को उसका देवर मायके में आया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने विरोध किया था

बदलेगी मां पूर्णागिरि धाम मेले की संचालन एजेंसी

चंपावत, एजेंसी। मां पूर्णागिरि धाम का मेला जल्द ही सालभर संचालित होगा। इसके लिए सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है। वर्तमान में तीन माह मेला चलता है। मेले की अवधि में बदलाव के साथ ही आयोजन समिति में भी बदलाव के संकेत हैं। मेले के संचालन की जिम्मेदारी वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति के पास होगी। वन भूमि में संचालित इस मेले में जिला पंचायत की भूमिका कम हो जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस साल नौ मार्च को पूर्णागिरि धाम के मेले के शुभारंभ मौके पर मेले को सालभर संचालित करने का एलान किया था। होली बाद शुरू होने वाले तीन माह के मेले के आयोजन के लिए गठित मेला आयोजन समिति में टनकपुर के एसडीएम मेला मजिस्ट्रेट और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी मेलाधिकारी हैं। तीन माह के मेले और सालभर के मेले को चलाने की चुनौतियां अलग हैं। इसके मद्देनजर स्थायी रूप से मेला संचालन समिति गठित होगी। इसकी बागडोर एक वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी को दी जाएगी। सीएम के एलान के बाद से मेला क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार के साथ आधारभूत ढांचा बेहतर करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। उत्तराखंड का ये पहला आध्यात्मिक क्षेत्र होगा जहां सालभर मेला होगा। इससे इस धर्मस्थल को अलग पहचान मिलेगी। पूर्णागिरि क्षेत्र में पेयजल, पथ प्रकाश को बेहतर करने के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा। सालभर के मेले के संचालन के लिए जरूरी सुविधाओं के अलावा आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। बिजली, पेयजल, मोबाइल टावर सहित पूर्णागिरि धाम में श्रद्धालुओं के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सालभर के मेला आयोजन के लिए वरिष्ठ पीसीएस स्तर की अध्यक्षता में एक स्थायी समिति बनाने का प्रस्ताव है।

सड़क की घटिया गुणवत्ता के खिलाफ प्रदर्शन

लोहाघाट (चंपावत), एजेंसी। नेपाल सीमा को जोड़ने वाले बलूटा-पासम मार्ग पर डामरीकरण की घटिया गुणवत्ता से लोगों में नाराजगी है। रविवार को सड़क की दशा सुधारने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर इसके जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई। 15 किमी लंबे बलूटा-पासम मार्ग पर पिछले कुछ वर्षों में डामर शुरू हुआ था। पांच किमी मार्ग पर डामरीकरण का काम ही पूरा हो सका है। इससे आगे का काम धीमी गति से चलने के साथ घटिया गुणवत्ता से किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया काम की शिकायत के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ और अब पुराना डामर भी उखड़ने लगा है। ग्रामीणों ने नेपाल सीमा से लगे दुर्गम क्षेत्र की

अनदेखी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच और इसके लिए कसूरवार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में चंद्रकांत तिवारी, कमल बोहरा, कृष्णा बोहरा, प्रकाश सामंत, हिम्मत सिंह, बहादुर सिंह, मदन सिंह, पूरन सिंह आदि थे। बलूटा-पासम सड़क के दूसरे चरण में 6.61 करोड़ रुपये से डामर किया जा रहा है। घटिया डामर की शिकायत मिलने के बाद सड़क के निरीक्षण के लिए अभियंताओं की टीम भेजी गई है। साथ ही ठेकेदार को भी बुलाया गया है।

खेतों में हल चलाकर महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं बबीता रावत, मेहनत का आज होगा मान-सम्मान

रुद्र प्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के अगस्तयमुनि के गांव उमरौला सौड़ निवासी बबीता रावत ने गांव में रहकर कामयाबी की नई इबारत लिखी है। आर्थिक तंगी के बावजूद बबीता रावत ने हार नहीं मानी और संघर्षों के बूते

मुकाम हासिल कर पहाड़ की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गईं। परिवार को आर्थिक तंगी से उबारने के लिए उन्होंने अपनी खाली पड़ी 17 नाली यानी करीब 37 हजार वर्ग फीट भूमि पर खुद हल चलाकर उसे उपजाऊ बनाया। साथ ही सब्जी उत्पादन, पशुपालन व मशरूम उत्पादन के जरिये सफलता की नई दास्तान लिख डाली। उनके इसी प्रेरणादायी संघर्ष के लिए प्रदेश सरकार की ओर से उन्हें इस वर्ष तीलू रौतेली पुरस्कार से नवाजा गया। ऐसी कर्मठ बबिता को अमर उजाला सम्मानित कर गौरव की अनुभूति कर रहा है। 75वीं सालगिरह से स्वर्णिम शताब्दी की ओर बढ़ रहा अमर उजाला राजधानी देहरादून में 19 जून को का आयोजन करने जा रहा है। इस मौके पर अमर उजाला उत्तराखंड की उन युवा प्रतिभाओं, संस्कृतिकर्मियों और सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय भूमिक निभाने वाली विभूतियों को भी सम्मानित करेगा।

टनकपुर स्टेडियम की बी टीम ने जीता वॉलीबाल का खिताब

टनकपुर (चंपावत), एजेंसी। विश्व ओलंपिक दिवस के उपलक्ष्य में स्टेडियम में खेलकूद प्रतियोगिताएं जारी हैं। दूसरे दिन भी वॉलीबाल के मुकाबले हुए जिसमें खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। फाइनल मैच टनकपुर स्टेडियम की बी टीम ने जीता। उत्तरांचल ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के तहत रविवार को वॉलीबॉल के मुकाबले खेले गए। शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि टैक्सी यूनियन अध्यक्ष मदन कुमार ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने को प्रेरित किया। देर शाम को वॉलीबॉल का फाइनल मुकाबला टनकपुर स्टेडियम की ए और बी टीम के बीच हुआ जिसमें बी टीम ने 3-1 से जीत दर्ज कर

चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में स्टेडियम की बी टीम ने सैलानीगोठ को और स्टेडियम की ए टीम ने चंपावत को हराया। मैच की निर्णायक प्रशिक्षक आशा भट्ट थीं। वहां जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अवतार सिंह, चंदन सिंह मेवाड़ी, जगदेव सिंह, विजय आर्या, नितिन भारती, काजल बोहरा आदि थे। उत्तरांचल ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. डीके सिंह की देखरेख में चल रही प्रतियोगिताओं के आयोजन में तुलसी कुंवर, जिला फुटबाल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष संजय शाह, क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पाटनी, सतीश जोशी, चंद्रमोहन मेवाड़ी, जगदेव सिंह, सुभाष पांडेय, दीपक पचौली, पवनेश पाटनी, आशा पांडेय, सोबन सिंह जीना विवि के खेल अधिकारी लियाकत अली सहयोग दे रहे हैं।

टाटा सफारी में आए और तमंचे के बल पर कार लूट ले गए

सितारगंज, एजेंसी। एनएच-74 पर टाटा सफारी सवार चार बदमाशों ने एयरटेल कंपनी के जोनल मैनेजर को तमंचा दिखाकर उनकी कार लूट ली। जोनल मैनेजर ने पुलिस को लूट की तहरीर दी। इस पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। एसएसपी मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर लूट की घटना के खुलासे में पांच टीम लगाई गई हैं। बारादरी बरेली निवासी मनोज कुमार गंगवार ने कोतवाली में सौंपी तहरीर में कहा कि शनिवार रात करीब 11ः50 बजे वह कार से एनएच-74 पर कंठगरी मोड़ के पास पहुंचे थे। इस दौरान उनके आगे चल रही टाटा सफारी कार के चालक ने अचानक गाड़ी रोक दी। इस पर उन्हें भी अपना वाहन रोकना पड़ा। इस पर बिना नंबर की टाटा सफारी कार में सवार चार लोगों में से दो लोग उतरकर उसके पास आए। एक उनकी कार के बोनट पर चढ़कर तमंचा दिखाने लगा, जबकि दूसरा कार का दरवाजा खोलने लगा। उन्होंने लॉक खोला तो आरोपी उन्हें उतारकर कार लूटकर चले गए। पीड़ित का कहना है कि कार में उनका लैपटॉप, पर्स, ट्रॉली, मोबाइल सहित जरूरी कागजात थे। जाते-जाते बदमाश उनका मोबाइल फोन कार से बाहर फेंक गए। उन्होंने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। कोतवाल भूपेंद्र सिंह बृजवाल ने बताया कि सीओ ओमप्रकाश शर्मा एवं उनके नेतृत्व में पांच टीम गठित की गई हैं। घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

अब एमसीडी के स्कूल भी बनेंगे विश्वस्तरीय

आतिशी ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के टॉप लीडरशिप के साथ भविष्य के नॉलेज पार्टनरशिप पर की मुलाकात

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने आज यूनाइटेड किंगडम में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) का दौरा किया। उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों के शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों को विश्वस्तरीय एक्सपोजर देना, और उनके प्रोफेशनल डेवलपमेंट और कैपिसिटी बिल्डिंग के लिए यूसीएल के टॉप लीडरशिप के साथ भविष्य की संभावित साझेदारी पर चर्चा करना था। इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, हम दिल्ली सरकार के स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने के पश्चात अब एमसीडी स्कूलों को भी वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, शिक्षा हमेशा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार की प्राथमिकता रही है। दिल्ली सरकार के स्कूलों के बाद, अब हमारा ध्यान एमसीडी स्कूलों पर है और उसमे भी शिक्षा क्रांति लाना हमारी प्राथमिकता है। एमसीडी स्कूलों को विश्व स्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के लिए, हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि एमसीडी शिक्षकों को दुनिया भर में शिक्षा को लेकर एक्सपोजर दे और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत करवायें। इस दिशा में यूसीएल जैसे संस्थानों के साथ भविष्य में होने वाली साझेदारियाँ मददगार साबित होंगी।

मंत्री आतिशी ने दिल्ली एजुकेशन मॉडल का उदाहरण देते हुए कहा कि,हमने दिल्ली सरकार के स्कूलों में शिक्षकों को इंटरनेशनल एक्सपोजर दिया। उन्हें देश विदेश में ट्रेनिंग के लिए भेजा ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे शानदार कामों को देख सके और उन्हें समझ सके। इस दिशा में अब हम एमसीडी स्कूल के शिक्षकों को भी वही एक्सपोजर प्रदान करेंगे।

बता दें कि यूसीएल का फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एंड सोसाइटी,इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन (आईओई) के नाम से जाना जाता है।व शिक्षण तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विश्व के प्रख्यात रिसर्च इंस्टिट्यूट में शामिल है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने यूसीएल में एमसीडी शिक्षकों के प्रशिक्षण के संभावित फायदों पर चर्चा करते हुए कहा, भविष्य में हमारे शिक्षकों यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने से एमसीडी स्कूलों के छात्रों को बहुत फायदा होगा। यहाँ से मिले प्रशिक्षण के मध्यम से हमारे शिक्षक अपनी कक्षाओं में पढ़ने-पढ़ाने के सर्वोत्तम शैक्षणिक प्रथाओं को अपनायेंगे और बच्चों ऐसी लर्निंग दे सकेंगे जो प्राथमिक कक्षाओं में उनके बुनियाद को मजबूत बनाते हुए उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होंगे।

बता दें कि अपने शिक्षकों को वर्ल्ड क्लास एक्सपोजर देना हमेशा से दिल्ली सरकार की प्राथमिकता रही है। केजरीवाल सरकार ने पिछले कुछ सालों में यूनाइटेड किंगडम, फिनलैंड, सिंगापुर और अन्य देशों सहित दुनिया भर के शैक्षणिक संस्थानों में अपने 1100 से अधिक शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम लखनऊ जैसे प्रमुख संस्थानों से भी केजरीवाल सरकार के स्कूलों प्रमुखों ने लीडरशिप डेवलपमेंट पर स्पेशल ट्रेनिंग प्राप्त की है। अब एमसीडी स्कूलों के शिक्षकों के लिए भी ऐसे अवसर तैयार किए जा रहे है। एमसीडी स्कूलों में शिक्षा क्रांति लाने और छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा देने के लिए दिल्ली सरकार के प्रयास दिल्ली में शिक्षा के भविष्य पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव पैदा करने के लिए तैयार हैं। यूसीएल के साथ संभावित साझेदारी इस विजन को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि यूसीएल की यात्रा के दौरान, शिक्षा मंत्री आतिशी के साथ दिल्ली के शिक्षा सचिव अशोक कुमार, एमसीडी के शिक्षा निदेशक विकास त्रिपाठी और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), दिल्ली के सीनियर फैकल्टी भी शामिल रहे।

दिल्ली में 10,000 पेड़ लगाएं, चूककर्ता वादियों से लिए धन का इस्तेमाल करें: अदालत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में 10,000 पेड़ लगाने और कई मामलों में चूककर्ता वादियों द्वारा जुमार्ने के रूप में जमा कराई गई 70 लाख रुपये से अधिक की धनराशि का इसके लिए इस्तेमाल किए जाने का निर्देश दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि पेड़-पौधे वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोख कर हवा को शुद्ध बनाते हैं। न्यायमूर्ति नजमी वजीरी ने कहा कि अदालत में जमा कराई जाने वाली इस राशि का इस्तेमाल व्यापक जनहित के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने चार वकीलों को अदालत के आयुक्तों के रूप में नियुक्त किया गया जो इस मुहिम के लिए स्थलों की पहचान करेंगे।

न्यायाधीश ने कहा कि पेड़ शहर और उसके निवासियों की कई पीढ़ियों को अपने जीवित रहने तक लाभ पहुंचाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ ह्यपूरे साल शहर में व्याप्त रहने वालेह्न प्रदूषण को न केवल अवशोषित कर हवा को शुद्ध करेंगे बल्कि वे उसकी सुंदरता भी बढ़ाएंगे।

अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा, उप वन संरक्षक (डीसीएफ), जीएनसीटीडी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) के बैंक खाते में 70 लाख रुपये से अधिक स्थानांतरित किए जाएंगे इस धनराशि का इस्तेमाल डीसीएफ, जीएनसीटीडी के पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) की मदद से ऐसे इलाकों में पेड़ लगाने में करे, जिनकी पहचान शादान फरासत, आविष्कार सिंघवी, तुषार सन्नू, आदित्य एन प्रसाद करेंगे। वे सभी कम से कम 2,500-2,500 पेड़ लगाएंगे। अतः उन्हें अदालत के आयुक्त नियुक्त किया जाता है। अदालत ने पुलिस को इस काम में डीसीएफ और अदालत आयुक्तों की मदद करने का निर्देश दिया। उसने कहा कि वृक्षारोपण और पेड़ों के रखरखाव में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और हर छह महीने में डीसीएफ से अभियान की स्थिति रिपोर्ट मांगी जानी चाहिए। इस मामले में अगली सुनवाई सात जुलाई को होगी।

दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत : मालीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र और दो बहनों की हत्या की घटनाओं के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष के एक छात्र की रविवार को आर्यभट्ट कॉलेज के बाहर कथित रूप से चाकू मारकर हत्या कर दी गयी।

एक अन्य घटना में हमलावरों ने रविवार तड़के दक्षिण पश्चिम दिल्ली के आर के पुरम में दो महिलाओं की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों बहनें थीं और संदेह है कि उनके भाई के साथ संपत्ति विवाद को लेकर उन्हें मार दिया गया। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इन घटनाओं के बाद मालीवाल ने ट्वीट किया, आज अपराधियों के मन में कानून का कोई डर नहीं है। उन्हें लगता है कि वे बच निकलेंगे। राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।

आर के पुरम की घटना के बाद राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गयी है और सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए उप राज्यपाल वी के सक्सेना को जिम्मेदार ठहराया है।

हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुखर्जी नगर में पिछले दिनों आग लगने की घटना के बाद वहां का दौरा नहीं करने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथ लिया।

मनोज तिवारी ने मुस्लिम महिलाओं को समझाएं केंद्र सरकार के 9 वर्ष की योजनाओं के फायदे

नई दिल्ली। महा संपर्क अभियान के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली के अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से मुस्लिम महिलाओं का एक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें लाभार्थी मुस्लिम महिलाओं को सम्मानित भी किया गया सांसद मनोज तिवारी ने बीते 9 वर्ष में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ मुस्लिम महिलाओं को समझाए कार्यक्रम का आयोजन उत्तर पूर्वी जिला के अल्पसंख्यक मोर्चा के सैयद जावेद द्वारा किया गया कार्यक्रम में भाजपा नेता नीलकांत बक्शी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कारी मोहम्मद हारून महामंत्री विलाल जैदी इरफान सलवानी मंत्री सवाना रहमान अनीस अब्बासी जिला उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी राजकुमार झा सलीम सैफी मोहम्मद फारूक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मौजूद सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम महिलाओं को संबोधित करते हुए मनोज तिवारी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना भेदभाव के महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं देश की आधी आबादी को समर्पित की जिसमें तीन तलाक जैसी कुरीति को समाप्त किया महिलाओं के नाम से आवास खरीदने पर सस्ता लोन और सब्सिडी सुकन्या योजना उज्जवला गैस योजना जननी सुरक्षा योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ घर की रसोई का ध्यान रखते हुए गैस मुफ्त देने के बाद मुफ्त राशन देने की योजना विधवा और विकलांग महिलाओं को पेंशन योजना आदि प्रमुख योजनाएं हैं। मनोज तिवारी ने कहा कि आजादी के बाद पहली ऐसी सरकार है जिसने मुस्लिम महिलाओं के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देकर समाज के हर क्षेत्र में सिर उठा कर जीना सिखाया प्रधानमंत्री की कई योजनाएं जो महिला सशक्तिकरण के लिए जमीन तक लाने का प्रशासनिक स्तर से लगातार प्रयास हो रहा है।

योग करके चार वर्ष में थाइराइड रोग को भगाया दूर, दवा और दर्द से मिला छुटकारा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

योग शरीर को स्वस्थ बनाकर कई तरह के रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। अगर योग को हम अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो बिना दवा के भी ब्लड प्रेशर, थाइराइड, सर्वाइकल जैसे रोगों से भी मुक्ति पा सकते हैं।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं बलबीर नगर निवासी 49 वर्षीय नीलम त्यागी। नीलम जितना शरीर के बाहर से दिखने में स्वस्थ लगती हैं, उतनी ही स्वस्थ अंदर से भी हैं। ऐसा उन्होंने केवल योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर किया है। इन्होंने योग से अपने चार वर्ष पुराने थाइराइड रोग को दूर भगाया है। अब पड़ोस में रहने वाले लोगों और रिश्तेदारों को भी योग अपनाकर रोगों से मुक्त होने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

अच्छी दिनचर्या और स्वस्थ जीवन शैली को बनाया ताकत नीलम का मानना है कि एक अच्छी दिनचर्या और स्वस्थ जीवन शैली आपको किसी भी बीमारी से ठीक कर सकती है, जीवनभर दवा खाना का समाधान नहीं है। इसलिए उन्होंने योग अपनाया है। नीलम ने बताया कि योग से चार वर्ष के अंदर ही उनका थाइराइड छह से शून्य पर पहुंच गया। जबकि अधिकतर लोगों को जीवनभर दवा के सहारे रहना पड़ता है और शरीर में दर्द भी बहुत रहता है। नीलम ने बताया कि थाइराइड होने के बाद वह लगातार दवा खा रही थी, लेकिन उनका थाइराइड कम नहीं हुआ। लेकिन मई में उन्होंने जब जांच कराई तो उनका थाइराइड शून्य पहुंच गया। ऐसा केवल योग से हुआ है। नीलम ने बताया कि वह पिछले दस वर्षों से योग कर रही हैं, लेकिन थाइराइड को कम करने के लिए उन्होंने चार वर्ष पहले अपनी दिनचर्या में उज्जायी, उष्ट्रासन और सिंहासन को शामिल किया। जिसका उन्हें लाभ मिला। 10 से 15 बार किया सभी आसन का अभ्यास उन्होंने प्रतिदिन सुबह पांच से छह बजे तक सभी आसन का अभ्यास 10 से 15 बार किया। इससे शरीर का दर्द और तनाव भी खत्म हो गया। उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन 10 से 15 बार इनका अभ्यास करे, तो थायराइड को कम करने में लाभ जरूर होगा। उनकी भाभी को भी हाल में थाइराइड हुआ है, उन्होंने उन्हें भी यही आसन करने की सलाह दी है।

छतरपुर के दो फार्म हाउस बेचने के नाम पर 4.85 करोड़ रुपये की ठगी, आरोपित जीजा साले गिरफ्तार

छतरपुर के दो विवादित फार्म हाउस बेचने के नाम पर एक व्यवसायी से 4.85 करोड़ रुपये ठगी करने वाले दो प्रॉपर्टी डीलर को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों रिश्ते में जीजा-साले हैं।

इनके खिलाफ अलग-अलग जगहों पर फार्म हाउस बेचने के नाम पर ठगी करने के पहले के सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीन साल से फरार रहने पर कोर्ट ने इनके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी कर रखा था।डीसीपी विक्रम के.पोरवाल के मुताबिक गिरफ्तार किए गए प्रॉपर्टी डीलर के नाम गुनवीन सिंह व जितिन पाल सिंह है।

कई लोगों को ठगी का बना चुके शिकार गुनवीन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय से कॉमर्स में स्नातक करने के बाद रियल एस्टेट का कारोबार शुरू कर दिया। बाद में उसने अपने साले जितिन पाल सिंह को अपने साथ प्रॉपर्टी डीलिंग के धंधे में शामिल कर लिया। वह भी एमिटी विश्वविद्यालय से ला ग्रेजुएट है। वह 2012 में गुनवीन सिंह के साथ जुड़ा। दोनों कई लोगों को प्रॉपर्टी दिलाने के बहाने उनसे करोड़ों रुपये ठगी कर चुके हैं।

फार्म हाउस बेचने के नाम पर ठगी

छतरपुर एक्सटेंशन में रहने वाले मैसर्स बालाजी मेट्रोपोलिस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक योगेश त्यागी ने आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत कर आरोप लगाया था कि गुनवीन सिंह, जितिन पाल सिंह व अन्य छतरपुर में दो फार्म हाउस बेचने के बहाने उनसे 4.85 करोड़ रुपये ठग लिए। शिकायत में कहा गया कि गुनवीन सिंह ने आहूजा फार्म, शहतूत ड्राइव, डीएलएफ छतरपुर के मालिक रविंदर कुमार आहूजा का फार्म हाउस दिलाने का सौदा किया।

उन्हें बताया गया कि उक्त संपत्ति सभी बाधाओं से मुक्त है और वह इसे बेचने का इरादा रखते हैं। इसके बाद सौदे पर सहमति बनी और 2018 में उनकी डील तय हो गई। उन्होंने विभिन्न बैंकिंग माध्यम से गुनवीन को 2.80 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। अगस्त 2018 में व्यवसायी को पता चला कि संपत्ति विवादित है और एक दीवानी मुकदमा पहले से ही लंबित है।

पैसे वापस करने की मांग करने पर गुनवीन ने व्यवसायी को उक्त संपत्ति के बदले अशोका एवेन्यू, डीएलएफ फार्म, छतरपुर में अन्य फार्म हाउस देने की पेशकश की। उक्त प्रॉपर्टी का मालिक अजय साहनी और राम साहनी को बताया गया। इसके लिए 2.10 करोड़ रुपये और देने की मांग की गई। व्यवसायी ने फिर गुनवीन सिंह, अजय साहनी और राम साहनी को विभिन्न बैंकिंग के माध्यम से 2.05 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया।

भुगतान प्राप्त करते समय अजय और राम साहनी ने आश्वासन दिया था कि वे संपत्ति को अपने पक्ष में करने की प्रक्रिया में है, क्योंकि संपत्ति उनके मृत पिता के नाम पर है। उन्होंने शीघ्र ही सेल डीड देने का आश्वासन दिया। जय साहनी और राम साहनी ने अखबार में एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि उन्होंने किसी के साथ संपत्ति बेचने के लिए कोई समझौता नहीं किया है।

मुकदमा दर्ज होते ही दोनों फरार

उन्होंने कुछ पारिवारिक विवाद का हवाला देते हुए कहा कि उस वजह से संपत्ति बेची नहीं जा सकती है। 2020 में मुकदमा दर्ज होते ही गुनवीन सिंह व जितिन पाल सिंह फरार हो गए। एसीपी घनश्याम के नेतृत्व में एसआई राहुल, शुभेंदु, अमित व घनश्याम की टीम ने पहले गुनवीन सिंह को गुरुग्राम के हाउसिंग सोसाइटी द वेरंडास, सेक्टर-54 से गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के बाद जितिन पाल सिंह को हाउसिंग सोसाइटी माबेर्ला विलास, सेक्टर-66 से गिरफ्तार कर लिया।

कल्याणपुरी में दो जगहों पर चाकू से हमला

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में दो जगहों पर चाकू से हमला करने के मामले सामने आए हैं। पार्क में शोर-शराबा करने से मना करने पर तीन लड़कों ने एक युवक को चाकू घोप दिया। वहीं, शराब पीने के लिए रुपये नहीं देने पर दो युवकों ने दोस्त के गले और कमर पर चाकू मार दिया। पुलिस केस दर्ज कर दोनों मामलों में जांच कर रही है।

पीड़ित 33 वर्षीय मुकेश परिवार के साथ कल्याणपुरी के ब्लॉक-33 में रहते हैं और पेशे से चालक हैं। मुकेश के अनुसार, उनके घर के सामने सेंट्रल पार्क है। इसमें इलाके के रहने वाले बाबू खान, ध्रुव और आकाश अक्सर शोर शराबा करते हैं। उन्होंने तीनों को शोर करने से मना किया था। शनिवार रात वह घर के पास दुकान पर जा रहे थे। इस दौरान तीनों ने उन्हें घेर लिया और पिटाई कर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया।

उधर, 35 वर्षीय चमन परिवार के साथ कल्याणपुरी के ब्लॉक-11 में रहते हैं और एक निजी कंपनी में काम करते हैं। शनिवार रात वह घर में थे, तभी उनके दोस्त रविंद्र और सेवक आए। वह शराब पीने के लिए रुपये मांगने लगे। उन्होंने मना किया तो वे गाली-गलौज करने लगे। उनके गले और कमर पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच कर रही है।

निगम अस्पतालों में डॉक्टर-नर्सिंग स्टाफ की कमी : डॉ. शैली ओबरॉय

नई दिल्ली। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने तिमारपुर स्थित बालकराम अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद मेयर ने कहा कि एमसीडी की इमारतों का सदुपयोग नहीं हो रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर-नर्सिंग स्टाफ की कमी है। ऐसे में मरीजों का अस्पतालों में इलाज कैसे होगा? एमसीडी के अस्पतालों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके बाद स्वास्थ्य सुविधाओं में जल्द सुधार किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल जी के विजन के तहत दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मॉडल को एमसीडी में लागू किया जाएगा। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने आज सोमवार को तिमारपुर स्थित बालकराम अस्पताल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। अस्पताल की सुविधाओं को लेकर मरीजों से फीडबैक लिया। मेयर के औचक निरीक्षण में रेडियोलॉजिस्ट से लेकर डॉक्टर और स्टाफ की कमी मिली। अस्पातल प्रबंधन ने अवगत कराया कि अस्पताल की यह स्थिति पिछले कई सालों से बनी हुई है। स्टाफ की काफी ज्यादा कमी है। इस वजह से इलाज से लेकर मरीजों की जांच तक प्रभावित हो रही हैं। इसके चलते यहां पर मरीज भी काफी कम संख्या में आ रहे हैं।

डीयू के छात्र की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के साउथ कैंपस में रविवार को एक छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने सोमवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिंदापुर निवासी राहुल (19) और जनकपुरी निवासी हारून (19) के रूप में हुई है। आरोपित राहुल बीए प्रोग्राम फर्स्ट ईयर का छात्र है। पुलिस के मुताबिक निखिल की प्रेमिका के साथ कुछ लोगों ने करीब एक हफ्ते पहले बदसलूकी की थी। इसके कारण आरोपितों से निखिल का झगड़ा हुआ था। रविवार को जब निखिल रविवार को आर्यभट्ट कॉलेज से क्लास करने के बाद कॉलेज के गेट पर पहुंचा तो वहां पर पहले से आरोपित खड़े थे, जिन्होंने निखिल के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में निखिल की मौत हो गई। निखिल मॉडल भी था और उसके दो वीडियो एल्बम भी आए थे। इस मामले में साउथ कैम्पस थाने के बाहर खड़े निखिल के पिता संजय का कहना है कि पुलिस ने उनको जानकारी देने के लिए बुलाया लेकिन सुबह से वह थाने के गेट पर खड़े हैं। उन्हें किसी भी तरह की कोई जानकारी अभी तक नहीं दी गई है। उधर, इस मामले में आरोपित हारून की मां से जब बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि आपका बेटा कॉलेज के पास क्या कर रहा था तो उन्होंने कहा कि यही हमें नहीं पता कि आखिरकार वह कॉलेज क्यों गया था। उल्लेखनीय है कि रविवार को छात्र निखिल की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों में एक लड़की को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों के बीच मारपीट भी हुई। इस मामले में डीसीपी मनोज सी ने पुष्टि की कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस में छात्र की चाकू मारकर हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली में बढ़ रही आपराधिक घटनाएं, एलजी से नहीं संभल रही कानून व्यवस्था- प्रियंका कक्कड़

- रविवार शाम को दिल्ली के साउथ कैंपस यूनिवर्सिटी में घुसकर छात्र निखिल चौहान की हत्या कर दी गई- प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में लगातार हो रही हत्या की घटनाओं को लेकर सोमवार को एक बार फिर आम आदमी पार्टी ने एलजी वीके सक्सेना की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ का कहना है कि एलजी से दिल्ली की कानून व्यवस्था संभल ही नहीं रही है। इसलिए दिल्ली में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली के आरके पुरम इलाके में दो सगी बहनों की हत्या की घटना के बाद रविवार शाम को दिल्ली के साउथ कैंपस यूनिवर्सिटी में घुसकर छात्र निखिल चौहान को हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंच पर अक्सर बड़े अपराधी देखे जाते हैं। यही वजह है कि अपराधी निडर हो गए हैं और उनको कानून का कोई खौफ नहीं है। आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि रविवार शाम को दिल्ली के साउथ कैंपस यूनिवर्सिटी के अंदर घुसकर छात्र निखिल चौहान नामक युवक की हत्या कर दी गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उसके पिता को रोते-बिलखते देखकर दिल दहल गया। सिर्फ निखिल को ही नहीं मारा गया, बल्कि उसके पूरे परिवार को मारा गया है। उसके परिवार के प्रति हमारी पार्टी की पूरी संवेदनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। कभी युवती को कार के नीचे 12 किलोमीटर तक घसीटा जाता है तो कभी घर में घुसकर दो युवतियों को गोली मार दी जाती है और रविवार की शाम को कॉलेज के अंदर घुसकर युवक को चाकू मारा गया। इन घटनाओं से पता चलता है कि दिल्ली में लोग सुरक्षित नहीं हैं। एलजी वीके सक्सेना से कानून व्यवस्था संभल नहीं रही है। इसी वजह से दिल्ली में स्कूल, यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल और कोर्ट तक सुरक्षित नहीं हैं। आप की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि केंद्र में एक ऐसी सरकार बैठी है, जिसके अंतर्गत दिल्ली की कानून व्यवस्था आती है और दिल्ली में लगातार अपराधियों का मनोबल बढ़ा रही है। भाजपा के मंच पर बड़े अपराधी पाए जाते हैं। यही कारण है कि अपराधी निडर हो गए हैं और उनको कानून का कोई खौफ नहीं है। उन्होंने कहा कि एलजी से लगातार पूछने के बाद भी वे कोई जवाब नहीं देते है कि दिल्ली में कितनी पीसीआर वैन बढ़ाई, किन थानों का दौरा किया और कितनी बार कमिश्नर को बुलाकर उनकी जवाबदेही तय की गई। एलजी के पास इन सभी सवालों का जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सीसीटीवी लगाने के लिए हमें बहुत संघर्ष करना पड़ा था। इसके लिए सीएम अरविंद केजरीवाल को धरने पर बैठना पड़ा था। उसके बाद दिल्ली में सीसीटीवी लग पाए थे। अब आपराधिक प्रवृत्ति वाली भाजपा को डीटीसी की बसों में लगे पैनिक बटन से समस्या होने लगी है। उन्होंने कहा कि बसों में पैनिक बटन दबाने पर लोगों को तुरंत सहायता मिलती है, लेकिन भाजपा को इससे दिक्कत है। दिल्ली में भाजपा अपराध बढ़ाना चाहती है। वो चाहती है कि अगर कोई उनका व्यक्ति अपराध में शामिल हो, तो उसके खिलाफ कोई साक्ष्य न मिले। उन्होंने कहा कि एलजी विनय कुमार सक्सेना बताएं कि उन्होंने पिछले एक साल में कानून व्यवस्था को बेहतर करने के लिए क्या कदम उठाए। दिल्ली में अपराध बढ़ते जा रहे हैं। इसकी वजह जानना जरूरी है।

दिलीप पांडे ने सभी व्यवसायिक संस्थानों को फायर सेफ्टी के नियमों का सख्ती से पालन करने के दिए निर्देश

- विधायक दिलीप पांडे ने चीफ फायर ऑफिसर, टीपीडीएल और एमसीडी अधिकारियों के साथ बैठक कर मुखर्जी नगर में एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना की जांच व सुरक्षा उपायों की समीक्षा की
- सभी संबंधित विभाग मिलकर आग की घटना से बचने के लिए उचित उपाय सुनिश्चित करें - दिलीप पांडे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विधायक दिलीप पांडे ने एमसीडी, अग्नि शमन विभाग और टाटा पावर डीडीएल के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में उन्होंने हाल ही में हुए कोचिंग सेंटर में आग लगने के कारणों की जांच, सुरक्षा उपायों, बिल्डिंग और फायर सेफ्टी के नियमों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फायर विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों को सभी व्यवसायिक संस्थानों से फायर सेफ्टी के नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए।

इस मौके पर चीफ फायर ऑफिसर वीरेंद्र सिंह, टीपीडीएल के अधिकारी अनिल शर्मा व जितेंद्र दहिया, सिविल लाइंस जोन के डीसी बी.पी. भरद्वाज, टीपीडीएल के जिला प्रबंधक मनमीत, सिविल लाइंस जोन के ईई (बी) यशपाल दहिया, शेखर सुमन (एसएसए), और एमसीडी के एडवाइजर अर्पित आनंद मौजूद रहे।

विधायक दिलीप पांडेय ने अधिकारियों को सख्त आदेश दिए कि सभी कॉमर्शियल संस्थानों में बिल्डिंग और फायर सेफ्टी नियमों का पालन सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। मुखर्जी नगर में कोचिंग सेंटर में हाल ही में आग लगने की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के तहत सभी संबंधित विभागों ने तुरंत कार्रवाई की है। इस वजह से कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई।

इस दौरान विधायक दिलीप पांडे ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपील पर जोर देते हुए सभी विभागों को मिलकर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि भविष्य में कोई भी बच्चा इस तरह के दर्दनाक अनुभव से न गुजरे। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को एक साथ आकर इसके लिए उचित उपाय करने चाहिए।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 20 जून, 2023

दिल्ली में जिन चुनिंदा जगहों पर गंदे पानी की है समस्या, उसका केजरीवाल सरकार करेगी स्थायी समाधान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के जिन चुनिंदा जगहों पर गंदा पानी आने की समस्या है, उसका जल्द ही स्थायी समाधान कर दिया जाएगा और लोगों को बिल्कुल साफ पानी मिलेगा। सोमवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी के अधिकारियों को गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान निकालने और दिल्ली में पानी की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अफसरों को कड़े निर्देश दिए। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने निर्देश दिए कि दिल्ली के जिन चुनिंदा जगहों पर गंदे पानी की समस्या है, उसके मूल कारणों की पहचान कर उनका स्थाई समाधान किया जाए। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड से इस पर एक डिटेल प्लान भी तैयार करने का निर्देश दिया है। जहां पाईप बदलने की जरूरत है, उसे तत्काल बदला जाए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चिंहित 20 जेजे कालोनियों में आरओ प्लांट लगाने का काम जल्द शुरू किया जाए और लोगों को इसका पानी इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित भी करें। समीक्षा बैठक मे जल मंत्री सौरभ भारद्वाज, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती और डीजेबी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के कुछ चुनिंदा जगहों से आ रही गंदे पानी की शिकायत के स्थायी समाधान पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने डीजेबी को निर्देश देते हुए कहा कि पानी की क्वालिटी को जल्द से जल्द ठीक किया जाए, ताकि लोगों की शिकायतों को दूर किया जा सके। अगर कहीं पर गंदे पानी की समस्या है तो उसे जड से खत्म करें। जिन जगहों पर गंदा पानी आ रहा है, उनकी पहचान की जाए और इसके स्थायी समाधान के लिए एक डिटेल प्लान तैयार कर उस पर जल्द काम शुरू करें। सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगर कहीं पर पाइप लाइन की वजह से गंदा पानी आ रहा है तो उसको तुरंत बदल दिया जाए, लेकिन कहीं गंदा पानी नहीं आना चाहिए। सीएम ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को गंदे पानी को लेकर स्थानीय विधायकों से भी जानकारी लेने का निर्देश दिया है।

समीक्षा बैठक के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से जो छन कर साफ पानी आता है, उसको भी इस्तेमाल योग्य बनाया जाए। इस पानी को कृत्रिम झीलों में लेकर जाया जाए और झीलों के आसपास पिकनिक व टूरिस्ट स्पॉट विकसित किए जाए। ताकि लोग यहां आकर अच्छा महसूस करें। बाद में जब इन झीलों के आसपास भू-जल स्तर उपर आ जाएगा तो ट्यूबवेल लगाकर पानी को निकाला जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने डीजेबी को एक आखिरी टाइम लाइन दी है। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड ने सीएम अरविंद केजरीवाल के समक्ष एक-एक सीवर ट्रीटमेंट प्लान का एफ्यूएंट कब तक इस्तेमाल हो पाएगा, इसका डिटेल प्लान भी पेश किया।

पानी को लेकर गंभीर, हर महीने कर रहे समीक्षा बैठक

सीएम अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता को साफ पानी मुहैया कराने और पानी की कमी को दूर करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। इसी के मद्देनजर सीएम अरविंद केजरीवाल हर महीने एक या दो बार दिल्ली जल बोर्ड के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे हैं। पिछले माह हुई समीक्षा बैठक में भी सीएम अरविंद केजरीवाल ने गंदे पानी की समस्या को दूर करने पर जोर दिया था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड को कड़े निर्देश देते हुए डिटेल प्लान मांगा था। जिसे आज हुई बैठक में डीजेबी ने पेश भी किया। पिछली बैठक के दौरान भी सीएम अरविंद केजरीवाल ने जिन इलाकों में गंदे पानी की शिकायत आ रही है, उनको चिंहित कर इसके कारणों का पता लगाने और उस पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। इस दौरान सामने आया था कि दिल्ली में कई वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स पुराने हैं, जिनको सीएम ने आधुनिक करने का निर्देश दिया है। साथ ही, जहां अमोनिया, नाइट्रेट या आयरन जैसे पदार्थों की वजह से गंदा पानी आने की समस्या हैं, वहां पानी का इन सीटू ट्रीट किया जाएगा। वहीं, जहां सीवर लाइन की वजह से गंदा पानी आने की शिकायत है, वहां सीवर लाइन की डि-सिल्टिंग कर समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश से मौसम हुआ सुहाना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में सोमवार सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई जिससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3-4 दिन ऐसा ही मौसम बना रह सकता है।

बिपोरजॉय चक्रवात का असर अब हल्का पड़ने लगा है तो कुछ दिन में देशभर में मौसम के रुख में भी बदलाव आने वाला है। चार-पांच दिन में लगभग सभी राज्यों से लू विदा ले लेगी और उसी के साथ मानसून का आगमन हो जाएगा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 24 घंटों के दौरान शहर में 5 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के लिए सामान्य है। सुबह साढ़े आठ बजे राजधानी में सापेक्षिक आर्द्रता 96 फीसदी दर्ज की गई। इस बीच, मौसम विभाग ने दिन में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय के लगभग पूर्व-उत्तर पूर्व की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान इसके दबाव की तीव्रता बनाए रखने की संभावना है। इससे पहले रविवार को बिपोरजॉय के प्रभाव से राजस्थान के बाड़मेर जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। कई जगहों पर भीषण जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति भी देखी गई।

दिल्ली के मॉल में आदिपुरुष का विरोध, हिंदू संगठन के कार्यकताओं ने फिल्म न दिखाने की मांग की

नई दिल्ली। फिल्म आदिपुरुष को लेकर देशभर में विवाद बढ़ता जा रहा है। कई जगहों पर लोग प्रदर्शन कर इसे बैन करने की मांग कर रहे हैं। दिल्ली के शाहदरा इलाके में सोमवार को विकास मॉल के अंदर मल्टीप्लेक्स में फिल्म आदिपुरुष के शो के दौरान विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के कार्यकताओं ने शो रुकवाने की मांग की। उनका कहना है कि जब तक डायलॉग बदले नहीं जाते, फिल्म का प्रदर्शन रोका जाए। सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी और पुलिस भी पहुंच गई और प्रदर्शन करने वालों को बाहर निकाल दिया गया।

हालांकि थोड़ी देर बाद सिनेमा चालू करा दिया गया और फिल्म दिखाई गई, लेकिन इस दौरान फिल्म देखने वाले लोग कम ही थे।

7 दिन पहले हुआ झगड़ा बना निखिल की जान का दुश्मन, पढ़ाई के साथ करता था मॉडलिंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के साउथ कैंपस में आर्यभट्ट कॉलेज के गेट के बाहर गर्लफ्रेंड को लेकर झगड़े में स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के छात्र निखिल चौहान की रविवार को चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वह बीए (आनर्स) राजनीतिक विज्ञान के प्रथम वर्ष का छात्र था।

7 दिन पहले गर्लफ्रेंड के साथ हुई थी बदसलूकी छात्रों के बीच झगड़े का पूरा मामला सात दिन पहले शुरू हुआ था। पिछले रविवार को चाकू मारने वाले छात्र ने निखिल की गर्लफ्रेंड के साथ बदसलूकी की थी। जब आरोपित छात्रों का कॉलेज में झगड़ा हुआ था तब पहले एक छात्र ने निखिल की गर्लफ्रेंड को थप्पड़ मार दिया था। इसे लेकर निखिल ने उसकी बुरी तरीके से पिटाई की थी। उस वक्त वह छात्र खुद को अपमानित महसूस कर वह उस दिन अपने घर चला गया था। कल रविवार को उसने तीन साथियों के साथ पूरी योजना बनाकर दोपहर करीब 12:30 बजे कालेज के गेट के बाहर आकर खड़ा हो गया था। जैसे ही निखिल प्रेमिका के साथ कालेज के गेट पर आया चारों छात्रों ने उसे दबोच कर पिटाई शुरू कर दी। एक ने उसके सीने पर चाकू मार दिया। उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। साउथ कैंपस में रामलाल आनंद कॉलेज व आर्य भट्ट कॉलेज का एक ही परिसर है। इन कॉलेजों में हर रविवार को एसओएल की क्लॉस चलती है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें एक निखिल के साथ ही एओएल फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। गिरफ्तार आरोपित में एक का नाम हारून है। गिरफ्तार छात्रों से पूछताछ कर अन्य दो छात्रों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

जांच के दौरान पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिली है जिसमें दो आरोपित नजर आ रहे हैं। कॉलेज के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात के दौरान चार छात्रों की तस्वीरें कैद मिली हैं। पुलिस ने तस्वीरों के आधार पर पूछताछ कर चारों छात्रों की पहचान कर ली है। जिस लड़की को लेकर हुआ झगड़ा वो निखिल के कॉलेज की छात्रा नहीं बता दें कि जिस युवती को लेकर छात्रों के बीच झगड़ा हुआ वह निखिल के कॉलेज की छात्रा नहीं है। रविवार को वह निखिल से मिलने के लिए कॉलेज के बाहर आई थी। डीसीपी का कहना है कि चरक पालिका अस्पताल से दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि आर्यभट्ट कॉलेज के बाहर चाकू मारने से घायल निखिल चौहान नाम के छात्र को वहां लाया गया है। जांच से पता चला कि निखिल बी ब्लाक, पश्चिम विहार का रहने वाला था। एक सप्ताह पहले भी निखिल जब गर्लफ्रेंड को लेकर कॉलेज आया था तब चाकू मारने वाले आरोपित छात्र ने उसकी प्रेमिका के साथ बदसलूकी की थी।

निखिल की मौत के बाद उसके परिवार में कोहराम मचा है। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। निखिल तीन भाइयों में मंझला था। वह पढ़ाई के साथ ही मॉडलिंग भी करता था। गीतों की तीन एलबम भी बना चुका है।

हाई कोर्ट ने पुराने मामले में शख्स को किया बरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को 19 साल पुराने मामले में आरोप से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 2004 में एक हत्या के लिए साक्ष्य मिटाने के आरोप लगाए गए, लेकिन उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला। फिर भी उसने कई वर्षों तक मुकदमे का सामना किया। दिल्ली हाई कोर्ट ने व्यक्ति को बरी करते हुए कहा, मामला साक्ष्य के कानून के स्थापित सिद्धांतों पर आधारित नहीं था और व्यक्ति ने आपत्तिजनक सुबूत नहीं होने के बावजूद कई वर्षों तक मुकदमे का सामना किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने शुरू में याचिकाकर्ता के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया और यहां तक कि प्राथमिकी या प्रारंभिक आरोप पत्र में भी उसका नाम भी नहीं लिया।

यह टिप्पणी करते हुए अदालत ने निचली अदालत के वर्ष 2011 के फैसले को चुनौती देने वाली विजय बहादुर की अपील को स्वीकार कर लिया। विजय को आपराधिक साजिश रचने और सुबूतों को नष्ट करने के लिए दोषी ठहराते हुए एक साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। और क्या कहा कोर्ट ने?

अदालत ने कहा कि जब अपीलकर्ता और अन्य सह-आरोपी हत्या के मूल और मुख्य आरोप से बरी हो गए तो फिर उन्हें सुबूत नष्ट करने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता था। नवंबर 2004 में एक व्यक्ति की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया गया था। टैक्सी बुक करने वाले हुए थे गिरफ्तार

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसका ड्राइवर अपनी कार के साथ लापता हो गया था। जांच के दौरान चालक का शव मिला था और शिकायतकर्ता ने उसकी पहचान की थी। टैक्सी बुक करने वाले चार यात्रियों को वर्ष 2004 में गिरफ्तार किया गया था, जबकि बहादुर को वर्ष 2006 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अदालत ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य के साथ रिकार्ड पर पेश किए गए सुबूतों पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि अभियोजन पक्ष द्वारा दिए गए सुबूत दोषसिद्धि साबित के लिए अपर्याप्त हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता को बरी किया जाता है।

भाई को बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गईं दो बहनें, गोली लगने से दोनों की मौत; 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आरकेपुरम थानाक्षेत्र की डॉक्टर आंबेडकर बस्ती में बदमाशों ने रविवार तड़के दो बहनों की गोली मारकर हत्या कर दी।

बदमाश 15 हजार रुपये के लेन-देन के विवाद में युवक की हत्या करने आए थे। घर के अंदर घुसने पर दोनों बहनें अपने भाई को बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गईं, जिस पर हमलावरों ने दोनों को गोली मार दी।

दोहरे हत्याकांड को सट्टे के धंधे से जोड़कर देख रही पुलिस

पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में शामिल तीन आरोपितों को वारदात के कुछ घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपित देव इलाके में सट्टा चलाता है। इसको लेकर भी उसका आए दिन कोई न कोई विवाद होता रहता है। पुलिस दोहरे हत्याकांड को भी सट्टे के धंधे से जोड़कर देख रही है। इस बारे में तीनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी मनोज सी ने बताया कि आंबेडकर बस्ती में सुबह करीब साढ़े चार बजे फायरिंग की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों बहनों को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इनकी पहचान 30 वर्षीय पिंकी और 29 वर्षीय ज्योति के रूप में हुई है। पिंकी की दो बेटी और ज्योति के दो बेटे व एक बेटी है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात पुलिस ने अर्जुन, माइकल और देव नाम के तीन आरोपितों को रविवार को गिरफ्तार किया था। इनसे वारदात में शामिल अन्य आरोपितों के बारे में पूछताछ कर दो और आरोपियों को आज सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

शनिवार देर रात हुई बहस, तड़के कर दी हत्या पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपित देव ने ज्योति और पिंकी के भाई ललित से 15 हजार रुपये उधार लिए थे। पैसे लौटाने को लेकर देव और ललित के बीच कहासुनी हो गई थी। मृतका के भाई ललित ने बताया कि इसी रंजिश में देव साथियों के साथ रविवार तड़के करीब चार बजे हथियार लेकर उसकी हत्या करने आए थे।

ललित ने बताया कि पिंकी व ज्योति ने मुझे बचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने दोनों को गोली मार दी। ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाके में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने आरोपितों की वीडियो भी बना ली। बदमाशों का फायरिंग करते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

गुरुग्राम में महिला ट्रेनर कॉन्स्टेबल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, दो दिन से थी काफी परेशान

गुरुग्राम। आरटीसी भोंडसी में दुर्गाशक्ति के लिए ट्रेनिंग देने वाली ट्रेनर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। भोंडसी पुलिस ने महिला कॉन्स्टेबल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भिवानी में थी पोस्टिंग

चरखी दादरी की रहने वाली महिला कॉन्स्टेबल पिंकी की भिवानी में पोस्टिंग थी। वह काफी समय से आरटीसी भोंडसी में दुर्गाशक्ति की महिला कॉन्स्टेबल को ट्रेनिंग दे रही थीं। बताया जा रहा है कि बीती रात उन्होंने अपने घरवालों को फोन किया था। दो दिन से काफी परेशानी थी जब उनके स्वजन उनके पास पहुंचे, उससे पहले उन्होंने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सोहना के एसएमओ राव दशरथ ने बताया कि कॉन्स्टेबल पिंकी भोंडसी आरटीसी सेंटर में ट्रेनर के पद पर तैनात थीं। बताया जा रहा है कि वह दो दिन से काफी परेशान रह रही थीं।

इसको लेकर उन्होंने अपने घरवालों पर फोन भी किया था। भोंडसी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टर के अनुसार महिला कॉन्स्टेबल के शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले हैं। वहीं उनका विसरा जांच के लिए भेज दिया गया है।

मंदिरों-मठों की मुक्ति के लिए एकसनातन भारत दल ने की आंदोलन की घोषणा

नई दिल्ली। मंदिर और मठों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किए जाने की मांग हिंदू समाज द्वारा काफी समय की जा रही है लेकिन अब इस मांग को और तेज व मजबूती से आमजन तक पहुंचाने के लिए एकम् सनातन भारत दल के कार्यकताओं ने 19 जून को सुबह 12 बजे से शाम 5 बजे तक दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में माता वैष्णों देवी से जुड़े बारीदार समुदाय के साथ विभिन्न हिंदू संप्रदाय के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। इस विरोध प्रदर्शन को लोगों का भारी समर्थन मिला। इस अवसर पर एकम्-सनातन भारत दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा कि मंदिर और मठों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करवाने हेतु एकम्-सनातन भारत दल के कार्यकताओं द्वारा पूरे देश में आंदोलन का संचालन किया जाएगा। जब मस्जिद और चर्च पर सरकार का नियंत्रण नहीं है तो फिर सरकार हिंदू मंदिर पर नियंत्रण का जिद क्यों पाले हुए है? यह संविधान में वर्णित समानता के सिद्धांत के भी विरुद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हिंदू समाज के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव किया जा रहा है, जो अक्षम्य है। अंकुर शर्मा ने कहा कि हिंदुओं को संवैधानिक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से ही एकम्-सनातन भारत दल का गठन किया गया है।हमारे सप्त-संकल्प में यह साफ-साफ स्पष्ट कर दिया गया है कि अब हिंदुओं के साथ कोई भी भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा, अंग्रेजों के बनाए कानून को स्वतंत्रता के बाद से ही सभी सरकारों ने न केवल और भी अधिक मजबूत किया, बल्कि इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि ही की है।

गाजियाबाद में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गर्भवती की मौत

गाजियाबाद । एनएच-नौ पर रविवार रात पौने आठ बजे ट्रक की टक्कर से बाइक सवार छह माह की गर्भवती महिला, उनका 11 साल का बेटा और पति घायल हो गए। हायर सेंटर ले जाने पर चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज थाना वेव सिटी पुलिस ने ट्रक कब्जे में ले लिया है। आरोपित चालक की तलाश जारी है। रविवार को गए थे बृजघाट

बालाजी एनक्लेव के ललित ने बताया कि भाई अमित कुमार पूनावाला फाइनैंस प्रा.लि. में मार्केटिंग एग्जेक्यूटिव हैं। अमित पत्नी रंजना व बेटे देवांश के साथ रविवार छुट्टी के दिन बृजघाट गए थे। लौटते समय सुंदरदीप कालेज के पास ठेली पर चाय पीने के बाद तीनों चले ही थे कि पीछे से आए ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकराकर ट्रक के नीचे आ गई। पहिए के नीचे आ गईं रंजना और देवांश

अमित डिवाइडर की ओर गिरे और देवांश के साथ रंजना ट्रक के पहिये के नीचे आ गईं। पुलिस ने तीनों को पास के सिटी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से रंजना को पिलखुवा के रामा अस्पताल रेफर कर दिया। यहां चिकित्सकों ने रंजना को मृत घोषित कर दिया। देवांश के दोनों हाथ कुचल गए, जिनमें 40 टांके लगाए गए। अमित को भी सिर, हाथ व पैर में गंभीर चोट आई हैं। ओवरटेक के दौरान ट्रक ने मारी टक्कर

ट्रैफिक पुलिस की छानबीन में सामने आया है कि अमित सड़क किनारे चल रहे थे। ट्रक ने ओवरटेक करते हुए उन्हें टक्कर मारी। हालांकि, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी के अलावा महिला व बच्चे ने हेलमेट नहीं पहना था। ललित का कहना है कि भाभी के दूसरी बार मां बनने का सभी को इंतजार था।

हादसे ने भाभी के साथ उस नए मेहमान को भी हमसे छीन लिया, जो इस दुनिया में भी नहीं आया था। डीसीपी ग्रामीण रवि कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर ट्रक के नंबर के आधार पर आरोपित चालक की पहचान के प्रयास कर रहे हैं। उसे जल्द गिरफ्तार करेंगे।

मोती नगर में जल्द मिलेगा जहां झुग्गी, वहीं मकान के अंतर्गत अलॉटमेंट: सुभाष सचदेवा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मोती नगर विधानसभा से भाजपा विधायक रहे श्री सुभाष सचदेवा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के चारों पूर्व निगम पार्षदों सर्वश्री विपिन मल्होत्रा, राजकुमार लाम्बा, श्रीमती वीना वीरमानी, सुश्री सुनीता मिश्रा के साथ मोदी सरकार की सफलता के 9 वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए प्रेस वार्ता का आयोजन अपने निवास स्थान डी- 42 मानसरोवर गार्डन में किया।

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा ने बताया कि देश में पिछले नौ साल में लगभग 50,000 किलोमीटर नेशनल हाईवे का निर्माण हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, 2014 -15 में प्रतिदिन 12.1 किलोमीटर सड़क निर्माण से 2021-22 में देश में सड़क निर्माण की रफ्तार बढ़कर 28.6 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। सड़क और राजमार्ग की किसी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सड़क परिवहन न केवल आर्थिक विकास बल्कि सामाजिक विकास, रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ जीवन की बुनियादी चीजों तक पहुंच का आधार है। आज आप देख रहे हैं कि भारत दुनिया में सर्वाधिक तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया।

आज हमको गौरव की अनुभूति हो रही है कि श्री नरेंद्र मोदी के रूप में हमको कर्मयोगी प्रधानमंत्री मिला है। आज भारत विश्व के शक्तिशाली देशों में गिना जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में आज हथियारों के निर्यातक देश बन गए हैं। सुभाष सचदेवा ने कहा कि जहाँ झुग्गी वही मकान देने का वादा मोदी सरकार ने किया था देश में साढ़े तीन करोड़ आवास बनाकर जनता को समर्पित कर दिए है और दिल्ली में अशोक विहार, कालकाजी, नरेला, कटपुतली कालोनी में आवास झुग्गी के बदले बनाकर तैयार हैं जिसमें से एक अलाटमैंट हो चुकी है बाकि का सर्वे का काम अभी जारी है। हमने अपनी विधानसभा मोती नगर के क्लस्टर में सर्वे शुरू करा दिया है जल्द ही इनको भी पक्के मकान देने का काम हम करेंगे। सुभाष सचदेवा ने कहा कि ऐसे कर्मयोगी और यशस्वी पीएम हमको मिले हैं जिन्होंने हमारी संस्कृति को भी विदेशी धरती पर जीवित रखा और दुनिया को बताया कि रोजे सबको पता है माता के व्रत नौ दिनों तक केवल नीबू पानी पीकर करते हैं। इसलिए उनकी टेबल पर मांस नहीं परोसा जायेगा और उनकी इस बात का पालन अमेरिका में हुआ यह कितनी बड़ी बात है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत प्रधानमंत्री ने की थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से पूरे जीवन-काल में शिशु लिंगानुपात में कमी को रोकने में मदद मिलती है और महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान हुआ है। इस मौके पर करोल बाग जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता संजय मल्होत्रा, प्रवक्ता राज कपूर, प्रवक्ता उमाकांत मिश्रा, प्रवक्ता मनोज स्वामी भी उपस्थित रहे।

सिल्वर लाइन पर मिलेगी ट्रिपल इंटरचेंज की सुविधा, एरोसिटी से तुगलकाबाद की कनेक्टिविटी होगी आसान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

फेज-चार के एरोसिटी-तुगलकाबाद सिल्वर लाइन कारिडोर पर नए एरोसिटी मेट्रो स्टेशन का प्लेटफार्म 289 मीटर की लंबाई के साथ इस फेज के सभी स्टेशनों में सबसे लंबा होगा। आमतौर पर इस फेज-चार के भूमिगत मेट्रो स्टेशनों की लंबाई करीब 225 मीटर है। इसकी ज्यादा लंबाई को अनुमानित यात्री यातायात को समायोजित करने के लिए सावधानी से डिजाइन किया गया है, क्योंकि भविष्य में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन, सिल्वर लाइन और गुरुग्राम, मानेसर और अलवर के लिए आरआरटीएस कारिडोर के बीच कनेक्टिविटी के साथ यह एक महत्वपूर्ण ट्रिपल इंटरचेंज सुविधा वाला स्टेशन होगा। 23 मीटर की गहराई पर बनेगा स्टेशन एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन, सिल्वर लाइन और आरआरटीएस कारिडोर के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन 23 मीटर की गहराई पर बनेगा। यह स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन होगा, जो फरीदाबाद के एनसीआर शहर से दक्षिण दिल्ली के साथ-साथ पश्चिमी दिल्ली और विशेष रूप से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (कार्पोरेट कम्युनिकेशन) अनुज दयाल ने बताया कि इस स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस स्टेशन पर तीन प्रवेश/निकास द्वार होंगे, जिसमें एक एरोसिटी के बिजनेस हब को जोड़ेगा। अन्य दो द्वार स्टेशन को एनएच-आठ और पास के इलाके महिपालपुर से पैदल यात्रियों को सब-वे के माध्यम से जोड़ेंगे।

एरोसिटी स्टेशन के प्रमुख लाभों में से एक इसका मौजूदा हाई-स्पीड एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन और दिल्ली-गुरुग्राम-अलवर आरआरटीएस कारिडोर के साथ इंटरचेंज का प्रविधान है। यह सहज एकीकरण तुगलकाबाद-एरोसिटी कारिडोर और हाई-स्पीड एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के बीच यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाएगा।

अनुज दयाल ने कहा कि बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तुगलकाबाद-एरोसिटी कारिडोर महरौली-बदरपुर रोड, छतरपुर एक्सटेंशन और महिपालपुर इत्यादि क्षेत्रों में बढ़ती परिवहन मांगों को पूरा करेगा। एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी होगी आसान यह यात्रियों के लिए जीवन रेखा का काम करेगा, यात्रा के समय को कम करेगा और परिवहन का विश्वसनीय माध्यम उपलब्ध कराएगा। यह स्टेशन दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और नोएडा के निवासियों को तेज गति से यात्रा करने और हवाई अड्डे तक पहुंचने में मदद करेगा।

दिल्ली के प्रेम नगर में पंखे से झूलता मिला युवती का शव, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

नई दिल्ली । प्रेम नगर इलाके में किशोरी ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।किशोरी की पहचान शबाना के रूप में हुई है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के अनुसार, शबाना परिवार के साथ प्रेम नगर के सी ब्लाक में रहती थी। उसके माता पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। परिवार करीब एक हफ्ते पहले ही किराये के मकान पर रहने आया था। शनिवार शाम जब शबाना के माता पिता घर लौटे तो शबाना फंदा लगाकर पंखे से लटकी हुई थी। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है।हालांकि शव के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस की बैठक में राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम पर चर्चा

पूर्णिया । जिला कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक आपात बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय गोकुल कृष्ण आश्रम में आयोजित हुई। बैठक में पटना में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे के 23 जून के आगमन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक मोहम्मद गुलाम हुसैन, रंजन सिंह, आशा नारायण चौधरी, गौतम वर्मा, जवाहर किशोर उर्फ रिंकू यादव, मोहम्मद विक्टर, मोहम्मद जब्बार आलम, रविंदर सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, अखिलेश कुमार, सुरेश चौहान, मनोबल आलम आदि ने संयुक्त रूप से कहा कि पूर्णिया जिले के सभी प्रखंडों से कांग्रेस के कार्यकर्ता पटना में भाग लेंगे जिसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। पूर्णिया का प्रतिनिधि मजबूती के साथ पटना में दिया जाएगा और दोनों नेताओं से पूर्णिया के गौरवमई राजनीति की चर्चा की जाएगी। इसे सफल बनाने के लिए सभी प्रखंडों का दौरा भी किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी के 4000 किलोमीटर के भारत जोड़ो यात्रा से उत्साहित कार्यकर्ता पटना में उनसे मिलने के लिए तत्पर है और पूरी तरह से उत्साहित भी दिख रही है।

बढते लू को लेकर सभी स्कूल 24 तक बंद

पूर्णिया । लू का लहर इस सप्ताह से अधिक दिखने लगा है। इस बदलते सीजन में लू लहर से बचना बेहद जरूरी है। तापमान बढ़ा हुआ है। ऐसे में गर्मी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं यथा हीट स्ट्रोक की संभावना बनी रहती है। ऐसे आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान के साथ-साथ लू लहर से बचना भी जरूरी है। इसी कड़ी में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार द्वारा आदेश जारी कर जिला शिक्षा पदाधिकारी पूर्णिया को 24 जून 2023 तक सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद कराने का निर्देश दिया गया है।

साहित्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य हेतु पूर्णिया के कमलेश कमल दिल्ली में सम्मानित

पूर्णिया । विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए पांच लोगों को वर्ष का प्रतिष्ठित विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। साहित्य के लिए यह सम्मान पूर्णिया के कमलेश कमल को मिला, जो विगत दो दशकों से साहित्य एवं भाषा-विज्ञान के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहे हैं। उनकी पुस्तकें देश भर में पढ़ी जाती हैं। देश भर के विश्वविद्यालयों एवं प्रमुख संस्थाओं में हिंदी-भाषा के शुद्ध रूप का प्रचार-प्रसार करने के कारण विद्यार्थियों के बीच उनकी अच्छी लोकप्रियता है। साथ ही, संघ लोक सेवा आयोग हेतु वे हिंदी और निबंध विषय की निश्शुल्क कक्षाएं भी चलाते हैं। कमलेश कमल के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के 04 अन्य लोगों को यह सम्मान दिया गया। प्लास्टिक के विरोध में गांव-गांव और शहर-शहर में सघन अभियान चलाने वाली डॉ अनुभा पुंढीर को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान दिया गया। इस अवसर पर जनसत्ता के मुख्य संपादक मुकेश भारद्वाज, ज्ञानेन्द्र रावत, प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के मंत्री अतुल कुमार ने सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कमलेश कमल को पुरस्कार मिलने से उन्हें लगातार बधाईयां मिल रही है।

आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया कीवे एसआर 250 और एसआर 125 का स्थानीयकरण करने के लिए तैयार

पटना। आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया प्रा. लि. (एएआरआई), भारतीय सुपरबाइक उद्योग में एक स्थापित निमार्ता, ने हाल ही में एंट्री-लेवल प्रीमियम सेगमेंट की सेवा के लिए दो नियो-रेट्रो मोटरसाइकिलें पेश कीं। इनमें हंगेरियन मार्के कीवे की उबर कूल एसआर 250 और सामान्य एसआर 125 शामिल हैं, जिनकी 98 से अधिक देशों में मौजूदगी है। ये मोटरसाइकिलें स्कूल के पुराने दिनों की याद दिलाती हैं, जिससे ग्राहक आधुनिक परफॉर्मेंस और भरोसे से समझौता किए बिना 80 और 90 के दशक के अनुभव का आनंद ले सकते हैं। कीवे एसआर 125 पहले से ही बिक रही है । आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया भी 2023 के अंत तक दोनों नियो-रेट्रो गाड़ियों को स्थानीय बनाने की योजना बना रहा है। स्थानीयकरण की दिशा में कदम एसआर 250 और एसआर 125 को मिल रही अविश्वसनीय प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप उठाया गया है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सशक्त एवं वैभवशाली राष्ट्र बना: डॉ सीएन गुप्ता

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। भाजपा सरकार के 9 साल बेमिसाल महा जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत स्नेही भवन छपरा में नगर अध्यक्ष राजेश फैशन की अध्यक्षता में टिफिन बैठक एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया सभी प्रबुद्ध जन पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं वरिष्ठ भाजपा नेतागण उपस्थित थे जिसमें छपरा विधायक डॉ सीएन गुप्ता ने टिफिन बैठक एवं परिचर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने 9 वर्षों के कार्यकाल में भारत को सशक्त वैभवशाली एवं एक विकसित राष्ट्र बनाने का काम किया है।

यह सब भाजपा की सरकार में ही संभव आज पूरे भारतवर्ष को एक बार फिर नरेंद्र मोदी जैसे मजबूत निश्चय मजबूत इरादे एवं राष्ट्र को समर्पित नेता की आवश्यकता है ,2024 में एक बार फिर नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है, आज हम सब को यह संकल्प लेना है सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष गोपालगंज के प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि आज भाजपा कार्यकताओं के बदौलत विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकताओं की पार्टी है बाकी देश में जितनी पार्टियां है वह परिवारिक पाटिया है वह परिवारिक पाटिया है जो दल नहीं भ्रष्टाचार दलदल हैएवं व्यक्तिगत लाभ के लिए देश में सरकार बनाने का प्रयास करती है जिससे उनका परिवारिक धंधा लूट खसोट चलता रहे महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि अगर भारत को विश्व गुरु बनाना है तो हर भाजपा कार्यकर्ता ने ठाना है कि नरेंद्र मोदी जी को फिर से एक बार भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। तभी देश की संस्कृति सांस्कृतिक विरासत एक सुरक्षित हाथों में सुरक्षित रहेगी नगर अध्यक्ष राजेश फैशन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि कि आज भाजपा का हर कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी जी को एक बार फिर केंद्र में प्रधानमंत्री के रुप में देखना चाहता है और इस बार भाजपा 400 से ज्यादा सीटों पर अपनी जीत दर्ज करेगी क्योंकि चुनाव को लेकर भाजपा का हर कार्यकर्ता तैयार हो चुका है कमर कस चुका है आज की बैठक का संचालन नगर अध्यक्ष राजेश फैशन एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने आज की टिफिन बैठक में डॉ सीएन गुप्ता , प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह, रामाकांत सोलंकी, लोकसभा संयोजक पूर्व प्रत्याशी डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष अनु सिंह , महामंत्री विवेक कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष राजेश फैशन,जिला मंत्री सत्यानंद सिंह, अरदेदू शेखर ,रंजन यादव, जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र चैहान, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा शर्मा,, मीडिया प्रभारी बलवंत सिंह, आईटी सेल संयोजक निशांत राज, रिंकू सिंह, अनुरंजन प्रसाद, अजीत सोनी, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष ममता मिश्रा, पीडी बाबा, नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष राकेश यादव, अनूप यादव, निकी श्रीवास्तव, नगर मंत्री अलीसा परवीन, संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं छपरा विधानसभा के लोग उपस्थित थे।

गर्मी की तपिश नहीं ले रहा है थमने का नाम, इंसान के साथ जीव जंतु भी हैं परेशानी

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। मौसम के बदले मिजाज ने इस साल गर्मी की तपिश से लोगों का जीना मुहाल हो गया है, गर्मी की बढ़ती तपिश को लेकर सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने शिक्षण संस्थानों की छुट्टी में इजाफा कर दिया है।

सुबह 9:00 बजे के बाद सड़कों पर निकलना मुश्किल प्रतीत हो रहा है, सड़कें सुनी दिखाई दे रही है, वाहनों का परिचालन भी आंशिक हो रहा है, चल रहे हीट वेब के कारण आम लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, जरूरी कार्य को लेकर ही लोग अपने अपने घर से निकल रहे हैं, सोमवार का तापमान लगभग 42 डिग्री सेल्सियस रहा। मिली जानकारी के अनुसार इस साल गर्मी की तपिश ने कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया हैस चल रहे हीट वेव के कारण सारण में रविवार का 2 लोगों की मौत हो गई स मानसून का बिहार में दस्तक देने के बाद भी अब तक सारण में बारिश नहीं हो सका हैस बढ़ रहे गर्मी के कारण मौसमी फलों, पेय पदार्थ और डिब्बाबंद पानी बोतलों की बिक्री खूब बढ़ गई है, गर्मी से बचने के लिए लोग मौसी फलों के जूस, गन्ना के जूस का सहारा ले रहे हैं। हालांकि चल रहे हीट वेव के कारण सरकार द्वारा भी घरों से नहीं निकलने की हिदायत दी जा रही है। चल रहे लू के प्रकोप से इंसान के साथ-साथ जीव जंतु भी परेशान दिख रहे हैं, और ठंडी जगह की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग द्वारा बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन अब तक लोगों को इससे निजात नहीं मिला हैस गर्मी से परेशान लोग जरूरी काम को लेकर घर से तो निकल रहे हैं लेकिन गमछा का सहारा लेकर लू से बचने की कोशिश जरूर कर रहे हैं। जानलेवा गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी अमन समीर ने वर्ग 1 से 12 तक के सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को 24 जून तक बंद करने का आदेश दिया है। फिलहाल गर्मी की तपिश थमने का नाम नहीं ले रहा है, गर्मी से परेशान लोग बारिश का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं और इंद्र भगवान से पूजा-अर्चना भी कर रहें, ताकि गर्मी से लोगों को निजात मिल सके स फिलहाल गर्मी का सितम जारी है, मानसून भी दस्तक दे चुकी है, अब देखना है कि लोगों को गर्मी से कब राहत मिल रही है।

साप्ताहिक समन्वय समिति की उच्च स्तरीय बैठक में डीएम ने दिये कई महत्वपूर्ण निर्देश

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। समाहरणालय सभागार में आयोजित साप्ताहिक समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा उपस्थित जिलास्तरीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित सी. डब्लू. जे. सी/एम. जे. सी के 20 मामलों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी के द्वारा सभी मामलों का संक्षिप्त विवरणी तैयार कर अगली बैठक में शामिल करने का निदेश दिया गया। साथ ही सभी मामलों में प्रतिशपथ पत्र तैयार करवाने का निदेश दिया गया। इसके लिए संबंधित विभाग के कार्यालय प्रधान को तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया गया।

समीक्षा बैठक में विभागीय कार्रवाई से संबंधित 11 मामलों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी के द्वारा आवश्यक निदेश दिया गया। वर्ष 2023 के नये विभागीय कार्रवाई से संबंधित मामलों को तीन माह के अंतर निष्पादित करने का निदेश जिलाधिकारी के द्वारा सभी विभाग के नोडल पदाधिकारी को दिया गया। शहर में जल जमाव की समस्या पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने बुडको एवं पथ निर्माण विभाग को इस समस्या का समाधान अतिशीघ्र करने का निदेश दिया गया । जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों की कुल संख्या एवं निष्पादित आवेदनों की संख्या की संपूर्ण विवरणी तैयार कर अगले बैठक में लाने का निदेश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। सभी विभागों के नोडल पदाधिकारियों को उनके विभाग में तीन वर्ष से अधिक वाले कर्मियों की पहचान कर उनकी सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। कार्यपालक अभियंता विद्युत पूर्वी एवं पश्चिमी को बिना सूचना के विद्युत कटौती करने पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए प्रेस विज्ञप्ति के जरिए लोगों को पूर्व में सूचना देकर विद्युत कटौती करने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी महोदय ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रेस-विज्ञप्ति में ग्रिड का नाम, प्रखंड, पंचायत, गॉव, वार्ड इत्यादि का नाम शामिल करते हुए विद्युत कटौती का समय सारणी दिया जाय। ताकि संबंधित प्रभावित होने वाले आम जनों को आसानी से बात समझ में आ जाय। जिलाधिकारी के द्वारा पूर्व में दिये गये आदेश की चर्चा करते हुए कहा कि 01 से 12 तक के कक्षाओं के बच्चों के विद्यालय भीषण गर्मी के कारण 24 जून तक बंद कर दिये गये हैं। परन्तु ऐसी शिकायत प्राप्त हो रही है कि कुछेक विद्यालय अभी भी खुल रहे हैं।

अतः इस संबंध में आदेश का सख्ती से अनुपालन करवाने का निदेश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को दिया गया। पी.एच. ई.डी.के. कार्यपालक अभियंता को सारण जिले में पानी की कोई समस्या नही हो, इसके लिए खराब पड़े चापाकलों की अविलंब मरम्मति करने का निदेश दिय गया। साथ ही चापाकलों की जिला में कुल आवश्यकता की सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

हर खेत में सिंचाई का पानी योजना अंतर्गत जलालपुर एवं माँझी में चल रही योजनाओं की जानकारी कार्यपालक अभियंता नगर प्रमंडल के द्वारा दिया गया। बताया गया कि जलालपुर में कुल चार योजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकी माँझी में एक योजना किसानों के द्वारा रोका गया है। जिलाधिकारी के द्वारा अंचलाधिकारी को निरीक्षण कर किसानों के समस्याओं का समाधान करने का निदेश दिया गया। इसके अलावे सामुदायिक भवन, कब्रिस्तान आदि के लिए जमीनों के सीमांकन पर जिलाधिकारी ने कई आवश्यक निदेश दिये। बैठक में नगर आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्त्ता डॉ गगन एवं सभी जिलास्तरीय पदाधिकारीगण, सभी कार्य विभागों के कार्यपालक अभियंता गाने एवं संबंधित कर्मी गण उपस्थित थे।

सरयु नदी में नहाने आये एक युवक की गहरे पानी में डूबने से हुई मौत

छपरा। मांझी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह स्थानीय रामघाट पर अपने पाँच दोस्तों के संग सरयु नदी में नहाने आये एक युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। युवक के डूबने की खबर पाकर रामघाट पर सैकड़ों की संख्या नहा रहे लोगों में अफरा तफरी मच गई। घाट पर मौजूद लोग इधर उधर भागने लगे। घटना की खबर मिलते ही मृतक के ननिहाल माँझी के अलियासपुर तथा उसके गांव चपरैठा से लोग बड़ी संख्या में घाट पर पहुँच गए।

मौत से आहत परिजनों के रुदन क्रन्दन से वहाँ का माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना पाकर पहुँचे सीओ धनञ्जय कुमार माँझी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू यादव भाजपा नेत्री पूजा शर्मा एवम मरहा पंचायत के मुखिया मुन्ना साह के अथक प्रयास के बाद चार घण्टे के भीतर ही स्थानीय गोताखोरों की सहायता से युवक के शव को बरामद कर लिया गया। मृतक रसूलपुर थाना क्षेत्र के चपरैठा गांव निवासी अनिल भारती का पुत्र आर्यन कुमार भारती उम्र 18 वर्ष बताया जाता है। मृतक अपने दो भाई व एक बहन में उम्र के लिहाज से दूसरे नम्बर पर था। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने माता पिता के साथ कानपुर में रहता था तथा वही वह पढ़ाई कर्तव्य था। घाट पर पहुँचे लोगों ने बताया कि पिछले दिनों वह अपने परिजनों के साथ अपने पैतृक घर ।चपरैठा। में सम्पन्न एक एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। शादी समारोह सम्पन्न होने के बाद मृतक रविवार की शाम को अपने ननिहाल माँझी के अलियासपुर निवासी अपने मामा दीनबंधु गिरी के घर रिश्तेदारों से मिलने आया था। शव के बरामद होने के बाद माँझी थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए उसे छपरा भेज दिया। माँझी के रामघाट पर नदी किनारे बने गड्ढे में आये दिन लोगों के डूबने तथा बचा लिए जाने की खबर मिलती रही हैं। कल सुबह उसी स्थान पर नहाने के क्रम में डूब रही दो युवतियों सहित एक युवक डूबने लगे हालाँकि घाट पर मौजूद गजाधर चैधरी ने कड़ी मशक्कत कर उन्हें सकुशल बचा लिया। डूब रहे युवकों ने बताया कि रामघाट के पास नदी में कोल्ह। ढाब। बन जाये से अनजान लोगों के डूबने का खतरा बना हुआ है।

गर्मी का सितम जारी, हीट वेव से हो रही लगातार मौतें

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। वैसे तो इस बार बिहार के अनेक जिले हीट वेव की चपेट में है और लगातार मौतें भी हो रही है। भले ही प्रशासन इसकी पुष्टि करें ना करें। हिट वेब से छपरा में भी स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है यहां भी प्रतिदिन 42 डिग्री से लेकर 43 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रिकार्ड किया जा रहा है। गर्मी से न दिन में चैन न ही रात में सकून। दिन और रात के तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस का ही अंतर दिखने को मिल रहा है। रात में भी यह तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहता है. हीट वेव के कारण छपरा में भी प्रतिदिन दर्जन मौतें हो रही है। आलम यह है कि हीट वेव के कारण प्रतिदिन डेढ से दो दर्जन मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं जिनमें से प्रतिदिन 8 से 12 मरीजों की जान जा रही है. लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पा रही है. छपरा सदर अस्पताल में डॉक्टर भी इस बात को मानते हैं लेकिन बयान के नाम पर वे लोग भी चुप्पी साध ले रहे है, लेकिन बीते सप्ताह एक महिला और एक पुरुष दो बुजुर्गों की मौत में पुलिस के द्वारा भी उनकी मौत का कारण लू लगना प्रतीत होना बताया गया है। मौतों में बुजुर्गों की संख्या अधिक है। हिट वेव के कारण मांझी थाना क्षेत्र के नटवर बघार मंगरुआ चंवर में 10 जून को 65 वर्षीय अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था, जिसकी मौत में लू लगने का अंदेशा दशार्या गया था। वही 11 जून को मढौरा थाना क्षेत्र में भी 80 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत का कारण लू लगना बताया गया था।क्योंकि दोनो का शव सुनसान इलाके से बरामद किया गया था और उनके शरीर पर जख्म के कोई निशान नहीं थे. जिसको लेकर पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराए जाने के दौरान लू लगने का अंदेशा जताया गया था।

छपरा सदर अस्पताल बनाया गया है एयर कंडीशनर लू (हीट वेव) वार्ड

छपरा सदर अस्पताल में प्रतिदिन हीट वेव के मरीजों के पहुंचने के कारण अस्पताल प्रशासन के द्वारा इमरजेंसी वार्ड परिसर में ही एयर कंडीशनर लू (हीट वेव) वार्ड बनाया गया है जिसमें वैसे मरीजों को रखा जा रहा है, लेकिन लाख प्रयास के बावजूद लू लगने के कारण प्रतिदिन 8-10 मौतें हो रही हैं। जिनमें सबकी शिकायत तेज बुखार का होना और अचानक गिरकर बेहोश होना सामान्य है।

हाजी अहमद खान को इसुआपुर का आरजेडी अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। राष्ट्रीय जनता दल के सारण जिला अध्यक्ष सुनील कुमार द्वारा इसुआपुर प्रखंड के मुड़वां एराजी गांव के वसीर खान के पुत्र एमडी हाजी अमजद खान को राजद के प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी कार्यकताओं में खुशी व्याप्त है। कार्यकताओं ने कहा कि हाजी साहब एक कुशल, कर्मठ, जुझारू व कर्तव्यनिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। उनके अध्यक्ष पद पर चयन से पार्टी को नई दिशा,गति, व ऊर्जा मिलेगी। खुशी व्यक्त करने वालों में तरैया के पूर्व आरजेडी विधायक मुद्रिका प्रसाद राय, राजद के जिला उपाध्यक्ष सह पैक्स अध्यक्ष राजेश राय,मुखिया अजय राय, विजय राय, राज्य कार्यकारिणी सदस्य विश्वनाथ यादव, गुड्डू कुशवाहा, टुनटुन हाशमी,रामबाबू राय, खुर्शीद आलम व अन्य है।

वाराणसी मंडल : एनआई कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

प्रात : किरण संवाददता

पटना। वाराणसी मंडल के औड़िहार स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग कार्य के लिये नान इण्टरलॉक तथा औड़िहार-भटनी रेल खण्ड पर औड़िहार-सादात स्टेशनों के मध्य पैच डबलिंग कार्य हेतु ट्रेनों का परिचालन रद्द, मार्ग परिवर्तन, आंशिक समापन/प्रारंभ, पुनर्निर्धारित कर चलाया जायेगा जिनका विवरण निम्नवत हैः रद्द ट्रेनें -गाड़ी सं. 15551 दरभंगा-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस 21 जून को, गाड़ी सं. 15552 वाराणसी सिटी-दरभंगा एक्सप्रेस 22 जून को, गाड़ी सं.14008 आनंद विहार-रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस 22 जून को, गाड़ी सं.14007 रक्सौल-आनंद विहार सदभावना एक्सप्रेस 23 जून को, गाड़ी सं. 12538/12537 प्रयागराज रामबाग- मुजफ्फरपुर- प्रयागराज रामबाग एक्सप्रेस 26 को परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें - 22 जून को सीतामढ़ी से खुलने वाली गाड़ी सं. 14005 सीतामढ़ी-आनंद विहार लिच्छवी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग छपरा-गाजीपुर सिटी-औड़िहार के रास्ते चलायी जाएगी ।21 जून को आनंद विहार से खुलने वाली गाड़ी सं. 14018 आनंद विहार-रक्सौल एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग अयोध्या-मनकापुर-गोरखपुर -सीवान-छपरा के रास्ते चलायी जाएगी ।

21 से 24 जून तक गोंदिया से खुलने वाली गाड़ी सं. 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-शाहगंज-मऊ-फेफना के रास्ते चलायी जाएगी ।25 जून को बरौनी से खुलने वाली गाड़ी सं. 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग फेफना-मऊ-शाहगंज-वाराणसी के रास्ते चलायी जाएगी । 22 जून को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12562 नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र-सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 22 जून को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी सं. 11061 लोकमान्य तिलक-जयनगर पवन एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र -सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 22 जून को डा. अम्बेडकर नगर से खुलने वाली गाड़ी सं. 19305 डा. अम्बेडकर नगर-कामाख्या एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र-सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी ।22 को रक्सौल से खुलने वाली गाड़ी सं. 14017 रक्सौल-आनंद विहार एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-गोरखपुर -मनकापुर-अयोध्या के रास्ते चलायी जाएगी । 24 जून को अम्बाला कैंट से खुलने वाली गाड़ी सं. 14524 अम्बाला कैंट-बरौनी हरिहर एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग अयोध्या-मनकापुर-गोरखपुर-सीवान-छपरा के रास्ते चलायी जाएगी।

आंशिक समापन व प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें :

22 को कोलकाता से खुलने वाली गाड़ी सं. 22323 कोलकाता-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस का आंशिक समापन वाराणसी सिटी में किया जायेगा।

24 जून को गाजीपुर सिटी से खुलने वाली गाड़ी सं. 22324 गाजीपुर सिटी-कोलकाता एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ वाराणसी सिटी से किया जायेगा। पुनर्निधारित कर चलायी जाने वाली ट्रेन - सीतामढ़ी से 23.06.23 को खुलने वाली गाड़ी सं. 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस सीतामढ़ी से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी । नोट - यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दिनांक 22 जून को खुलने वाली 12562, 11061 एवं 19305 का परिवर्तित मार्ग से चलाये जाने वाले दिन को पाटलिपुत्र जं. पर 02 मिनट का ठहराव दिया गया है ।

आयुक्त के निदेश पर पटना शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, कुमार रवि के निदेश पर पटना शहर में छठे दिन अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाया गया। विभिन्न नगर निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस पर आयुक्त लगातार नजर रखे हुए हैं एवं नियमित समीक्षा कर रहे हैं। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज नूतन राजधानी अंचल में 09.30 बजे पूर्वाह्न से 02 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ 05, दारोगा प्रसाद राय पथ के पास एवं ब्लॉक डी में अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान लोहा का दो गुमटी, पाँच ठेला, एक लोहा का व्यावम, एक टीपर बालू, दो पंखा, बांस-बल्ला तथा एक छोटा गैस सिलेंडर हटाया गया। नूतन राजधानी अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान में अभी तक 33,100/- रुपया की कुल वसूली हुई है। पाटलिपुत्रा अंचल में 07.00 बजे पूर्वाह्न से 12.30 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ गाँधी मैदान, बापू सभागार एवं कारगिल चौक पर अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान दो ठेला एवं एक स्टॉल हटाया गया तथा 3,500/- रुपये की वसूली की गई। बांकीपुर अंचल में 10 बजे पूर्वाह्न से 04 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ राजेन्द्र सर्किल (कैन्टीन) पीएमसीएच के नजदीक अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान बांस-बल्ला एवं राविस हटाया गया। गौरतलब है कि छः दिनों में अतिक्रमण हटाओ अभियान में अभी तक 49,900/- रुपया की वसूली हुई है। आयुक्त रवि के निदेश पर यातायात पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान क्षेत्र में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात नियंत्रण कक्ष द्वारा आज अतिक्रमण हटाओ अभियान क्षेत्र में कुल 14 वाहनों से 13,500/- रुपया की राशि शमन के रूप में वसूल की गयी। छः दिनों में अतिक्रमण हटाओ अभियान क्षेत्र में अभी तक कुल 162 वाहनों से 2,79,500/- की राशि शमन के रूप में वसूल की गयी।

सरकारी योजना का बंदरबाट, लाखों खर्च के बावजूद तालाब पानीविहीन

बीकोठी एवं वासुदेवपुर पंचायत में तालाब का सौंदर्यीकरण साबित हो रहा बेकार

प्रात : किरण संवाददता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी । प्रखंड अंतर्गत बड़हरी छठ पोखर व खादी भंडार तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए बड़हरा एवं बासुदेवपुर पंचायत द्वारा विभिन्न मदों से अबतक कुल 6198324 रुपया कुल खर्च खर्च किया जा चुका है। बड़हरा के पूर्व मुखिया द्वारा 9,99,900 रुपया खर्च किया गया था।

योजना संख्या 01/22-23 द्वारा 13,60,500 रु योजना संख्या 02/22-23 द्वारा 13,61,100 रुपये पंचायत समिति बड़हरा द्वारा योजना संख्या 17/22-23 द्वारा 7,44,300 रु यानी कुल 44,65,800 रु बड़हरा पंचायत द्वारा खर्च किया गया है तथा बासुदेवपुर पंचायत से योजना संख्या 10/20-21 द्वारा 9,92,724 एवं योजना संख्या 06/22-23 द्वारा 7,39,800 रुपया कुल 17,32,524 रुपया खर्च किया गया है। तालाब में पानी नही रहने के सवाल पर प्रखंड मनरेगा पदाधिकारी अबू नजर फैजी ने बताया कि तालाब में पानी नही रहना प्राकृतिक मामला है। उन्होंने बताया कि तालाब के उराही के लिए प्राक्कलन तैयार है लेकिन बासुदेवपुर और बड़हरा पंचायत के मुखिया को लेकर मामला अटक हुआ है। स्वामित्व के निराकरण के लिए मैंने अंचलाधिकारी बड़हरा कोठी को लिखित पत्र दिया है। जल्द ही मामले का निपटारा कर उराही शुरू कर दिया जाएगा। पोखर एवं महार सहित 6.1/2 एकड़ जमीन में पांच बीधा जमीन में पोखर बना हुआ है।

सम्पादकीय

नाम गुम नहीं होगा

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तक नामकरण बदलने की जरूरत क्या है? प्रधानमंत्री, अंततः, देश का प्रधानमंत्री होता है और वह संवैधानिक होता है। यदि कैबिनेट ने किसी स्थान, भवन, संस्थान, पुरस्कार आदि का नामकरण, किसी प्रधानमंत्री के नाम पर, तय किया है, तो उसे एक अच्छी, खूबसूरत लोकतांत्रिक परंपरा के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। यदि मौजूदा प्रधानमंत्री किसी पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक में हस्तक्षेप करता है और नामकरण ही बदल दिया जाता है, तो यह राजनीति की क्षुद्रता है। कमोबेश मौजूदा प्रधानमंत्री यह तो स्पष्ट करेंगे कि ऐसा क्यों किया गया? क्या सरकारें पहले की कैबिनेट के फैसलों को खारिज करने में ही जुटी रहेंगी? ऐसा करने से किसी प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्तित्व का नाम, कद, ख्याति गुम नहीं हो सकते और न ही ऐसा जबरन किया जा सकता है। भारत में चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिनके कार्यकाल बेहद कम रहे, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने जो भी निर्णय लिये, वे इतिहास में दर्ज हैं। देश उनके नाम पर मिट्टी फेरकर गुम नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री के तौर पर पंडित नेहरू की लंबी विरासत है। 1947 से लेकर 27 मई, 1964 तक वह लगातार प्रधानमंत्री चुने जाते रहे। वह कालखंड संक्रमण, संकट और अभाव का था।

आज के भारत की अर्थव्यवस्था 3.75 ट्रिलियन डॉलर की है। उसकी तुलना में तब भारत गरीब देश ही था। यदि प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर देश की 74 सडकों और भवनों, 98 शैक्षणिक संस्थानों, 52 राष्ट्रीय पुरस्कारों, 39 अस्पतालों, 15 राष्ट्रीय अभयारण्य, 28 खेल मुकाबलों, 19 स्टेडियम, 15 फेलोशिप, 09 हवाई अड्डों, 12 केंद्रीय और 52 राज्य योजनाओं तथा 37 अन्य संस्थानों के नामकरण किए गए थे, तो आज उन्हें खुरचने या मिटाने अथवा बदलने के औचित्य और तर्क क्या हैं? इन नेताओं को भरपूर जनादेश मिले और उन्होंने देश का नेतृत्व किया था। इन नामकरणों को ह्यवंशवादह्न की परिधि में तब बांधा जा सकता था, यदि वे किसी साम्राज्य की पीढ़ी-दर-पीढ़ी ईकाई होते और उनका राजतिलक शाही परंपराओं के मुताबिक किया जाता। ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स की हालिया ताजपोशी लोकतांत्रिक नहीं है, लेकिन भारत में नेहरू-गांधी नामधारी प्रधानमंत्रियों के अलावा, असंख्य नेताओं के नामकरण पर सार्वजनिक स्थल और स्मारक हैं। यह सूची बहुत लंबी है। देश बखूबी जानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू मेमोरियल एंड लाइब्रेरी का नामकरण बदल कर प्रधानमंत्री स्मारक एवं पुस्तकालय कर दिया है।

इसका तर्क क्या हो सकता है? प्रधानमंत्री के रूप में यह भवन 16 साल तक नेहरू का आधिकारिक आवास था। उनकी स्मृतियां हैं। स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़ी यादें और कुछ महत्त्वपूर्ण दस्तावेज यहां हैं। देश के दिवंगत प्रधानमंत्रियों की स्मृति में राजधानी दिल्ली में सैकड़ों एकड़ के भूखंड आवंटित किए गए हैं। उन्हें पर्यटन-स्थल भी बनाया गया है। जिन आवासों में नेतागण रहते थे, उन्हें स्मारक भी बनाया गया है और उन्हीं के नाम परङ्क! नेहरू के नाम पर क्या दिक्कत है? परेशान करने वाली यह प्रवृत्ति है कि ऐसे फैसलों पर प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साध लेते हैं, जबकि खुद उनके ही फैसले होते हैं। सवाल है कि क्या नेहरू-गांधी के नामकरण वाले स्मारकों का नाम बदलना ही भाजपा की राजनीति है? ये नामकरण प्रधानमंत्री मोदी को क्यों चुभते हैं और उन्हें बदल कर भाजपा कौन-सा लंबा-चौड़ा जनादेश हासिल कर सकती है? इस विषय पर मोदी को चुप्पी तोड़ते हुए स्पष्टीकरण देना चाहिए।

अब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ी नौकरियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन देश के बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार के मौके भी तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे है। पिछले माह मई 2023 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। यह स्पष्ट रेखांकित हो रहा है कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना-2.0 को स्वीकृति देते हुए इसके लिए 17000 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस पीएलआई योजना से चीन से अन्यत्र जा रही विश्व की दिग्गज आईटी हार्डवेयर कंपनियों के भारत आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही भारत से आईटी हार्डवेयर का निर्यात भी तेजी से बढे का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि सरकार ने आईटी हार्डवेयर की इस नई पीएलआई योजना के पिछले स्वरूप के लिए 7325 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। इस योजना का उद्देश्य देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देते हुए लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर और आधुनिक कंप्यूटिंग उपकरणों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। इस पीएलआई योजना में किए गए नए बदलावों और प्रोत्साहनों से सरकार को उम्मीद है कि तय अवधि में आईटी हार्डवेयर क्षेत्र में 2430 करोड़ रुपये के निवेश आने के साथ-साथ 75000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने और उत्पादन मूल्य 3.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का परिदृश्य दिखाई दे सकेगा।

ज्ञातव्य है कि देश में वर्ष 2020 से शुरू हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत उद्योगों को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले तीन वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब 1.97 लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। पीएलआई योजना के तहत पांच वर्षों में 60 लाख नौकरियों के अवसर सृजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 17 फीसदी योगदान देने वाला मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर करीब 2.73 करोड़ से अधिक श्रमबल के साथ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिमार्ता है और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। भारत का फार्मा उद्योग उत्पादित मात्रा के आधार पर दुनिया में तीसरे क्रम पर है। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य है। इलेक्ट्रानिक्स और रक्षा क्षेत्र में लगातार आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब बड़े पैमाने पर इनका निर्यात करने लगा है। देश में ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल सेक्टर जैसे मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न सेक्टरों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है। देश से बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग निर्यात मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गतिशील कर रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है।

भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहलों के कारण भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय कंपनियां शोध व नवाचार में आगे बढ़ रही हैं। ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों पर भी उद्योग की ओर से अपेक्षित ध्यान दिया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के कारगर कार्यान्वयन से वर्ष 2025 तक जीडीपी का 25 फीसदी योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से आएगा। उल्लेखनीय है कि 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात की 100वीं कड़ी में कहा कि देश में स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है और इससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भारी प्रोत्साहन मिला है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनने से भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नया आधार मिल रहा है। भारत सस्ती लागत और कार्य कौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। 85 देशों के मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित विभिन्न कारकों का समग्र मूल्यांकन करने वाली विश्व प्रसिद्ध यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट-2022 के तहत सस्ते विनिर्माण के मद्देनजर भारत ने चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ते हुए दुनिया भर में सबसे कम विनिर्माण लागत वाले देश का दर्जा हासिल कर लिया है। जैसे-जैसे सरकार के द्वारा चीन से आयात होने वाले घटिया स्तर के उत्पादों पर विभिन्न तरह से प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं ।

योग दिवस 21 जून पर विशेष : योग से इंडिया बनेगा फिट एण्ड हिट

योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि योगस्थ : कुरु कर्माणि इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं। भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है-योगः कर्मसु कौशलम यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि योगस्थः कुरु कर्माणि इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है।

योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योग शास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक समृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आजकी भगदौड़ में पूरी जिंदगी असंयमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भागदौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है। हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

देशों के शीर्ष नेताओं की कथनी और करनी में अंतर क्यों?

टीबी पर प्रथम उच्च स्तरीय बैठक 2018 में हुई थी (जिसमें शामिल होने का सौभाग्य मुझे भी मिला था) जब देशों के शीर्ष नेताओं ने एक राजनीतिक घोषणापत्र जारी करके अनेक वायदे किए थे जो 2022 तक पूरे करने थे। पर इन सभी वायदों पर अधिकांश देशों ने असंतोषजनक प्रगति की है। अब आगामी सितंबर में यही नेता टीबी उन्मूलन हेतु एक नया राजनीतिक घोषणापत्र जारी करेंगे। क्या 2023 का नया घोषणापत्र जमीनी असलियत में भी बदलेगा या पुराने घोषणापत्र की तरह कागजों में ही कैद रह जाएगा? दुनिया में संक्रामक रोगों के कारण होने वाली मृत्यु में, सबसे अधिक मृत्यु टीबी से होती है। टीबी गरीब और विकासशील देशों में आज भी सबसे घातक संक्रामक रोग बना हुआ है। सरकारी नारा टीबी से बचाव मुमकिन है और पक्का इलाज मुमकिन है-जो वैज्ञानिक रूप से तो सत्य है-परंतु भारत में प्रति वर्ष टीबी से जो 30 लाख व्यक्ति ग्रसित होते हैं और 5 लाख से अधिक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होते हैं, उनके लिए यह खोखला नारा मात्र है। विश्व में टीबी से ग्रसित रोगियों की संख्या और टीबी से मरने वालों की संख्या घटने के बजाय बढ़ी है-2019 में 1 करोड़ लोग टीबी से ग्रसित हुए थे परन्तु 2021 में यह संख्या 1.6 करोड़ तक पहुँच गई।

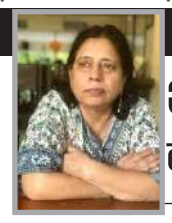

शोभा शुक्ला
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विश्व के सभी देशों के शीर्ष नेता आगामी सितंबर 2023 को न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासम्मेलन में भाग लेंगे जहां टीबी पर दूसरी संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक भी होगी। टीबी पर प्रथम उच्च स्तरीय बैठक 2018 में हुई थी (जिसमें शामिल होने का सौभाग्य मुझे भी मिला था) जब देशों के शीर्ष नेताओं ने एक राजनीतिक घोषणापत्र जारी करके अनेक वायदे किए थे जो 2022 तक पूरे करने थे। पर इन सभी वायदों पर अधिकांश देशों ने असंतोषजनक प्रगति की है। अब आगामी सितंबर में यही नेता टीबी उन्मूलन हेतु एक नया राजनीतिक घोषणापत्र जारी करेंगे। क्या 2023 का नया घोषणापत्र जमीनी असलियत में भी बदलेगा या पुराने घोषणापत्र की तरह कागजों में ही कैद रह जाएगा?

दुनिया में संक्रामक रोगों के कारण होने वाली मृत्यु में, सबसे अधिक मृत्यु टीबी से होती है। टीबी गरीब और विकासशील देशों में आज भी सबसे घातक संक्रामक रोग बना हुआ है। सरकारी नारा ह्लटीबी से बचाव मुमकिन है और पक्का इलाज मुमकिन हैह्न-जो वैज्ञानिक रूप से तो सत्य है-परंतु भारत में प्रति वर्ष टीबी से जो 30 लाख व्यक्ति ग्रसित होते हैं और 5 लाख से अधिक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होते हैं, उनके लिए यह खोखला नारा मात्र है। विश्व में टीबी से ग्रसित रोगियों की संख्या और टीबी से मरने वालों की संख्या घटने के बजाय बढ़ी है-2019 में 1 करोड़ लोग टीबी से ग्रसित हुए थे परन्तु 2021 में यह संख्या 1.6 करोड़ तक पहुँच गई। उसी प्रकार वैश्विक स्तर पर 2019 में 14 लाख लोग टीबी से मृत हुए थे परंतु यह संख्या 2021 तक 16 लाख पहुँच गई।

2018 की टीबी पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक में किए वायदों का क्या हुआ? 2018 की संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठक में देश के प्रमुखों ने तय किया था कि 2022 तक 4 करोड़ लोगों को टीबी जाँच और इलाज मिलेगा, जिनमें 35 लाख बच्चे और 15 लाख दवा प्रतिरोधक टीबी से ग्रसित लोग शामिल हैं। परंतु 2021 के अंत तक टीबी का इलाज केवल 2.63 करोड़ (लक्ष्य का 66%) को मिल सका, जिनमें 19 लाख बच्चे (लक्ष्य का 38%) और 6.5 लाख दवा प्रतिरोधक टीबी (लक्ष्य का 43%) से ग्रसित लोग शामिल थे। 2018 के टीबी जाँच के लक्ष्य पर भी प्रगति असंतोषजनक रही-केवल 38% को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रमाणित रैपिड मॉलिक्यूलर जाँच नसीब हुई। टीबी की जाँच नहीं होगी तो इलाज नहीं मिलेगा, और अनावश्यक मानवीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी एवं संक्रमण का फैलाव भी नहीं रुकेगा। 62% टीबी से ग्रसित लोगों को यह रैपिड मॉलिक्यूलर जाँच तक नहीं मिली, यह अत्यंत चिंता का विषय है। जरा सोचें कि क्या यह मानवाधिकार का मुद्दा नहीं है?

टीबी बचाव इतना कमजोर क्यों?

2018 के राजनीतिक घोषणापत्र में एक लक्ष्य यह भी था कि कम-से-कम 3 करोड़ लोगों तक टीबी से बचाव वाला इलाज पहुँचाना। लेटेंट टीबी (यानी व्यक्ति में टीबी बैकटीरिया तो है पर रोग नहीं उत्पन्न कर रहे हैं) से संक्रमित लोगों में न तो कोई टीबी लक्षण होता है और न टीबी रोग, और न ही इनसे किसी अन्य को संक्रमण फैल सकता है। परंतु जिन लोगों को लेटेंट टीबी के साथ-साथ एचआईवी, मधुमेह, तम्बाकू सेवन, धूम्रपान या शराब का नशा, कुपोषण, या अन्य खतरा बढ़ाने वाले कारण भी होते हैं, उन लोगों में लेटेंट टीबी के टीबी रोग में परिवर्तित होने का खतरा बढ़ जाता है।

टीबी का हर नया रोगी, पूर्व में लेटेंट टीबी से संक्रमित हुआ होता है। और हर नया लेटेंट टीबी से संक्रमित रोगी इस बात की पुष्टि करता है कि संक्रमण नियंत्रण निष्फल था जिसके कारणवश टीबी बैक्टीरिया एक टीबी संक्रमित रोगी से एक असंक्रमित व्यक्ति तक फैला। अब विज्ञान ने ऐसे प्रभावकारी इलाज मुहैया कराये हैं जिनके चलते लेटेंट टीबी से ग्रसित व्यक्ति को टीबी रोग होने का खतरा नहीं रहता। टीबी उन्मूलन की दिशा में एक अति आवश्यक कदम लेटेंट टीबी का उन्मूलन है।

इसीलिए 2018 में सरकारों ने लेटेंट टीबी का सर्वोत्तम प्रभावकारी इलाज कम-से-कम 3 करोड़ लोगों को मुहैया करवाने का वायदा किया था जिससे कि इन 3 करोड़ लोगों को (जिनकी लेटेंट टीबी, टीबी रोग में परिवर्तित हो सकती है) टीबी रोग न हो। इन 3 करोड़ लोगों में 40 लाख 5 साल से कम आयु के बच्चे, 2 करोड़ ऐसे लोग जो टीबी रोगी के घर के सदस्य हों आदि, और 60 लाख एचआईवी के साथ जीवित लोग शामिल थे। परंतु 2021 के अंत तक, इस लक्ष्य की केवल 42% प्राप्ति हुई थी। 3 करोड़ के बजाय मात्र 1.25 करोड़ लोगों को लेटेंट टीबी का इलाज मिल सका (जिनमें 16 लाख बच्चे (लक्ष्य का 40%), 6 लाख टीबी रोगी के घर-परिवार के सदस्य (लक्ष्य का 3%) और 1.03 करोड़ एचआईवी के साथ जीवित लोग शामिल थे।

2018 में किया गया एक अंतर-सरकारी वायदा यह भी था कि 2022 तक वैश्विक टीबी कार्यक्रम के लिए आवश्यक पूरा निवेश प्रदान किया जाएगा जो अमरीकी डॉलर 13 अरब है। परंतु 2021 के अंत तक केवल 42% धनराशि ही उपलब्ध हो सकी है। जब नवीनतम और प्रभावकारी टीबी जाँच और इलाज दुनिया के सभी गरीब-अमीर देशों के सभी जरूरतमंद पात्र लोगों को मुहैया नहीं होगा तो टीबी उन्मूलन कैसे संभव होगा?

वायदा तो किया पर निवेश क्यों नहीं किया? इसी तरह टीबी के शोध पर सालाना अमरीकी डॉलर 2 अरब व्यय करने का वायदा भी केवल कागजी वायदा बन कर ही रह गया क्योंकि 2021 के अंत तक टीबी शोध पर व्यय 1 अरब अमरीकी डॉलर से भी कम रहा। गौर करें कि टीबी की अधिक प्रभावकारी जाँच (जो गरीब और विकासशील देशों में भी मुस्तैदी से हो सके), और इलाज (जो अत्यंत प्रभावकारी, सरल, सहज और अत्यंत कम अवधि के हों और दवा की विषाक्तता भी रोगी को न झेलनी पड़े) के लिए शोध अत्यंत जरूरी है। इसमें टीबी वैक्सीन टीका भी शामिल है। मौजूदा टीका 100 साल से पुराना बीसीजी टीका है जो फि लहाल दुनिया की एकमात्र टीबी वैक्सीन है-जो अधिकांश लोगों को हर प्रकार की टीबी से बचाने में सफल नहीं है। नयी प्रभावकारी वैक्सीन, बेहतर जाँच और इलाज के लिए शोध जरूरी है, और इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि जब कोई भी नवीन जाँच, इलाज या टीके उपलब्ध हों तो दुनिया के प्रत्येक टीबी रोगी को समानता से बिना-विलंब मिल सकें। यदि टीबी उन्मूलन के सपने को साकार करना है तो 2023 के राजनीतिक घोषणापत्र को कमजोर न करें। सितंबर 2023 में होने वाली संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक में पारित होने वाला नया राजनीतिक घोषणापत्र यदि कमजोर हुआ तो निःसंदेह वैश्विक टीबी आंदोलन के लिए एक बड़ा सदमा होगा। इस घोषणापत्र में सरकारें महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखें, निवेश बढ़ायें, जवाबदेही प्रणाली को मजबूत करें, और मानवाधिकार के सिद्धांतों पर आधारित वैश्विक और जमीनी टीबी कार्यक्रम को संचालित करने में अपना योगदान दें। सुब्रत मोहंती, वैश्विक स्टॉप टीबी पार्टनरशिप के बोर्ड सदस्य हैं और एक लंबे अरसे से टीबी उन्मूलन के लिए प्रयासरत रहे हैं। उनका कहना है कि इस 2023 के राजनीतिक घोषणापत्र में जो वायदे किए जाएँ वे 2018 के राजनीतिक घोषणापत्र से कमजोर नहीं हो सकते हैं।

शरीर, मन और आत्मा को जोड़ता है योग का धागा!

सोनम लववंशी

समस्त सृष्टि और संस्कार में योग समाहित है। योग विकारों से मुक्ति का मार्ग है। योग हमारे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान का परिचायक है। योग की सार्थकता को दुनिया के लगभग सभी धर्मों ने स्वीकृति प्रदान की है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण साधन योग ही है। इसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का गुण होता है। सनातन परम्परा में योग को काफी महत्व दिया गया है। तभी तो श्रीमद्भागवत गीता में योग शब्द का कई मर्तबा उपयोग किया गया है, जैसे बुद्धि योग, सन्यास योग, कर्मयोग इत्यादि। श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण जी ने कहा ही है कि, योगः कर्मसु कौशलम। अर्थात कर्म में कुशलता ही योग है। इतना ही नहीं महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में कहा है कि, योगश्चितवृतिनिरोधः जिसका अर्थ हुआ चित की वृतियों के निरोध का नाम योग है। वहीं विष्णु पुराण के अनुसार-योगः संयोग इत्युक्त जीवात्म परमात्मने अर्थात जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही योग है।

योग एक प्राचीन परंपरा है। जो लगभग 5 हजार वर्षों से अनवरत चली आ रही है और इस योग परंपरा को नरेंद्र मोदी जी की सरकार में काफी बढ़ावा मिला है। आज विश्व के 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे और जीवन को बेहतर बनाने का जरिया योग को बना रहे हैं। तो इसके पीछे अहम योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का है। उन्होंने योग को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। योग को वैश्विक मान्यता मिल चुकी है। ऐसे में अब, योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य बन चुका है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग की ताकत कोरोना काल में दुनिया ने देखी है।

योग और प्राणायाम ने जहां कोरोना काल में फेफड़ें को मजबूती प्रदान की। वहीं ऑक्सीजन का स्तर भी बढाने में मदद की। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति सत्व प्रधान रही है और योग जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग हुआ करता था। जिसे कोरोना काल में पुनः एक बार मजबूती मिली। कोरोना काल के बाद से लोग योगिक जीवनशैली के प्रति सचेत हुए हैं। जो एक सुखद संदेश है। योग स्वयं को स्वस्थ रखने और इम्यून शक्ति बढ़ाने का सबसे उपयोगी साधन है और यही वजह है कि इसको वैश्विक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने का काम केंद्र की सरकार कर रही है। 21 जून को ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के पीछे भी अपना वैज्ञानिक तर्क है। गौरतल

संक्षिप्त खबरें

इटावा में पार्सल कोच में ओवरलोडिंग के चलती काफी देर तक रुकी ट्रेन

कालका मेल सुपरफास्ट ट्रेन रविवार को उत्तर प्रदेश के इटावा रेलवे स्टेशन पर पार्सल कोच में माल अधिक लदा होने के कारण करीब एक घंटे तक रुकी रही। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेलवे इटावा के मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक नरेश कुमार ने कहा, निरीक्षण के बाद, यह पाया गया कि ट्रेन के पार्सल कोच में माल की ओवरलोडिंग की समस्या थी, जिसके कारण ट्रेन के चलने में दिक्कत आई। अतिरिक्त सामान को हटाकर इस परेशानी को ठीक किया गया। ट्रेन के रुकने के दौरान बच्चों सहित यात्रियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा।

यूपी में आठ आईपीएस अफसरों का तबादला

उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार सुबह आठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। स्थानांतरित किए गए लोगों में नीलाब्जा चौधरी, संयुक्त सीपी (अपराध) लखनऊ शामिल हैं, जिन्हें उसी पद पर कानपुर भेजा गया है। आकाश कुल्हारी को प्रयागराज से स्थानांतरित कर चौधरी के स्थान पर लखनऊ का एसीपी बनाया गया है। नोएडा कमिश्नरेट के एसीपी 2007 बैच के अधिकारी रविशंकर छवि को पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) लोक शिकायत, डीजीपी मुख्यालय, लखनऊ बनाया गया है। 2008 बैच के अधिकारी अमित वर्मा को उनके वर्तमान पद पर बनाए रखा गया है और एसीपी के रूप में उनका कानपुर स्थानांतरण रद्द कर दिया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक संगठन के डीआईजी बबलू कुमार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नोएडा भेजा गया है, जबकि पवन कुमार को जेसीपी प्रयागराज भेजा गया है। वह पुलिस अधीक्षक (एसपी) एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स मुख्यालय, लखनऊ के पद पर कार्यरत थे। सुनीति को एसपी एडमिन, डीजीपी मुख्यालय लखनऊ से जेसीपी के पद पर नोएडा स्थानांतरित किया गया है। 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी शारदा नरेंद्र पांडेय को संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) प्रयागराज के रूप में भेजा गया है।

परिवहन मंत्री के इस बयान पर मचा बवाल

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एक विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। जिला अस्पताल में 100 से अधिक मौतों को लेकर उन्होंने कहाकि गर्मी के मौसम में मृत्यु दर बढ़ जाती है। रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित गंगा बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित सरकार के नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि ऐसा पहले भी हो चुका है। मृतकों में अधिकांश बुजुर्ग हैं। सरकार की ओर से अस्पताल में मरीजों के उपचार के लिए सारी व्यवस्था की जा रही है। लखनऊ से अधिकारियों की टीम जिले में आई हुई है। मंत्री के इस बयान को इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। लू के कारण 104 लोगों की मौत बता दें बलिया में हीट वेव के कारण लोगों की जान आफत में बनी हुई है। तेज धूप के कारण पूरा जनपद परेशान है। मरीजों के जिला अस्पताल में भर्ती होने का सिलसिला जारी है। अब तक जिले में 104 लोगों की लू के कारण मौत हो चुकी है। हालांकि जिला प्रशासन मौत के कारण को स्पष्ट नहीं कर रहा है। स्थिति को भयावह देख सुविधाएं बढ़ाने के लिए समाज के लोग भी आगे आ रहे हैं। कोई प्याऊ की व्यवस्था कर रहा है तो कोई जिला अस्पताल में कूलर दान कर रहा है।

यूपी में फर्जी मस्टर रोल में 14 होमगार्ड के खिलाफ एफआईआर

तैनाती के लिए तैयार फर्जी मस्टर रोल में गड़बड़ी के मामले में एक ड्यूटी इंचार्ज सहित 13 अन्य होमगार्डों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। मामला जिला कमांडेंट अतुल कुमार सिंह द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें ड्यूटी प्रभारी सुरेश सिंह के खिलाफ आरोप की जांच करने का काम दिया गया था। अपनी शिकायत में अतुल ने कहा कि उन्होंने कुछ जगहों का निरीक्षण किया और पाया कि सुरेश सिंह ने कंप्यूटर में दर्ज एक होमगार्ड मनीष मिश्रा का मोबाइल नंबर और रेफरेंस नंबर प्राप्त किया और उसी का ओटीपी प्राप्त किया। उन्होंने कहा, आरोपियों ने पूर्व अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर वाले प्रमाणपत्रों का भी इस्तेमाल किया और अपने कुछ नजदीकी होमगार्डों के बैंक खाते में ड्यूटी भत्ते का भुगतान किया। गोमती नगर विस्तार के एसएचओ सुधीर अवस्थी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है और मामले की जांच की जा रही है।

832 सीएचसी-पीएचसी पर प्रेरणा कैंटीन, मरीजों को मिल रहा शुद्ध भोजन

- महिला स्वावलंबन व सशक्तिकरण पर योगी सरकार की एक और पहल, आत्मनिर्भर हो रहीं महिलाएं

लखनऊ, एजेंसी

योगी सरकार की पहल पर यूपी में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। राज्य आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों, संकुल स्तरीय संगठनों व ग्राम स्तरीय संगठनों से जुड़ी महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी व ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश के 832 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने प्रेरणा कैंटीन खोली है। इससे मरीजों सहित तीमारदारों को भी इन दीदी कैफे से ताजा भोजन और नाश्ता मिल रहा है तो समूहों की महिलाएं आत्मनिर्भर होने के साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा रही हैं। यूपी में 832 सीएचसी पर खोली गई कैंटीन आजमगढ़ में 23, सीतापुर-जौनपुर में 21-21, प्रतापगढ़ व प्रयागराज में 20-20, सहारनपुर में 19,रायबरेली में 18, आगरा, बुलंदशहर, गोरखपुर व हरदोई में 17-17, गोंडा, बहराइच, खीरी व उन्नाव में 16- 16, अलीगढ़, बलिया, बाराबंकी व बरेली में 15 -15, बस्ती, बदायूं, कुशीनगर व सुल्तानपुर में 14 -14, अमेठी, गाजीपुर, देवरिया, महाराजगंज, मिजार्पुर व शाहजहांपुर में 13-13, कानपुर देहात में 12, अयोध्या, बिजनौर, झांसी, मथुरा व सिद्धार्थ नगर में 11-11, बलरामपुर, फतेहपुर, कन्नौज, कानपुर नगर, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर, व संभल में 10-10, अंबेडकर नगर, फरुर्खाबाद, फिरोजाबाद, हमीरपुर, लखनऊ, मऊ, मेरठ व वाराणसी में 9-9, इटावा, हाथरस, जालौन, कौशांबी व पीलीभीत 8-8, अमरोहा, औरैया, बांदा, एटा, मुरादाबाद, शामली, श्रावस्ती व सोनभद्र में 7-7, चित्रकूट, हापुड़, संत कबीर नगर व संत रविदास नगर में 6-6, बागपत, कासगंज, ललितपुर व रामपुर में 5-5, चंदौली, गाजियाबाद व महोबा में 4-4, गौतमबुद्ध नगर में तीन प्रेरणा कैंटीन चल रही है। जहां आवागमन अधिक, वहां किया जा रहा कैंटीन का चुनाव राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक सी० इन्दुमती ने बताया कि योगी सरकार की देखरेख में समूहों की महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिये विभाग हरसंभव कदम उठा रहा है। महिलाओं को विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रेरणा कैंटीन संचालन हेतु सामुदायिक निवेश निधि, ग्राम संगठन आजीविका निधि अथवा सीसीएल का उपयोग कराते हुए कैंटीन के लिए ऐसे स्थान का चुनाव किया जाए, जहां आवागमन अधिक है। स्वास्थ्य केन्द्र के अलावा आम जनमानस द्वारा भी कैंटीन का उपयोग किया जा सके तथा समूहों को भी इसका लाभ प्राप्त हो। सभी 832 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रेरणा कैंटीन समूहों की महिलाओं द्वारा संचालित हो रही हैं। एक तरफ जहां प्रेरणा कैंटीन के जरिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर मुहैया कराए जा रहे हैं, वहीं सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों व तीमारदारों को पौष्टिक व कम दरों पर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जननी सुरक्षा के तहत गर्भवती को भी पौष्टिक भोजन की व्यवस्था हो रही है। महिलाओं ने संभाली कैंटीन, मरीजों को भी गरमागरम भोजन अस्पताल में भर्ती रोगियों व तीमारदारों को कैंटीन का गरमागरम भोजन मुहैया कराया जा रहा है। इससे जहां इनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है, वहीं समूह की यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भरता से भी जोड़ रही है। मिशन ने देश में पहली बार प्रदेश के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर समूह द्वारा संचालित 832 प्रेरणा कैंटीन की स्थापना करते हुए समूह सदस्यों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है।

विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैक हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 अखिलेश कुमार सिंह ने राज्यपाल जी को अवगत कराया कि वर्ष 2016 में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने वर्ष 2021 में अपने 5 वर्ष पूर्ण करके नैक ग्रेडिंग हेतु अर्हता प्राप्त कर ली है, जिसके क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 में अपना मूल्यांकन हेतु सेल्फ स्टडी रिपोर्ट दाखिल करने की तैयारी की गई है। राज्यपाल जी ने बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा नैक तैयारी के लिए गठित कमेटी के सदस्यों से बिंदुवार तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नैक के मानकों का गहनता से अवलोकन कर प्रत्येक बिंदु पर प्रस्तुतिकरण को सुदृढ़ करें। प्रस्तुतिकरण को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय को सभी व्यवस्थाओं और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तृत विवरण सम्बद्ध करने को कहा। उन्होंने कहा मूल्यांकन हेतु पियर टीम के अवलोकन के समय प्रस्तुतिकरण में किसी भी कमेटी सदस्य को भ्रम की स्थिति न हो। जिस बिंदु पर प्रस्तुतिकरण दिया जा रहा हो उसके सभी विवरण, गतिविधि के प्रमाण-पत्र और सम्बन्धित फोटो ग्राफ ही हाइपर लिंक से सम्बद्ध रखें जाएं। उन्होंने प्रस्तुतिकरण मंज विविधिता और गतिविधि दर्शाने वाले फोटोग्राफ एवं विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में की गई गतिविधियों की वीडियो प्रस्तुतियाँ को हाइपर लिंक में सम्बद्ध करने के निर्देश दिए। राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण में व्यापक सुधार किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नैक तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च श्रेणी प्राप्त प्रदेश के विश्वविद्यालयों के अनुसरण पर विश्वविद्यालय में सुधार लागू कराने और मूल्यांकन प्रस्तुतिकरण को सशक्त बनाने का सुझाव दिया। विश्वविद्यालय के परिवर्तित सिलेबस, शिक्षण व्यवस्था की विविधिता, अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन, विद्यार्थी क्षमताओं का सम्बर्द्धन जैसे विषयों को राज्यपाल जी ने विशेषता से दशार्ने का सुझाव देते हुए कहा कि विशेषता वाले सभी विविध बिंदुओं पर विस्तृत और सुदृढ़ भाषा में विवरण संलग्न किए जाएं। राज्यपाल जी ने विद्यार्थियों को नैक उपयोगिता बताकर फीडबैक देने, गतिविधियों में सक्रीयता बढ़ाने के लिए भी जोर दिया। इसी क्रम में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की गतिविधियों के दौरान वहाँ के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेंरित करने, गोद लिए गाँवों के बच्चों को दीक्षांत में बुलाने को निर्देश भी दिया। उन्होने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रसिद्ध कार्यक्रम ह्यमन की बातह्य से प्रेरित होकर विश्वविद्यालय में प्रारम्भ की गई गतिविधि में प्रेरक कार्यक्रम के फोटो और एपीसोड संख्या का उल्लेख प्रस्तुतिकरण में जोड़ने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक कमेटी के प्रत्येक सदस्य को प्रभावी प्रस्तुतिकरण देने की क्षमता विकसित करने को कहा जिससे किसी भी अपरिहार्य परिस्थिति में पियर टीम के आगमन पर विश्वविद्यालय का प्रस्तुतिकरण प्रभावित न हो। राज्यपाल जी ने टीम के सभी सदस्यों को बैठक में प्राप्त सुझावों के साथ प्रस्तुतिकरण को सुदृढ़ करने, पुनरावलोकन करके समग्रता से सशक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और बेहतर तैयारी के उपरान्त नैक के उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने की सामर्थ्य से युक्त एस0एस0आर0 दाखिल करने को कहा। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालय द्वारा नैक तैयारी हेतु गठित टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जेएस हिन्दू इंटर कॉलेज में योगा कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। सोमवार को हर घर आंगन योगा के तहत प्रशासन और जिला विद्यालय निरीक्षक विष्णु प्रताप सिंह के आदेशानुसार प्रधानाचार्य डॉ. जीपी सिंह के दिशा निर्देशन में जेएस हिन्दू इंटर कॉलेज अमरोहा में योगा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने कई प्रकार के आसनों के साथ योग किया।स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. जीपी सिंह ने कहा की योग हमेशा से ही हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी रहा है।

लेकिन आज के दौर में हमारे शरीर के लिए योगा बहुत ही आवश्यक है। योगा करने से हमारा शरीर तो हृष्ट पुष्ट रहता ही है, मन भी प्रसन्न चित्त रहता है। काया निरोगी होती है।प्रतिदिन योगा करते रहने से हम बहुत ही बीमारियों को अपने से दूर भगा सकते हैं। हम यूं भी कह सकते हैं कि निरोगी काया का मूलमंत्र ही योगा है। प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को बताया कि हर घर आंगन योगा के अंतर्गत आप भी अपने परिवार के साथ घर में प्रतिदिन योगा करें। हम स्वस्थ होंगे तभी तो देश स्वस्थ होगा। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी शैलेश कुमार, पंकज और डॉ. नरेश कुमार, स्काउट अध्यापक अंकित कुमार, अनिल कुमार, कुमेर सिंह और विद्यालय के छात्र छात्राएं मौजूद थे। योग कार्यक्रम का संचालन खेल प्रशिक्षक राजवीर सिंह ने किया।

फौजी के बैग में सेंधमारी, चलती बस में से उड़ाई नगदी और जेवर; पांच गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

डिडौली। रोडवेज बस में सवार फौजी के बैग से नगदी और जेवरात चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को रंगे हाथ पकड़ लिया। जबकि दो भागने में कामयाब रहे। सवारियों ने चोरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में मुरादाबाद के सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं पकड़े गए पांच चोरों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि मुरादाबाद जनपद के बिलारी थानाक्षेत्र के के गांव असालतपुर में किसान मुकुट सिंह का परिवार रहता है। मुकुट सिंह फौजी हैं वर्तमान में उनकी तैनाती दिल्ली कैंट में है। रविवार को फौजी मुकुट सिंह अपनी पत्नी के साथ दिल्ली जा रहे थे। दोनों मुरादाबाद बस अड्डे से रोडवेज बस में सवार हुए थे।करीब 2:30 बस मुरादाबाद से दिल्ली के लिए रवाना हुई।जैसे ही बस पाकबड़ा ओवरब्रिज के पास पहुंची तभी मुरादाबाद के भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव अक्का भीकनपुर निवासी अरमान ने परिचालक से बस रुकवाने के लिए कहा और लेकिन यहां पहले से मौजूद दो युवक बस में चढ़ते ही कूदकर भाग गए।बस परिचालक रंजीत सिंह को शक हुआ तो उन्होंने बस के गेट बंद कर दिए। चालक से बस रोकने के लिए कहा।परिचालक ने सवारियों से अपना-अपना सामान चेक करने के लिए कहा।इस दौरान मुकुट सिंह ने अपना बैग चेक किया तो उससे 50 नगद और सोने-चांदी के आभूषण चोरी थे। उन्होंने ये बात चालक और परिचालक को बताई।सभी सवारियों ने बस में मौजूद पांच चोरों को पकड़ लिया।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम अरमान, तालिब,निवासी अक्का भीकनपुर थाना भोजपुर, नन्हे निवासी सिहाली शाहबाजपुर थाना भोजपुर, बाबू निवासी नगला बलवीर थाना पाकबड़ा और सलमान मोहल्ला बगियावाला थाना भोजपुर बताया।सूचना मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपियों को मौके पर पकड़कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया। सीओ ने बताया कि फौजी मुकुट सिंह की तहरीर पर सात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि पकड़े गए पांचों चोरों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। फरार दो आरोपियों का नाम नवीजान निवासी सिहाली शाहबाजपुर और नजाकत निवासी भौपुर थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद है।दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

उमेश पाल के घर पहुंचे केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, बोले- फरार आरोपियों को जल्द पकड़ेगी पुलिस

लखनऊ, एजेंसी

केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद एसपी सिंह बघेल ने सोमवार को धूमनगंज सुलेमसराय पहुंचकर विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल के परिजनों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि हत्याकांड में फरार चल रहे अन्य आरोपियों को भी पुलिस जल्द गिरफ्तार कर लेगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। एसपी सिंह बघेल ने उमेश पाल की मां शांति देवी और पत्नी जया पाल से बातचीत कर परिवार का हालचाल जाना। उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि उमेश पाल की हत्या में शामिल किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। तमाम आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। जो आरोपी अभी तक पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे हैं उन्हें भी कानून के तहत सजा दिलाने का कार्य पुलिस करेगी। बड़े हनुमानजी का दर्शन किया केंद्रीय मंत्री बघेल ने उमेश पाल के परिजनों को सांत्वना देने के बाद संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां पर उन्होंने विधि विधान से बजरंग बली की पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा के नेता मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने उमेश पाल के घर पर परिजनों को सांत्वना देने के बाद फोटो ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा- आज प्रयागराज में स्वर्गीय उमेश पाल जी के घर पर माताजी और परिवार के सदस्यों का हाल चाल जाना। आज श्री उमेश पाल जी को गए चार महीने हो गए, लेकिन मां के आंसू नहीं सूखे। मां का आशीर्वाद अगर लोगों को जीवन देता है तो मां के आंसू कई बार लोगों को नेस्तनाबूद भी कर देता है। अखिलेश पर कसा तंज केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने पत्रकारों के सवाल पर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसा। अखिलेश द्वारा यूपी की 80 लोकसभा सीट पर जीत का दावा करने के सवाल पर मंत्री बोले - 80 सीटों का दावा करने वाले अखिलेश यादव पिछले चुनाव में अपने आधे परिवार को हारने से नहीं रोक पाए, जबकि उन्हें मायावती की पार्टी का भी समर्थन प्राप्त था। मंत्री ने इस दौरान कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर से उनके आवास पर जाकर मुलाकात भी की। 24 फरवरी को की गई थी उमेश पाल की हत्या विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल की हत्या 24 फरवरी को उनके सुलेमराय जयंतीपुर स्थित घर के सामने कर दी गई थी। वारदात में उमेश पाल समेत उनके दो सरकारी गनर भी मारे गए थे। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। जिसमें माफिया अतीक का बेटा असद, बमबाज गुड्डू मुस्लिम, गुलाम हसन, अरमान आदि नजर आ रहे थे। असद, गुलाम, अरबाज, उस्मान चौधरी को पुलिस मुठभेड़ में मार चुकी है।

आईआईटी कानपुर की गतिविधियों से होंगे परिचित योग्य उम्मीदवार

लखनऊ, एजेंसी

आईआईटी कानपुर में ओपन हाउस एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से हम इच्छुक छात्रों को हमारे संस्थान के गतिशील शैक्षणिक वातावरण का पता लगाने का अवसर प्रदान करने की कल्पना करते हैं। यह जानकारी देते हुए सोमवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने बताया कि 20 जून यानी मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे से ओपन हाउस शुरू होगा। उन्होंने बताया कि जेईई एडवांस्ड 2023 के सभी योग्य उम्मीदवारों के लिए एक इंटरैक्टिव ओपन हाउस सत्र की मेजबानी 20 जून की जाएगी। इस हाइब्रिड सत्र की परिकल्पना एक समग्र उद्देश्य के साथ की गई है ताकि भावी छात्रों को आईआईटी (आईआईटी) कानपुर बिरादरी के साथ जुड़ने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया जा सके और संस्थान की पेशकशों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सके,जिससे इसके विश्व स्तरीय पाठ्यक्रम, स्नातक के बाद का दायरा और संस्थान और परिसर में जीवन के बारे में अन्य सभी प्रासंगिक विवरण शामिल हैं। देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में से आई आई टी (आईआईटी) कानपुर सबसे हरित और सबसे टिकाऊ परिसरों में से एक है। 1055 एकड़ में फैला है, पर्यावरण चेतना के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता इसके समग्र अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठानों में भी परिलक्षित होती है। अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी कानपुर की प्रतिबद्धता ने संस्थान को एनआईआरएफ 2023 इनोवेशन श्रेणी में शीर्ष रैंक पर पहुंचा दिया है। ओपन हाउस शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्रों में में संस्थान के फ्रंट फुट दृष्टिकोण को प्रदर्शित करना चाहता है। हम जेईई एडवांस्ड 2023 के योग्य उम्मीदवारों का हमारे डीन और फैकल्टी के साथ जुड़ने, उनके प्रश्नों का समाधान करने और उन्हें यह समझने में मदद करने के लिए उत्साहित हैं कि कैसे आईआईटी कानपुर उनकी शैक्षणिक और पेशेवर यात्रा को आकार देने के लिए एक आदर्श गंतव्य हो सकता है। भारत में शिक्षा के बदलती धारा और उद्योग की बदलती जरूरतों को अपनाने के लिए आई आई टी (आईआईटी) कानपुर की प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि छात्रों को व्यापक और प्रासंगिक दोनों तरह की शिक्षा मिले। प्रतिष्ठित फैकल्टी, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, और ड्राइविंग रिसर्च और इनोवेशन पर एक सख्त फोकस के साथ, संस्थान स्नातकों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाता है। आईआईटी कानपुर को समझने का मौकाः उन्होंने बताया कि हाइब्रिड-मोड ओपन हाउस छात्रों को परिसर में आने और संस्थान को बेहतर तरीके से जानने के लिए संकाय के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करेगा। संस्थान का दौरा 20 जून दोपहर 1:30 बजे एल-17, लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स, आईआईटी कानपुर से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम 4 बजे जूम के माध्यम से निर्धारित किया गया है। भावी छात्र एक इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से सीधे आईआईटी कानपुर के निदेशक, संबंधित डीन, छात्र प्लेसमेंट कार्यालय के अध्यक्ष के साथ जुड़ सकते हैं और छात्र प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत कर सकते हैं। यह आयोजन उम्मीदवारों के लिए संस्थान की पेशकशों की गहरी समझ हासिल करने और यह निर्धारित करने का एक अमूल्य अवसर होगा कि आईआईटी कानपुर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सही विकल्प है या नहीं।

एम. इलियास अमरोहावी के कहानी संग्रह दास्तान दिल का विमोचन

उर्दू भाषा के प्रचार और विकास की शुरूआत अपने घर से करें : डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। बीती रात मोहल्ला बसावन गंज में कहानीकार एम इलियास अमरोहावी के कहानी संग्रह दास्तान दिल का विमोचन सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता शोधार्थी व लेखक डॉ. मिस्बाह अहमद सिद्दीकी ने की,जबकि डॉ. सरजुद्दीन हाशमी ने प्रान्तीय उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश अंजुमन तरक़्क़ी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारम्भ हाफिज मिस्बाह अहमद सिद्दीकी की तिलावत कलाम पाक और नोशा अमरोहावी की नात-ए-पाक से हुआ।मुख्य अतिथि डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी ने कहानीकार मो. इलियास अमरोहावी ने विमोचन पर मुबारकबाद प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें उर्दू भाषा के प्रचार और प्रसार के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। बच्चों को अपनी संस्कृति को समझने के लिए उर्दू भाषा का बेहतर ज्ञान बहुत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी मातृभाषा होती है।अपनी संस्कृति तथा भाषा के प्रति गंभीर होना हमारा नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है।किसी पर उर्दू भाषा के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाने से बेहतर है कि घर से ही उर्दू भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए बुनियादी कार्य करें। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद रजा ने एम. इलियास अंसारी की कलात्मक क्षमता पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उनकी कहानियों के पात्रों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मुहम्मद आरेफिन अंसारी ने भी अपनी आलेख पेश कर उन्हें बधाई दी। वरिष्ठ पत्रकार, साहित्य कार डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि ऐसे वातवरण में उर्दू के इस प्रेमी द्वारा लंबे समय से अपनी जेब से उर्दू की सेवा की जा रही है कभी वह उर्दू पत्रिका प्रकाशित करते हैं, तो कभी पाक्षिक। मासिक पत्रिका अखबार के रूप में निकाल कर उर्दू भाषियों को मुफ्त में वितरित करते हैं यह स्वम् में एक अजूबा है।इस मौके पर कहानीकार इंतेखाब कुरैशी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए, वहीं मशहूर पत्रकार मुनव्वर अमरोहवी ने अपने काव्य पाठ से उन्हें बधाई दी।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. मुस्बाह अहमद सिद्दीकी ने कहा कि लंबे समय से उर्दू की सेवा कर रहे इलियास अमरोहावी की उर्दू भाषा के प्रति उनकी भावना अनमोल है इस पुस्तक से नए लिखने वाले लोगों को दिशा मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. अबू अरशद आजमी, रईस अहमद मंसूरी, हाफिज मिस्बाह उद्दीन अंसारी, नूर फैजी, अब्दुल सबूर, शकील अब्बासी सूफी शाकिर हुसैन मोमिनिन कुरैशी, हैदर अली मुहम्मद सलमान मुहम्मद फैजान, सलार गाजी, गुलरेज असलम बकाई सहित काफी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सय्यद तनवीर हसन नकवी द्वारा किया गया।अंत में कहानीकार एम- इलियास अमरोहवी ने सभी का आभार जताया।

राशन डीलर की मनमानी:ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन, दुकान निरस्त कराने की उठाई मांग

प्रात: किरण, संवाददाता

- दर्जनों ग्रामीणों ने राशन डीलर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किया प्रदर्शन
- ग्रामीणों ने डीएम से राशन की दुकान निरस्त कराने की उठाई मांग

अमरोहा।कलेक्ट्रेट पहुंचे राजपुर और गलसुआ के ग्रामीणों ने राशन डीलर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही राशन डीलर पर मनमानी करने, राशन बांटने में धांधली करने और विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया। साथ ही जिलाधिकारी के नाम एक शिकायती पत्र सौंपकर डीलर के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग उठाई। इतना ही नहीं दुकान को भी निरस्त कराने की बात कही है।जानकारी देते हुए तहसील हसनपुर के गांव राजपुर और गलसुआ के ग्रामीण नेमपाल सिंह, हर स्वरूप, कुलवीर, विजय सिंह, फिसरत अली, हामिद, फुरकान, खालिद, सलीम, रियासत, इसरार समेत आदि ने बताया कि उनके गांव में एक राशन डीलर है। आरोप है कि उक्त राशन डीलर राशन वितरण के दौरान मनमानी करता है। इतना ही नहीं कभी राशन कम देता है तो कभी यूनिट कटने की बात कहते हुए राशन वितरण में धांधली करता है।साथ ही आरोप लगाया कि उक्त राशन डीलर से जब इस बात का विरोध किया जाता है तो वह मारपीट करने पर उतारू हो जाता है। राशन डीलर की मनमानी से परेशान होकर आज दर्जनों ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने डीएम को शिकायती पत्र सौंपकर डीलर के खिलाफ कार्यवाही कराने की बात कही। साथ ही दुकान निरस्त कराने की मांग उठाई।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर,हादसे में चालक की मौत

प्रात: किरण, संवाददाता

गजरौला।थाना क्षेत्र में बिजनौर - गजरौला मार्ग पर रविवार देर रात एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चालक की मौत हो गई। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस उसे सीएचसी ले गई थी। लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे ने ले लिया है। शव को पीएम को भेजा है।दरअसल, रविवार देर रात यह हाद

संक्षिप्त खबरें

सैकड़ो अतिक्रमण दुकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर कांवड़िया मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने को लेकर सैकड़ों दुकानों पर प्रशासन की टीम ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान एसडीओ धन्नजय कुमार, पंचायती राज्य पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी नीलीमा कुमारी, कार्यपालक पदाधिकारी अभीनव कुमार, अंचला पदाधिकारी अमित राज, मनरेगा पदाधिकारी कमल कुमार के द्वारा क्षेत्र के सब्जी मंडी, मुख्य बाजार, बालु घाट रोड, अजगैविनाथ गंगा घाट, नमामि गंगे घाट इलाके में जबरन अतिक्रमण किये दुकानों को बुलडोजर के माध्यम से तोडफोड कर उक्त मार्ग से हटाया गया है। इस दौरान एसडीओ धन्नजय कुमार ने बताया कि मेला की तैयारी को लेकर गंगा घाट सहित अन्य जगहों में बुलडोजर के माध्यम से अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। इस दौरान थाना के एएसआई अशौक कुमार सिंह, सहित अन्य पुलिस बल सहित भारी मात्रा में जिला पुलिस बल मौजूद थे।

जान पंचायत यात्रा के क्रम में लोजपा (आर) पहुंचा संग्रामपुर

संग्रामपुर (मुंगेर) ।लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की ओर से चलाये जा रहे जन पंचायत यात्रा का कार्यक्रम सोमवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान, राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह, प्रदेश सचिव रविंद्र पासवान, युवा लोजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सर्वेश, प्रदेश महासचिव प्रमोद पासवान, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर चौधरी, संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष जीवन सिंह, तारापुर प्रखंड अध्यक्ष जयराम मंडल आदि उपस्थित थे। जन पंचायत यात्रा के दौरान नेताओं द्वारा प्रखंड के सभी पंचायतों में जा जाकर आम जनता की समस्याओं को सुनकर उसके समाधान के लिए प्रयास किया गया। ग्रामीणों के द्वारा रखी गयी एक प्रमुख समस्या प्रखंड के दुरमट्ठा पंचायत अंतर्गत चंदुकी गांव में रोड को लेकर थी। जिसको लेकर कार्यपालक अभियंता आरडब्ल्यूडी मुंगेर से बातचीत कर चंदुकी गाँव से कोराजी तक के सड़क को बनाये जाने के सबंध में बात की गई।

मुंगेर के विभिन्न थानों में लगा अंचलाधिकारी का जनता दरबार

सदर मुंगेर । सदर अंचल अंतर्गत अंचलाधिकारी प्रीति कुमारी द्वारा मुंगेर के विभिन्न थाना में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में उनके सामने विभिन्न मामले लाए गए। कोतवाली थाना, मुंगेर में अंचलाधिकारी के सामने 2 नए मामले लाए गए, जबकि 3 पुराने मामले भी थे। वहीं, कासिम बाजार थाना में सुनवाई के लिए विभिन्न तरह के 6 नये मामले लाए गए। यहां भी 5 पुराने मामले सुनवाई के लिए पहले से थे। जबकि, मुफस्सिल एवं नया रामनगर थाना में सुनवाई के लिए कोई भी मामला नहीं लाया गया। इस प्रकार केवल 2 स्थानों में नए एवं पुराने मिलाकर कुल 16 मामले सुनवाई के लिए लाए गए। इनमें से किसी भी मामले का निपटारा आज के दरबार में नहीं किया जा सका।

डॉ इकबाल बने के ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वयक समिति के अध्यक्ष

सदर मुंगेर। जनता दल यू के चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एलबी सिंह द्वारा मुंगेर जिले की ग्रामीण चिकित्सक सेवा समन्वय समिति अध्यक्ष बनने पर डॉ इकबाल को नियुक्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित वहीं उन्होंने अपने संबोधन में कहे की डॉ इकबाल के व्यवहार को देखते हुए यह पद उन्हें दिया गया है मुझे भरोसा है कि वह अपने कर्तव्य के प्रति सदा निष्ठा पूर्वक से निर्वाहन करेंगे वही वहीं उन्होंने यह भी कहा कि डॉ इकबाल के माध्यम से अब सरकार को मुंगेर जिले में एक्सपीरियंस चिकित्सक को ट्रेनिंग देने का सहायता होगा। वही डॉ इकबाल ने कहे कि हमें जो जिम्मेदारी मिली है उससे मैं निष्ठा पूर्वक सभी को साथ लेकर चलने का काम करूंगा। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण चिकित्सक सेवा समन्वय समितिके प्रदेश डॉ निवास ,सचिव डॉ विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार, सहित सभी जिले के जिला अध्यक्ष जिला सचिव तथा प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रखंड सचिव मुख्य रूप से उपस्थित थे सभी लोगों ने डॉ इकबाल को अध्यक्ष बनने पर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दिए।

नवजात बच्चे की रहस्यमई तरीके से हुआ गायब

मामले को लेकर पीड़ित परिवार के लोगों ने स्थानीय थाना में बच्चा चोरी का कराया मामला दर्ज

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। पूर्वी बिहार के सबसे बड़ा अस्पताल जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल है। जहां हर दिन किसी न किसी नयी समस्या को लेकर विवादों का दौर चलता रहता है। कभी चिकित्सक की लापरवाही से मरीजों की मौत का हो या फिर मरीजों के इलाज में लापरवाही का। वही एक अजीबोगरीब कारनामा घटित हुई है जिसे सुनकर लोगों के होश उड़ गए हैं। अस्पताल के गायनिक महिला प्रसव विभाग में एक भर्ती प्रसूता का नवजात बच्चा चोरी कर लिया गया है ।मामले को लेकर बताया जा रहा है कि नाथनगर करेला गांव के लखपति तांती की 35 बर्षीय पत्नी काजल को प्रसव पीड़ा होने के बाद जेएलएनएमसीएच के गायनिक विभाग के प्रसूति वार्ड में एडमिट कराया गया। जहां विगत रात करीब दस बजे उसने एक लड़के को जन्म दिया। वही जच्चा बच्चा की देखरेख के लिए काजल देवी की सास अस्पताल में मौजूद थी। वही अहली सुबह जब सास बाथरूम गयी तो इधर उसके बेड पर से बच्चा चोरी हो गया। जब सास ने अचानक बच्चे को लापता हुआ देख परिजन अचंभित व परेशान हो गए। वही मामले को लेकर स्थानीय बरारी थाना में बच्चा चोरी का मामला दर्ज कराया है। वहीं काजल अपने बच्चे को वापस करने की गुहार अस्पताल में मौजूद हर लोगों से लगा रही है। वही मामले को लेकर प्रसूता काजल की सास मंजू देवी ने बताया कि अस्पताल वालों से बोला किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। वही वार्ड में एक महिला थी, जिसपर शंका जतायी जा रही है, रात से वो महिला वहां बैठी थी, फिर सुबह से वह गायब चल रही है। अब सवाल यह है कि इतने बड़े अस्पताल में जगह जगह दर्जनों सुरक्षा कर्मी की तैनाती के बावजूद भी कैसे इस तरह की घटना घटित हुई और इतनी बड़ी घटना घटित हुई और अस्पताल प्रशासन का रवैया क्यों सुस्त है सवाल का जवाब जानने जब अस्पताल अधीक्षक कार्यालय पहुंचे तो, वहाँ मौजूद कर्मियों ने बताया कि साहब पटना गये हुए है। इससे साफ तौर पर साबित हो रहा है कि अस्पताल भगवान भरोसे पर चल रहा है। ज्ञात हो कि विगत कुछ वर्ष पूर्व में भी बच्चा चोरी किये जाने का मामला घटित हुआ था, काफी हंगामा खड़ा होने के बाद उक्त गायब बच्चे को बरामद हुआ था।

कोसी नदी में कराया गया कटाव रोधी कार्य लगातार कोसी की चढ़ रहा भेंट

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले के से कोसी नदी में करोड़ों के लागत से बना पूल के गंगा में जल समाधि लेने के बाद अब करोड़ों के लागत से किये कटावरोधी कार्य अब कोसी नदी की भेंट चढ़ रहा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि नवगछिया पुलिस जिला अनुमण्डल परिक्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर बैसी में इनदिनों कोसी गंगा नदी में लगातार जलस्तर बढ़ने के साथ कटाव हो रहा है।

विगत वर्ष में इलाके के दर्जनों घर कटकर कोसी में विलीन हो गए थे, जिसे लेकर सरकार द्वारा लोगों के घर और जमीन न कटे, इसके लिए तीन करोड़ 40 लाख की लागत से कटाव रोधी कार्य शुरू कराया गया था। इस दौरान अधिकारीयों द्वारा गंगा के भीषण कटाव की रोकथाम के लिए करोडों के लागत में जियो बैग की को कोसी नदी किनारे डाल कर तटबांधा का निर्माण कार्य कराया गया था, लेकिन अब वह कोसी नदी की भेंट चढ़ता जा रहा है।

एक तरफ जहां जियो बैग के बहने के बाद वहाँ फिर री स्टोरेशन का कार्य किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ जियो बैग नदी में समाता जा रहा है, कई जगह जियो के रूप में लगी बोरियां समाने के कगार पर है। वही ग्रमीणों में डर है कि फिर से कटाव न हो नहीं तो बाँकी बचे लोगों का आशियाना भी कोसी की भेंट चढ़ समाधि ले लेगा। जिस तरह कटाव की स्थिति जारी है ऐसे में गंगा के जलस्तर बढ़ोतरी के बाद हालात भयावह रूप में देखने को मिलेगी।

होमगार्ड जवान की ड्यूटी में तबीयत बिगड़ी, इलाज के दौरान हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार गृह रक्षा वाहिनी के 89 बैच के होमगार्ड जवान तिलकपुर सुल्तानगंज के सुशील कुमार मिश्र की इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल के मेडिसिन विभाग में चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्थानीय जिला स्कूल परिसर स्थित बीआरसी कार्यालय परिसर में ड्यूटी पर कार्यरत थे, जहां हिट बेब के चपेट में आकर अचानक तबीयत बिगड़ गई थी, जिसे इलाज के लिए सहयोगी गार्ड द्वारा मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के क्रम में उनका निधन हो गया है। वह पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे चिकित्सक के मुताबिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया था कि उनको लिबर कैंसर है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा था, दिवंगत होमगार्ड जवान को समादेष्टा भागलपुर के द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित होमगार्ड कार्यालय के समक्ष गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित करते हुए अंतिम विदाई दी गई, साथ ही उनके परिवार को मुआवजा राशि व पेंशन निर्धारित करने की भी संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग के साथ इनके बच्चों को विभाग के द्वारा सेवांत लाभ देने की मांग की गई। गृह रक्षक जिला इकाई के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर यादव ने कहा सभी गृह रक्षक इनके परिवार के लिए हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे।

संदिग्ध अवस्था में युवक का मिला शव, इलाके में मची सनसनी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जगदीशपुर थाना परिक्षेत्र के चांदन नदी स्थित दोस्तनी पुल के समीप एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। वही मृतक युवक के शव को देखने के लिए गांव के लोगों की भीड़ जुट गई। वही ग्रामीणों के सूचना पर जगदीशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच मृतक युवक के शव अपने कब्जे में लेकर थाना लेजाया गया। वही पुलिस ने जब मृतक युवक के शव को थाना लाया गया तो उसकी पहचान की गई। वही पुलिस ने मृतक युवक की पहचान जगदीशपुर प्रखंड के गोनू धाम तरडीहा के हीरालाल यादव उर्फ बोगी यादव के 25 वर्षीय पुत्र रॉकी यादव के रूप में हुई है ।घटना को लेकर परिजन के अनुसार रॉकी यादव घर से सुबह 7 बजे निकला था, बाद में पता चला कि रॉकी का मृत्यु हो गया है। वही रॉकी को दो भाई और दो बहन है। घटना के बाद से पूरे घर परिवार में कोलाहल का माहौल बना हुआ है वही इस घटना से आहत परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। वही पुलिस घटना की जांच को लेकर आसपास के इलाके में पूछताछ कर रही हैं। वही पुलिस ने परिजनों के बताए तथ्यों के आधार पर फर्द बयान दर्ज कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के साथ मृतक के शव को नवलखा भेज दिया है।

आशा अपने पोषक क्षेत्र के सभी गर्भवती महिलाओं का लाइन लिस्ट तैयार करेंगी : सिविल सर्जन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर : राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम अंर्तगत सदर प्रखंड मुंगेर के सभी शहरी आशा का मासिक समीक्षात्मक बैठक सिविल सर्जन के अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई क बैठक में शहरी क्षेत्रों में चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। जिसमे खासकर गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन कार्यक्रम के ऊपर चर्चा की गई क समीक्षा के क्रम में पाया गया की शहरी क्षेत्रों में गर्भवती महिला का प्रसव पूर्व जांच की संख्या लक्ष्य के अनुरूप बहुत ही कम है कइस पर सभी आशा को स्पष्ट निर्देश दिया गया की सभी आशा अपने अपने पोषक क्षेत्र के अन्तर्गत आनेवाली सभी गर्भवती महिलाओं का लाइन लिस्ट तैयार करेंगी एवं उस लाइन लिस्टिंग के अनुसार अपने अपने सर्व पंजी में उसको अपडेट करने उपरांत समय समय पर प्रसव पूर्व जांच करवाना सुनिश्चित करेंगी कसभी आशा को जिले में चल रहे सघन दस्त नियंत्रण पखवारा कार्यक्रम के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया जिसमे यह निर्देश दिया गया की सभी आशा अपने अपने क्षेत्र में 5 वर्ष तक के बच्चों को आर ओ एस एवं जिंक की टैबलेट घर घर जाकर वितरण करेंगी क साथ ही साथ 27 जून से 31 जुलाई तक चलाए जाने वाले परिवार नियोजन कार्यक्रम अंर्तगत जनसंख्या नियन्त्रण पखवारा के बारे में भी बताया गया जिसमे सभी शहरी आशा को 5 महिला बंध्याकरण एवं 1 पुरूष नसबंदी प्रति आशा को लक्ष्य निर्धारण किया गया एवं योग्य दंपति पंजी को अपडेट करते हुए ज्यादा से ज्यादा परिवार नियोजन ऑपरेशन करवाने को कहा गया क बैठक में निखिल राज जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, संदीप कुमार यादव जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार, योगेश कुमार परिवार नियोजन काउंसलर एवं पीएसआई इंडिया से कुशल किशोर उपस्थित हुए।

टाउन हॉल में किया जाएगा परिचर्चा कार्यक्रम आयोजन

मुंगेर , प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर ।आगामी 25 जून 2023 को मुंगेर प्रमंडल स्तरीय माली (मालाकार) कल्याण समिति की ओर से टाउन हॉल में महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फुले प्रथम शिक्षिका के द्वारा किए गए कार्यो को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जायेगा। इस की जानकारी माली (मालाकार) कल्याण समिति की ओर से रविवार के दिन मुंगेर के कंपनी गार्डन में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष बबलू मालाकार ने प्रेस दिया है।

उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर के वे गुरु थे, शिक्षा का दीप जलाने वाले महान योद्धा ज्योतिबाई फूले को देश भूलते जा रहे हैं। इसलिए 5 नवंबर को गांधी मैदान पटना में रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली फूले ,कपूर्री, अंबेडकर विचार रैली के नाम से आयोजित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री महाकाल ने कहा है कि रैली के माध्यम से महात्मा ज्योतिबाई फुले और सावित्रीबाई फुले को भारत रतन की उपाधि दिए जाने, 3 जनवरी को माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई जाएगी, इस दिन पूरे देश में यह जयंती मनाए जाने के साथ ही इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर इस दिन को अवकाश घोषित किए जाने की मांग सरकार से की जाएगी। देश के सरकारी विभाग और गैर सरकारी विभाग में दोनों दंपत्ति की तस्वीर लगाई जाए। उन्होंने कहा कि माली जात को माली पद पर प्राथमिकता के साथ बहाल किया जाए और फूल के रोजगार को उद्योग का दर्जा दिया जाए, क्योंकि 1700 वर्ष पूर्व लहसुन मालाकार के द्वारा विषहरी पूजा की शुरूआत की गई थी, जो विदेशों में भी चर्चित है, जिसमें बिहार में मंजूषा कला की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि इन सभी मांगों को लेकर मुंगेर टाउन हॉल में आगामी 25 जून को परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर निधि भारती,ब्रजकिशोर प्रसाद के अलावा राजेश कुमार मालाकार, कुलानंद मालाकार, अजीत कुमार, कुंज आनंद प्रसाद, डॉ अमरदीप कुमार, कृपानंद नंद प्रसाद, उत्तम कुमार, , डॉ वीरेंद्र, नंदकिशोर मालाकार सहित दर्जनों माली (मालाकार) कल्याण समिति के सदस्य मौजूद थे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर मुंगेर। सोमवार को पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत सम्राट चौधरी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता प्रतिपक्ष बिहार विधान परिषद पटना को हेलीकॉप्टर द्वारा शकुनी चौधरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन ग्राउंड पार्वती नगर तारापुर लैंड करने से पहले ही पार्टी कार्यकताओं की भारी भीड़ जमा हो गई ।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से तारापुर पुलिस भी हेलीपैड स्थल पर मौजूद रहे । गौरतलब है कि हेलीकॉप्टर से बाहर निकलते ही पार्टी के सैकड़ों कार्यकताओं ने फूल माला से प्रदेश अध्यक्ष भाजपा श्री चौधरी को लाद दिया। बिहार का नेता कैसा हो सम्राट चौधरी जैसा हो का नारा भी लोगों ने खूब लगाया । उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी ने अपनी मां पूर्व विधायक स्वर्गीय पार्वती देवी की मूर्ति पर सर्वप्रथम माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया।

बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी तारापुर के धौनी गांव में पार्टी के कार्यकताओं से मिलकर आगामी 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार के सभी 40 सीटों पर देश के जानदार शानदार ईमानदार कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में लोकसभा का सभी सीट जीतने को लेकर अपने कार्यकताओं को कई आवश्यक मंत्र देकर अभी से ही चुनाव की तैयारी में लग जाने का निर्देश बाटेंगे । पार्वती नगर हेलीपैड स्थल पर स्वागत करने वालों में जमुई जिला भाजपा के प्रभारी रविंद्र सिंह उर्फ कल्लू इंजीनियर रोहित चौधरी प्रखंड भाजपा अध्यक्ष शंभू शरण चौधरी धर्मेंद्र चौधरी कुणाल चौधरी समीर मधुकर सहित पार्टी के सैकड़ों से अधिक कार्यकर्ता नेता मौजूद थे ।

महिला को भगाने के आरोप में चली गोली, एक की मौत, एक गंभीर

पूर्णिया/ बड़हरा कोठी । प्रखंड के भतसारा पंचायत के वार्ड संख्या 2 देवरी गांव में महिला को भगाने के आरोप में हुए बाद विवाद में चली गोली गोली चलने से एक महिला ललिता देवी पति बिजो यादव की मौके पर मृत्यु हो गई। वही महिला का 22 वर्षीय पुत्र विकास कुमार गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। घटना रात लगभग साढ़े 11 बजे की है। पेट मे गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी युवक विकास कुमार को परिजनों व स्थानीय लोगों द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज पूर्णिया लाया गया जहां से घायल की गंभीर स्थित को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया गया जहां घायल युवक का इलाज चल रहा है।

स्थानीय लोगो द्वारा घटना की सूचना मिलते ही बड़हरा थाना से पहुंचे पुलिस बल द्वारा लाश को कब्जे में लेकर घटना का पड़ताल शुरू कर दिया गया है। पुलिस को घटना स्थल से महिला के छाती को छेद कर बाहर निकला एक गोली भी मिला है। इस संबंध में पूछे जाने पर बड़हरा थानाध्यक्ष विकास कुमार आजाद ने बताया कि महिला के लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना की पड़ताल कर रही है। मामले में अभी तक आवेदन नही मिला है। मायागंज अस्पताल में घायल युवक से फर्द बयान लेने के बाद प्राथिमिकी दर्ज किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार भतसारा पंचायत के वार्ड संख्या दो देवरी गांव निवासी बिजो यादव के पुत्र जाशो कुमार को उसके पड़ोस की रहने वाली एक महिला से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। तीन बच्चे की मां महिला अपने मायके में ही रह रही थी जो कुछ दिन पहले ही ससुराल गई थी। गुरुवार को महिला अपने ससुराल से ही फरार हो गई थी।

जिले के नवनियुक्त सीएचओ को परिवार नियोजन को लेकर किया गया प्रशिक्षित

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

पूर्णिया । प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और मातृ शिशु, शिशु मृत्यु एवं रूग्णता को कम करने के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बहुत जरूरी होता है। उक्त बातें स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक सह अपर निदेशक डॉ विजय कुमार ने सोमवार को शहर के एक निजी होटल में परिवार नियोजन को लेकर जिले के नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में केयर इंडिया के डीपीएचओ सनत गुहा एवं सोमेन अधिकारी, जपाइगो के क्षेत्रीय कार्यक्रम समन्वयक डॉ गंगेश गुंजन ने परिवार नियोजन से संबंधित जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ विजय कुमार, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक कैसर इकबाल, क्षेत्रीय आशा समन्वयक प्रियंका कुमारी, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी, लेखा पाल सौरभ कुमार हमदम, आरपीएमयू के कर्मी श्याम कुमार एवं शाहनवाज आलम सहित कई अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ विजय कुमार ने कहा कि परिवार नियोजन का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि अगर आप बच्चे के लिए थोड़ा सा इंतजार करना चाहते हैं तो विभागीय स्तर पर परिवार नियोजन को लेकर उपलब्ध साधनों में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। वहीँ केयर इंडिया और जपाइगो के अधिकारियों के द्वारा नवनियुक्त सीएचओ को परिवार नियोजन से संबंधित अस्थायी एवं स्थायी विधि की विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें कॉपर टी, अंतरा, छाया, कॉन्डम, माला एन सहित कई अन्य साधनों को बारीकियों के साथ चर्चा की गई। क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक कैसर इकबाल ने कहा कि परिवार नियोजन में गर्भधारण के खतरों की रोकथाम को लेकर विभागीय स्तर पर कई तरह का जागरूकता कार्यक्रम किया जाता है।

उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों की प्रसव के दौरान मृत्यु की संभावना रहती है। क्योंकि उनका शरीर पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। उनके पैदा हुए बच्चों के भी पहले वर्ष में ही मृत्यु हो जाने की आशंका अधिक रहती है। गर्भधारण से अधिक आयु की महिलाओं को ज्यादा खतरा रहता है। क्योंकि उन्हें प्रायः अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न होती है या उन्होंने पहले ही कई बच्चों को जन्म दिया हुआ होता है। चार या उससे अधिक बच्चे पैदा करने वाली महिला को प्रसव के पश्चात खून बहने व अन्य कारणों से मृत्यु का अधिक जोखिम होता है। पूर्णिया के नवनियुक सीएचओ को प्रशिक्षित करने के बाद अररिया, कटिहार एवं किशनगंज के सीएचओ को प्रशिक्षित किया जाएगा।

चार पहिया लूटकांड का किया गया सफल उदभेदन

पूर्णिया । चार पहिया वाहन लूट कांड का पूर्णिया पुलिस ने सफल उद्भेदन किया। पूर्णिया सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि लूटी गई टाटा टियागो कार एवं एक मोबाईल फोन के साथ घटना में संलिप्त दो कुख्यात अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त टाटा टैगोर कार को भी बरामद कर लिया गया है। गौरतलब है कि तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा गोकुलपुर नहर सरसी, केनगर बॉर्डर के पास एक उजले रंग के टाटा टैगोर गाड़ी से एक ग्रे रंग का टाटा टियागो गाड़ी लूट लेने की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके सदस्य थानाध्यक्ष केनगर मुकेश कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष मधुबनी टीओपी मनीष चंद्र यादव एवं अन्य पुलिसकर्मी को शामिल किया गया था।

लोकसभा चुनाव में जुमले वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है : युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। युवा राजद मुंगेर की संगठनात्मक मजबूती की समीक्षा के लिए बिहार प्रदेश युवा जनता दल के अध्यक्ष राजेश यादव रविवार को मुंगेर पहुंचे। मुंगेर में युवा राजद के जिलाध्यक्ष मोहम्मद आसिफ वसीम की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इसका संचालन राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव ने 2024 का लोकसभा को मद्देनजर रखते हुए, सभी युवा राजद के साथियों से अपील किया कि 2024 लोकसभा चुनाव जुमले बाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि सरकार को उखाड़ फेंकना है तो युवा राजद के साथियों को अभी से ही पूरे जोश खरोश के साथ लगना होगा। उन्होंने कहा कि गांव गांव टोला टोला जाकर आम आवाम को राजद सुप्रीमो श्री लालू प्रसाद के द्वारा गरीब गुरवाओं के हित में किए गए कार्यों को बताना होगा तथा यह भी बताना होगा कि मोदी सरकार धर्म के नाम पर समाज को बांटना चाहती है तथा भीमराव अंबेडकर के संविधान के बदले मनुस्मृति लाना चाहती है। अगर हमारा संविधान ही नहीं बचेगा तो संविधान में वर्णित हमारे अधिकारों की रक्षा कौन करेगा। इस अवसर पर मुंगेर के पूर्व सांसद का विधायक श्री विजय कुमार विजय ने कहा कि आज देश में तानाशाही सरकार की हुकूमत है जो नई शिक्षा नीति लागू कर ओबीसी, एससी एस टी एवं अल्पसंख्यक के अधिकार को छीनना चाहती है। भाजपा नहीं चाहती है कि बिहार में जातीय जनगणना हो अतः अप्रत्यक्ष रूप से संविधान का सहारा लेकर बिहार में जातीय जनगणना को रोकने का कार्य किया है। जिससे कि समाज के शोषित एवं वंचित लोग अपने अधिकारों से वंचित हो जाएं। देश में महंगाई चरम पर है कभी नोटबंदी तो कभी जीएसटी के माध्यम से मध्यम एवं निम्न वर्ग के व्यवसायियों को परेशान किया जा रहा है। कमरतोड़ महंगाई से गरीबों के हाथ में खाली तो है लेकिन थाली से रोटी गायब है। बैठक को राजद के प्रदेश महासचिव पंकज यादव, प्रदेश सचिव जितेंद्र कुशवाहा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष जनाब हसीब उर रहमान, राजद पंचायती प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नवल किशोर राय, राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजेश रमन उर्फ राजू, सदर प्रखंड राजद अध्यक्ष अशोक चौधरी ने भी संबोधित किया।

मैं सस्ता मजदूर हूं: मनोज बाजपेयी

ओटीटी की दुनिया में द फैमिली मैन जैसे शो से छाने वाले मनोज बाजपेयी ने हाल ही शॉकिंग खुलासा किया है। एक्टर ने कहा कि उन्हें इस शो के लिए बहुत कम पैसे मिले। मनोज ने खुद को सस्ता मजदूर बताया और कहा कि ओटीटी सिर्फ बड़े स्टार्स या हॉलीवुड के लोगों को भर-भरके पैसे देते हैं।

एक्टर मनोज बाजपेयी इस वक्त फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को लेकर चर्चा में हैं, जो कुछ समय पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। ओटीटी की दुनिया में मनोज बाजपेयी द फैमिली मैन और द फैमिली मैन 2 में भी नजर आए। बहुत से लोगों को लगता है कि ओटीटी का स्टार बनने के बाद एक्टर की डिमांड बढ़ गई है तो फीस भी बढ़ गई होगी। उन्हें भी उतने ही पैसे मिलने लगे होंगे, जितने किसी अन्य बड़े स्टार को ओटीटी पर काम करने के लिए मिलते हैं। पर ऐसा नहीं है। मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्हें अभी भी ओटीटी पर काम करने की उतनी फीस नहीं मिलती है, जितनी मिलनी चाहिए। हाल ही एक इंटरव्यू में इसे लेकर उनका दर्द छलका। उन्होंने बताया कि उन्हें उतना पैसा नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। बातचीत में मनोज बाजपेयी से उनके बैंक बैलेंस और फीस के बारे में पूछा गया था। जवाब में एक्टर ने कहा कि वह गली गुलियां और भोसले जैसे शोज करके मोटा पैसा नहीं कमा सकते।

-मुझे शाहरुख-सलमान जितने पैसे नहीं मिले

लेकिन जब मनोज से कहा गया कि वह तो द फैमिली मैन जैसे एक बड़े शो का हिस्सा हैं, तो जाहिर है मोटी फीस मिली होगी। लेकिन एक्टर ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि ओटीटी वाले सिर्फ बड़े स्टार्स को पैसा देते हैं। वो रेगुलर प्रोड्यूसर्स से कम नहीं हैं। एक्टर बोले, द फैमिली मैन के लिए मुझे जितना पैसा मिलना चाहिए था, नहीं मिला। एक्टर ने फिर ओटीटी पर काम करने वाले हॉलीवुड स्टार्स को मिलने वाली फीस पर एक शॉकिंग बात कही। वह बोले, गोरा आएगा, शो करेगा तो दे देंगे। चीन में बड़े-बड़े ब्रांड्स की फैक्ट्री हैं क्योंकि वहां मजदूरी सस्ती है। उसी तरह हम इनके लिए सस्ते मजदूर हैं। जेक रेयान को भर-भरके पैसे मिलते।

-पत्नी ने कहा था मत करो द फैमिली मैन

द फैमिली मैन का पहला सीजन 2013 में स्ट्रीम किया गया था। यह एक स्पाई थ्रिलर सीरीज है, जिसमें मनोज बाजपेयी लीड रोल में नजर आए। शो के दोनों सीजन सुपरहिट रहे थे, और अब फैन्स को तीसरे सीजन यानी द फैमिली मैन 3 का इंतजार है। मनोज बाजपेयी ने बताया था कि कैसे पत्नी ने उन्हें यह शो करने से मना किया था, और कहा था कि वह अपने अच्छे-खासे करियर को बर्बाद कर रहे हैं। एक्टर के मुताबिक, उन्होंने द फैमिली मैन की तैयारी की वजह से नए काम और शोज को ठुकरा दिया था।

शाहिद, कृति की एन इम्पॉसिबल लव स्टोरी 7 दिसंबर को होगी रिलीज

एक्टर शाहिद कपूर और कृति सेनन अभिनीत फिल्म एन इम्पॉसिबल लव स्टोरी इस साल 7 दिसंबर को रिलीज होगी। दिनेश विजान ने सोमवार सुबह मैडॉक फिल्म्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर खबर साझा की। निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर भी साझा किया। उस पर रिलिजिंग डेट 7 दिसंबर लिखी गई। फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह ने किया है। इसमें कई अन्य नामों के साथ डिंपल कपाड़िया और धर्मेंद्र भी हैं। यह पहली बार होगा जब कृति और शाहिद एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े अन्य डिटेल्स अभी सीक्रेट्स रखे गए हैं।

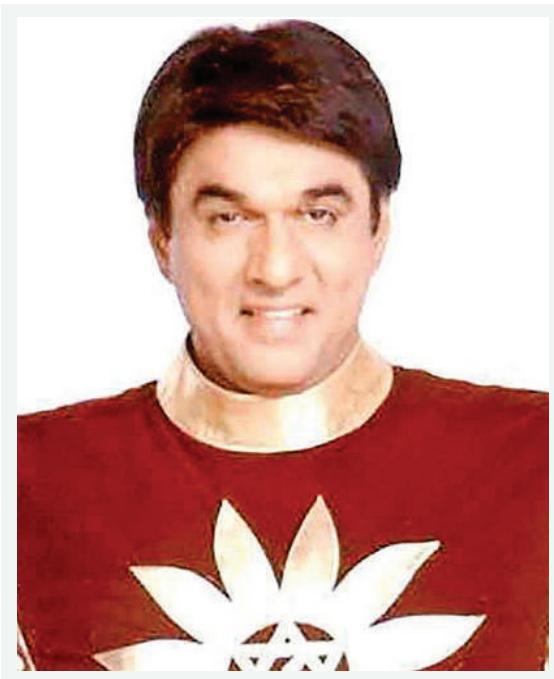

आदिपुरुष के मेकर्स पर भड़के मुकेश खन्ना

ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष रिलीज के बाद से ही विवादों में घिरी हुई है। इस फिल्म के डायलॉग, ग्राफिक्स और कैरेक्टर्स को लेकर निर्माता, निर्देशक और लेखक लोगों के निशाने पर हैं। वहीं अब आदिपुरुष को लेकर मुकेश खन्ना ने भी अपना गुस्सा जाहिर किया है। मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर आदिपुरुष का एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने कहा, आदिपुरुष से बड़ा रामायण का अपमान नहीं हो सकता। ओम राउत को रामायण का कोई ज्ञान नहीं था। इसके अलावा हमारे पास बुद्धिजीवी राइटर मनोज मुंतशिर शुक्ला है, जिन्होंने हमारी रामायण को कलयुग में बदल दिया है। मुकेश खन्ना ने कहा, उनके बकवास डायलॉग और नींद लाने वाले स्क्रीनप्ले ने ऐसी फिल्म बना दी है कि नींद की गोलियां भी शरमा जाए। इस फिल्म का किसी भी रामायण से कभी भी कोई लेना-देना नहीं है। आदिपुरुष के निर्माताओं को इतिहास ऐसे खराब डायलॉग लिखने के लिए कभी भी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा, हनुमान जी के किरदार को बेतुके स्वरूप में दिखाया गया। इन सबके लिए इतिहास मेकर्स को कभी माफ नहीं करेगा। रावण को डरावना दिखाना है तो दिखाइए लेकिन रावण ऐसा लगता है जैसे चंद्रकांता का विष पुरुष बनकर आ गया है। प्रभास तो अच्छे एक्टर हैं। बाहुबली कर चुके हैं। यह फिल्म अलग थी। श्रीराम को पाने के लिए राम के व्यवहार को अपने अंदर लाना पड़ता है तब कोई उस किरदार से जुड़ पाता है। केवल बॉडी बनाना काफी नहीं है। अगर आपको प्रेरणा चाहिए तो रामायण में अरुण गोविल को देख लेते। बता दें कि ओम राउत के निर्देशन में बनी आदिपुरुष में प्रभास ने राम से प्रेरित राघव की भूमिका निभाई है। वहीं कृति सेनन ने जानकी की भूमिका निभाई है। सैफ अली खान लंकेश की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वहीं फिल्म के डायलॉग को लेकर मचे बवाल पर मेकर्स ने इन्हें बदलने का फैसला किया है।

ब्रालेस होकर निकली नोरा फतेही

बॉलीवुड की डांसिग क्वीन नोरा फतेही लाखों दिलों की धड़कन हैं। वह अपने डांस मूव्स के अलावा अपने हॉट अवतार के लिए भी खूब पसंद की जाती हैं। हाल ही में नोरा को पैपराजी द्वारा स्पॉट किया गया। इस दौरान उन्होंने जिस तरह का आउटफिट पहना हुआ था उसे लेकर अब वह खूब ट्रोल की जा रही हैं। दरअसल, हाल ही में नोरा को ब्लैक सिक्विन गाउन में देखा गया। इस गाउन में नोरा बद से ज्यादा हॉट लग रही थीं। ध्यान खींचने वाली बात ये रही कि इस आउटफिट के नीचे नोरा ने ब्रा नहीं पहनी हुई थी। गाउन भी ट्रांसपेरेंट था जो यूजर्स को रास नहीं आया है और वह उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- क्या फायदा इतने पैसे होने का, जब एक ब्रा तक नहीं खरीद पाई। एक ने लिखा- इसमें अंदर कुछ नहीं पहना क्या। एक अन्य यूजर ने लिखा- उसे लग रहा है कि वह बहुत खूबसूरत लग रही है लेकिन वह बहुत खराब लग रही है।

हम दिल दे चुके सनम के साथ 24 साल बाद भी जीवित है संजय लीला भांसाली की संगीतीय प्रतिभा

संजय लीला भंसाली की मैग्नम ओपस हम दिल दे चुके सनम अपनी 24वीं सालगिरह मना रही है। यह एक अनोखी फिल्म है जिसने 1999 में रिलीज़ होकर पूरी दुनिया के दिलों को छू लिया था। इसमें दिलकश सीन्स, रोमांचकारी कहानी और यादगार प्रदर्शन सभी को दीवाना बनाने वाला था। इन सबके बावजूद फिल्म का सबसे खास हिस्सा उसका संगीत है, जो आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। हम दिल दे चुके सनम संजय भंसाली की महानता का साक्षी है, जो अपने अभिनेताओं से शानदार प्रदर्शन निकालने की क्षमता रखते हैं। सलमान खान, ऐश्वर्या राय बच्चन और अजय देवगन जैसे अभिनेताओं के साथ इस फिल्म ने प्यार, त्याग और प्यार जैसे मुद्दों को छूने का प्रयास किया था। फिल्म की सफलता में उसका म्यूजिक एल्बम महत्वपूर्ण था, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक टाइमलेस क्लासिक में आज भी प्रसिद्ध है। इस्माइल दरबार ने इसे संगीतिशों में मेलोडी, काव्य और दिल को छूने वाले भावों का बेहतरीन मिश्रण दिया है। हर एक गाना फिल्म की मूल उद्देश्यों को ध्यान में रखता है, कहानी को और चमकाता है और किरदारों की अलग-अलग भावनाओं को खूबसूरती के साथ पकड़ता है। इस अनोखे एल्बम में आंखों की गुस्ताखियां जैसा गीत है, जो एक प्यार करने वाला अपने साथी को अपनी भावनाओं का अहसास दिलाता है, कहता है कि आँखें ही हैं जो उन्हें प्रेम में व्यथित करती हैं, जो उन्हें प्यार में गिराती हैं। ये गाने भावुकता से भरे हुए हैं। इसके अलावा, ढोली तारो ढोल बाजे एक जोश से भरा गीत है, जो नवरात्रि में पसंद किया जाता है और तड़प तड़प के एक जुदा हुए प्यार का यादगार गीत है, जो अभी भी टूटे दिलों के लिए क्लासिक माना जाता है। इसके साथ ही कैपूचे गीत है, जो मकर संक्रांति में बजाया जाता है। इस एल्बम में अलग-अलग संगीतिक शैलियों का बढ़िया संगम है, जो बिना किसी समस्या के फिल्म के दाल-बाटी में मिल जाती हैं। ये गाने सिर्फ कहानी की बताने के लिए ही नहीं हैं, बल्कि सुनने वालों के साथ गहरा भावनात्मक संबंध बनाते हैं। भंसाली की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह अपने कलाकारों से उनकी शानदार प्रदर्शन निकालने में माहिर हैं। वह उन्हें उनकी सीमाओं तक पहुंचाते हैं, उनकी भावनाओं को पकड़ते हैं और इन्हें सच्चाई के साथ स्क्रीन पर प्रस्तुत करते हैं। हम दिल दे चुके सनम इस कौशल का एक सबूत है क्योंकि यह उन्होंने कलाकारों की बेहतरीन विशेषता दिखाई और उनके सबसे अच्छे प्रदर्शन को पेश किया। यही चीज उनकी दूसरी फिल्मों में भी देखा जा सकता है और भानसाली की इस काबिलियत के कारण, उनके कलाकार शानदार प्रदर्शन दे पाते हैं, और उन्हें कभी पछताने का मौका नहीं देते हैं। हम दिल दे चुके सनम का संगीत खास उल्लेख योग्य है। हर गाना तुरंत हिट बन गए और आज भी संगीत प्रेमियों द्वारा आदर्शित किया जाता है। चाहे वह खिलखिलाते हुए निम्बुडा निम्बुडा हो, आत्मा को छू लेने वाला तड़प तड़प हो, जोश से भरा ढोली तारो ढोल बाजे हो या टाइटल ट्रैक हम दिल दे चुके सनम हो, हर एक संगीत रचना दर्शकों के मन में संयोजन बनाती है। संजय लीला भांसाली की हम दिल दे चुके सनम एक सिनेमाटिक मास्टरपीस है जो दर्शकों को लगातार मोहित करता है, और इसके एक्स्ट्राआर्डिनरी म्यूजिक एल्बम के कारण यह बड़े हिस्से में है। फिल्म की एपिक स्टोरी टेलिंग, आउटस्टैंडिंग परफॉरमेंस, और संवेदनशीलता से निर्मित गीतों ने इसे बॉलीवुड क्लासिक्स के पंथनिर्माण में सुनिश्चित कर दिया है। जैसे की हम इसकी 24वीं वर्षगांठ मन रहे हैं, हमें हम दिल दे चुके सनम के कभी न खत्म होने वाले जादू को स्वीकार करने और इसके संगीत की शानदारता में आनंद लेने का समय है, जो हमारे दिल में हमेशा छिपा रहेगा।

जैकलीन ने बदली अपने नाम की स्पेलिंग, हुई ट्रोल

बॉलीवुड सेलेब्स अक्सर अपने नाम और नाम की स्पेलिंग में बदलाव करते रहते हैं। आयुष्मान खुराना से लेकर अजय देवगन तक अपने नाम की स्पेलिंग में बदलाव कर चुके हैं। अब जैकलीन फर्नांडिस ने भी इंस्टाग्राम पर अपने नाम की स्पेलिंग बदल ली है। जैकलीन ने अपने नाम की स्पेलिंग में अंग्रेजी का एक अतिरिक्त ई जोड़ा है। नाम की स्पेलिंग बदलने के बाद जैकलीन ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ गई है। एक यूजर ने लिखा, जैकलीन ने न्यूमरोलॉजी के मुताबिक अपने नाम में बदलाव किया है। लगता है बुरे वक्त ने उन्हें अंधविश्वासी बना दिया है। एक अन्य ने लिखा, मुझे तो उनके नाम की पुरानी स्पेलिंग भी कभी लेनी नहीं आई। अब इसमें और शब्द जुड़ गए। बता दें कि जैकलीन फर्नांडिस बीते काफी समय से ठग सुकेश चंद्रशेखर संग नाम जुड़ने से मुश्किलों में फंसी हुई है। ठगी मामले मे ईडी ने सुकेश के साथ जैकलीन को भी आरोपी बनाया है। वहीं सुकेश अक्सर जेल से जैकलीन को लव लेटर लिखता रहता है। जैकलीन फर्नांडिस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में सलमान खान के साथ दबंग टू रिलोडेड में नजर आई थीं। वह जल्द ही फिल्म फतेह में सोनू सूद के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा उनके पास विद्यूत जामवाल के साथ फिल्म क्रैक भी है।

सेंसेक्स
63168.30 पर बंद
निफ्टी
18755.50 पर बंद

सोना
59,178
चांदी
72,515

भारतीय स्टार्टअप में लिया गया छंटनी का फैसला, 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टार्टअप्स में छंटनी की लहर लगातार बढ़ रही है, अब हेल्थटेक स्टार्टअप मोजोकेयर भी इससे प्रभावित हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लाभ बढ़ाने की रणनीति के तहत कंपनी ने अपने 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। खबरों के अनुसार, मोजोकेयर में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी से 200 से अधिक कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है, हालांकि स्टार्टअप से जुड़े एक व्यक्ति ने दावा किया है कि यह संख्या 150-170 कर्मचारियों के करीब है।

मोजोकेयर के प्रवक्ता ने कहा, हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हमारे व्यापार के बुनियादी सिद्धांतों ने पिछले कुछ महीनों में काम नहीं किया है। ऐसे में अधिक पूंजी कुशल बनने के लिए हमने लागत को तर्कसंगत बनाने का फैसला किया है। मोजोकेयर अश्विन स्वामीनाथन और रजत गुप्ता की ओर से 2020 में स्थापित एक डिजिटल वेलनेस प्लेटफॉर्म है।

700 रुपये तक जा सकते हैं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर, आ सकता है 25 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में अच्छी तेजी आ सकती है। सरकारी बैंक के शेयर 700 रुपये तक पहुंच सकते हैं। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों को लेकर पॉजिटिव है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि बैंक अपनी लीडरशिप पोजिशन को मेंटेन करते हुए लगातार अपनी बैलेंस शीट को मजबूत कर रहा है।

घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने 17 जून की अपनी रिपोर्ट में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों पर बाय रेटिंग बनाए रखी है और 700 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर सोमवार को करीब 1 पर्सेंट की गिरावट के साथ 567.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 629.65 रुपये है। वहीं, बैंक के

शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 430.80 रुपये है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में इस साल अब तक 7.29 पर्सेंट की गिरावट आई है। साल की शुरुआत में 2 जनवरी को एसबीआई के शेयर बीएसई में 612.25 रुपये पर थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 19 जून 2023 को 567.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, पिछले एक साल में सरकारी बैंक के शेयरों में करीब 31 पर्सेंट का उछाल आया है। बैंक के शेयर 20 जून 2022 को बीएसई में 434.25 रुपये पर थे, जो कि बढ़कर 567.25 रुपये पर पहुंच गए हैं।

लैटिन अमेरिका, अफ्रीका से मिला करोड़ों रुपये का काम, शेयर खरीदने मची होड़, लगा 20 प्रतिशत का अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी स्किपर के शेयरों में आज 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। अपर सर्किट लगने के बाद कंपनी के एक शेयर का भाव 172.70 रुपये के लेवर पर पहुंच गया है। बता दें, स्किपर के शेयरों में आई इस तेजी की बड़ी वजह कंपनी को मिला वर्क ऑर्डर है।

1135 करोड़ रुपये का काम : शेयर बाजारों को स्किपर की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार घरेलु और विदेशी मार्केट से 1135 करोड़ रुपये के फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। कंपनी पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन के लिए नए ट्रांसमिशन लाइन बनाएगी। वहीं, लैटिन अमेरिका, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रिका रिजन से भी ये ऑर्डर मिले हैं।

बायजू के गढ़ में फिजिक्स वाला की सेंध, केरल की कंपनी के साथ पार्टनरशिप, 500 करोड़ रुपये निवेश की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रॉफिट में चल रही देश की एकमात्र एड-टेक कंपनी फिजिक्स वाला अब बायजू के गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी में है। दक्षिण के मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए फिजिक्स वाला ने केरल के कंपनी जाइलम लर्निंग के साथ स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की है। इसके तहत कंपनी अगले तीन साल में जाइलम लर्निंग में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जाइलम लर्निंग की स्थापना 26 साल के एमबीबीएस ग्रेजुएट डॉक्टर अनंतू एस ने की थी। यह कंपनी छात्रों को नीट और जी की तैयारी कराती है। कंपनी का दावा है कि उसने यूट्यूब के जरिए 30 लाख से अधिक छात्रों को फ्री क्लासेज दी हैं। साथ ही कंपनी के एक लाख पेड स्टूडेंट्स भी हैं। केरल में कंपनी के पांच हाइब्रिड सेंटर हैं जिनमें करीब 30,000 बच्चे कोचिंग लेते हैं। फिजिक्स वाला के को-फाउंडर और सीईओ अलख पांडेय ने कहा कि अगले तीन साल में हम जाइलम में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे दूसरे राज्यों में भी जाइलम के यूनीक मॉडल को अपनाएंगे। इसके लिए मजबूत टीम, कंटेंट डेवलपमेंट, टेक्निकल इनोवेशन, दूसरी कैटगरीज में विस्तार और हाइब्रिड सेंटर्स की जरूरत है। साथ ही हम साउथ में मर्जर एंड एक्विजिशन की गुंजाइश भी देखेंगे। कंपनी तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और साउथ के दूसरे मार्केट्स में अपना विस्तार कर रही है। अनंतू एस ने कहा कि उनका टारगेट इस फाइनेंशियल ईयर में 300 करोड रुपये का रेवेन्यू हासिल करना है। देश की सबसे बड़ी एडटेक कंपनी बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन केरल के ही हैं। साउथ इंडिया उनके लिए सबसे बड़ा मार्केट है। यानी एक तरह से फिजिक्स वाला सीधे उनके गढ़ में सेंध लगाने जा रही है। फिजिक्स वाला की स्थापना अलख पांडेय ने 2016 में यूट्यूब चैनल के रूप में की थी। बाद में 2020 में इसे कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में कंपनी ने 2,500 करोड़ रुपये रेवेन्यू का टारगेट रखा है। यह देश की एकमात्र एड-टेक कंपनी है जो मुनाफे में चल रही है।

बढ़ते हवाई किराए पर चिदंबरम का तंज, कहा- एकाधिकार पूंजीवाद पर दुनिया के लिए भारत विश्वगुरु होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बढ़ते हवाई किराए को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुक्त बाजारों में जब मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ेगी, लेकिन भारत के मुक्त बाजार में जब मांग बढ़ेगी तो कीमतें बढ़ेंगी। बढ़ते हवाई किराए पर ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस सरकार पर लगातार हमलावर रही है। चिदंबरम ने एक ट्वीट में कहा, विस्तारा और एयर इंडिया के दिल्ली-चेन्नई बिजनेस क्लास के लिए हवाई टिकट क्रमशः 6,300 रुपये और 5,700 रुपये के उचित मूल्य पर निर्धारित किए गए हैं। उफ्फ, क्षमा करें, वे क्रमशः 63,000 रुपये और 57,000 रुपये के बहुत उचित मूल्य पर निर्धारित हैं। उन्होंने कहा, मुक्त बाजारों में जब मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ेगी। लेकिन भारत के मुक्त बाजार में जब मांग बढ़ेगी तो कीमतें बढ़ेंगी। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि एयरलाइंस अपने मार्गों का विस्तार करेंगी, पुराने मार्गों पर उड़ानें कम करेंगी और कीमतें बढ़ाएंगी।

उन्होंने कहा, भारत एकाधिकारवादी पूंजीवाद पर दुनिया के लिए विश्वगुरु होगा। बता दें कि हाल के सप्ताहों में कुछ मार्गों पर हवाई किराए में वृद्धि हुई है, ऐसा मुख्य रूप से क्षमता की कमी और संकटग्रस्त गो फर्स्ट द्वारा संचालन के निलंबन के कारण हुआ है। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ विभिन्न तिमाहियों में चिंता व्यक्त की गई है और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने छह जून को एयरलाइंस को हवाई टिकटों के उचित मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के लिए एक सिस्टम तैयार करने के लिए कहा था। बता दें कि पांच जून को एयरलाइनों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में एयरलाइनों को कुछ चुनिंदा मार्गों पर किराए को स्व-विनियमित करने की सख्त सलाह दी गई थी, जिस रूट पर हाल ही में काफी मूल्य वृद्धि देखी गई है। एयरलाइनों द्वारा हाई रिजर्वेशन बुकिंग डेजिग्नेटर (आरबीडी) के भीतर उचित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए एक सिस्टम तैयार करने के लिए भी कहा गया था।

छह महीने तक नहीं मिलेगा अनचाहे कॉल्स और मैसेज से छुटकारा, टेलिकॉम कंपनियों को मिली मोहलत

नई दिल्ली, एजेंसी। अनचाहे कॉल्स और मैसेज से देश का लगभग हर मोबाइल यूजर परेशान रहता है। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ग्राहकों को अनचाहे कॉल्स और मैसेज से मुक्ति दिलाने के लिए टेलिकॉम कंपनियों को एआई आधारित प्लेटफॉर्म तैयार करने को कहा था। इसके लिए ट्राई ने टेलिकॉम कंपनियों को कुल दो महीने का वक्त दिया था। तब कहा गया था कि एक मई के बाद अनचाहे कॉल/मैसेज बंद हो जाएंगे। लेकिन अनचाहे कॉल और मैसेज से छुटकारा पाने के लिए आपका इंतजार लंबा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि ट्राई ने व्यावसायिक कॉल या मैसेज भेजने वाली संस्थाओं और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर्स को अनचाहे कॉल और मैसेज की पहचान और इन्हें ब्लॉक करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करने के वास्ते 30 नवंबर तक का समय दिया है।

ट्राई ने व्यावसायिक और सरकारी संस्थाओं को ग्राहकों की सहमति से कॉल या मैसेज भेजने की छूट दी है। लेकिन इसके लिए उन्हें ग्राहकों की सहमति लेनी होगी। बैंक,

बीमा, फाइनेंस और व्यापारिक संस्थाएं ग्राहकों से सहमति लेने का काम 30 सितंबर तक पूरा कर लेंगी। बाकी संस्थाओं को इसके लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया है।

जानकारों के मुताबिक टेलिकॉम कंपनियों ने छह महीने का समय केवल प्लेटफॉर्म तैयार करने के लिए मांगा है। इसलिए कॉल से छुटकारा पाने में कितना समय लगेगा, इस बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसकी वजह यह है कि सबसे ज्यादा कॉल नॉन-रजिस्टर्ड एंटिटीज ही ही करती हैं। उन्हें ब्लॉक करने का काम ग्राहक से शिकायत मिलने के बाद ही होगा।

ट्राई ने मैसेज भेजने वाली संस्थाओं से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वही मैसेज भेजे जाएं जो ग्राहक चाहता है। साथ ही टेलिकॉम ऑपरेटर्स से कहा गया है कि ग्राहकों को भेजे जाने वाले मैसेज में यह संदेश होना चाहिए कि वे अवांछित मैसेज कैसे रोक सकते हैं। 31 जुलाई 2023 तक टेलिकॉम कंपनियां डिजिटल सहमति के लिए जरूरी प्लेटफॉर्म तैयार करेंगी। इसके बाद एक अगस्त से कॉल/मैसेज के लिए डिजिटल सहमति लेने की प्रक्रिया शुरू होगी। सहमति देने वालों के कॉल बैक नंबर की सूची 31 अगस्त तक तैयार होगी। इसके बाद एक सितंबर से व्यावसायिक संस्थाएं ग्राहकों से सहमति लेने लगेंगी। 30 सितंबर बैंक, बीमा, वित्त और व्यापारिक संस्थाएं प्लेटफॉर्म तैयार कर लेंगी। 30 नवंबर तक दूसरी सभी संस्थाएं प्लेटफॉर्म तैयार कर लेंगी।

ग्राहकों के पास कॉल या मैसेज के लिए सहमति कैंसल करने का अधिकार होगा। कंपनियों को 24 घंटे सातों दिन यह सुविधा देनी होगी। साथ ही कंपनियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन यूजर्स ने सहमति नहीं दी है, उन्हें कोई कॉल/मैसेज न जाएं। कॉल और मैसेज का व्यावसायिक प्रयोग करने वाली संस्थाओं को शिकायत का फॉर्मेट बताना होगा।

ग्राहकों का डेटा इस्तेमाल करने वाली संस्थाओं को ग्राहक का सहमति पत्र अपने रेकॉर्ड में रखना होगा। सहमति लेने से पहले संस्थाओं को ग्राहकों को भेजे जाने वाले कंटेंट की जानकारी देनी होगी। ग्राहक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से एक ओटीपी भेजा जाएगा। ओटीपी डालकर जब ग्राहक मंजूरी देगा, उसके बाद ही कॉल/एसएमएस भेजे जाएंगे।

पूंजी जुटाने के लिए मुक्का प्रोटीन्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास आवेदन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटीन्स लिमिटेड, ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए आवेदन किया है। मंगलुरु स्थित कंपनी ने इससे पहले मार्च 2022 में नियामक के पास आईपीओ के लिए आवेदन किया था। हालांकि, कंपनी ने उस समय अपनी आईपीओ योजनाओं को स्थगित कर दिया और अपना आवेदन वापस ले लिया। ताजा मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार मुक्का प्रोटीन्स आठ करोड़ इक्विटी शेयरों की पेशकश करेगी। यह निर्गम पूरी तरह ताजा पेशकश के रूप में होगा। बाजार सूत्रों के मुताबिक आईपीओ का आकार 175 करोड़ रुपये से 200 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है।

कियारा आडवाणी गैलेक्सी चॉकलेट्स की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। बॉलिवुड नायिका और सुपरस्टार कियारा आडवाणी को ग्लोबल कन्फेक्शनरी ब्रांड, मार्स रिगली के ग्लोबल ब्रांड, गैलेक्सी चॉकलेट्स का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है।

कंपनी ने इस प्रतिभाशाली भारतीय अभिनेत्री के साथ इस गठबंधन की घोषणा उनके ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर एक टीज़र वीडियो के साथ की। घोषणा के बाद एक टीवीसी चलाया गया, जिसमें कियारा गैलेक्सी चॉकलेट की स्मूथनेस महसूस करते हुए हर बाईट में इसका पूरा आनंद ले रही हैं। अपने इस गठबंधन के बारे में वरुण कंधारी, डायरेक्टर मार्केटिंग, मार्स विगली इंडिया ने कहा, ''हमें कियारा को भारत में अपने लोकप्रिय ब्रांड गैलेक्सी चॉकलेट का चेहरा

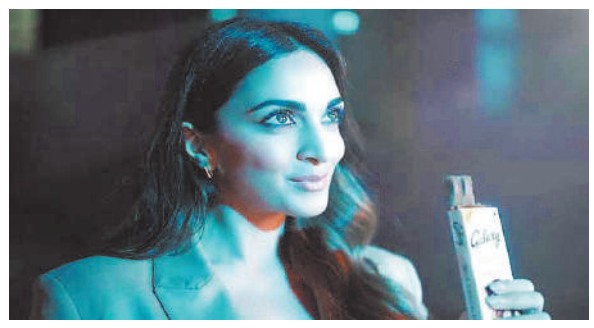

बनाने की खुशी है। उनकी खूबसूरती व आकर्षण ब्रांड के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करते हैं। कियारा आडवाणी के साथ इस नए कैम्पेन में हम गैलेक्सी चॉकलेट्स का आनंद पेश कर रहे हैं, जो इसकी सिग्नेचर स्मूथ रेसिपी से मिलता है। अपने इस गठबंधन और पोर्टफोलियो द्वारा हम गैलेक्सी चॉकलेट्स को लगातार भारतीय उपभोक्ता के दिल उतार रहे हैं। इस नई प्रगति के साथ हम गैलेक्सी चॉकलेट के प्रेम को और ज्यादा मजबूत करना चाहते हैं क्योंकि यह प्रतिष्ठित चॉकलेट ब्रांड अपने स्मूथ अनुभव के लिए पूरे विश्व में पसंद किया जाता है।'' यह नया टीवीसी ब्रांड की क्रिएटिव एजेंसी, डीडीबी ट्राईबल द्वारा बनाया गया है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि जीवन के सांसारिक लम्हे किस प्रकार गैलेक्सी चॉकलेट्स के आते ही आनंद से भर जाते हैं। इस एड फिल्म में कियारा चांद के साथ एक चुलबुले छिपम-छिपाई के अंदाज में दिखाई देती हैं, जिसमें चांद की रोशनी गैलेक्सी चॉकलेट पर पड़ती है, और वहीं पर थम जाती है। यह गैलेक्सी चॉकलेट द्वारा दिए जाने वाले अलौकिक स्वाद को दर्शाता है, जिस वजह से ये ब्रांड पूरे देश के लोगों का चहेता ब्रांड है।'' इस नए गठबंधन के लिए उत्साहित कियारा आडवाणी ने कहा, ''मिठाई में मैं केवल चॉकलेट पसंद करती हूँ, मुझे चॉकलेट खाना बहुत पसंद है फिर भले ही मैं खाने के बाद एक छोटा सा टुकड़ा ही क्यों न लूँ। चॉकलेट का हमारे दिलों में बहुत गहरा स्थान है, और यह हमारे बचपन की यादों से जुड़ी हुई है।

कामधेनु पेंट्स का 2027-28 तक 1,000 करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्यः सीएमडी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कामधेनू पेंट्स अगले तीन वर्षों में अपने राजस्व को चार गुना बढ़ाकर इसे 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य बना रही है। कंपनी के सीएमडी सतीश कुमार अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने पीटीआई-को बताया कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 251 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। कामधेनु समूह ने हाल ही में भारत में दो खंडों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपने पेंट और इस्पात कारोबार को अलग किया था। उन्होंने कहा, हमें वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक राजस्व में चार गुना वृद्धि के साथ इसके 1,000 करोड़ रुपये तक होने की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 251 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। अग्रवाल ने आगे कहा कि कंपनी के उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ कामधेनु पेंट्स नए उत्पादों की पेशकश कर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। साथ ही देश के दक्षिण और पश्चिमी क्षेत्रों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने डीलरों और वितरण नेटवर्क को वर्तमान में 4,000 से बढ़ाकर 8,000 से अधिक करके उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में विस्तार करेगी।

निवेशकों के लिए बेहतर है मिडकैप एसआईपी, लंबे समय के लिए निवेश पर दें जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। म्युचुअल फंड में एसआईपी करने का कोई समय नहीं है। लेकिन, एक बात यह जरूर गांठ बांध लेनी चाहिए कि आपको लंबे समय यानी कम से कम पांच-10 साल के लिए निवेश करना है। अगर इसका पालन आपने कर लिया तो एसआईपी से अच्छा खासा रिटर्न मिल सकता है। यह बैंक जमा या अन्य सरकारी योजनाओं को पीछे छोड़ने में कारगर साबित होता है। सोने पर सुहागा तब होता है, जब आप गिरते हुए बाजार में निवेश करें क्योंकि यही वह समय होता है, जब खुदरा निवेशक डर या घबराहट के कारण अपना निवेश या तो निकाल लेते हैं या एसआईपी बंद कर देते हैं। जो निवेशक इससे बच गया, वह सबको पीछे छोड़ देता है। जब भी बाजार में भारी गिरावट रही है, उस समय जिस निवेशक ने भी एसआईपी शुरू किया, उसे अच्छा फायदा मिला है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि मई में फंड

उद्योग में एसआईपी से मासिक 14,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है। यह अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इससे पहले लंबे समय तक 14,000 करोड़ का मासिक निवेश हुआ है, लेकिन मई में इसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। बाजार की गिरावट में अगर आपने घबराहट के चलते एसआईपी को बंद कर दिया तो इसका बड़ा घाटा होता है। उदाहरण स्वरूप, 31 अगस्त, 2007 से 31 जुलाई, 2008 के बीच बाजार में वैश्विक आर्थिक संकट का दौर था। इस समय जिन्होंने भी एसआईपी बंद किया, उन्हें 26 फीसदी का घाटा एक साल के अंदर हुआ था।

इसके ठीक उलट, 31 अगस्त, 2007 से 31 अगस्त, 2010 तक जिन लोगों ने एसआईपी को बनाए रखा, उसे 16 फीसदी का रिटर्न मिला। इस तरह से जब भी बाजार में गिरावट हो तो आप घबराएं नहीं। साथ ही, आप उस समय निवेश को और बढ़ा सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि आपको उसी पैसे में ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जब बाजार की तेजी में कम यूनिट मिलती हैं।

एडलवाइस म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 दिसंबर, 2018 से 30 अप्रैल, 2020 के बीच जिन लोगों ने एसआईपी बंद किया, उन्हें 16 फीसदी का घाटा हुआ। लेकिन, 31 दिसंबर, 2018 से लेकर 31 मार्च, 2023 तक जिन लोगों ने अपना निवेश बनाए रखा, उन्हें 13 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिला। जिन निवेशकों ने 10 साल के लिए निवेश किया है, उनको कभी भी घाटा नहीं हुआ है।

डेट-हाइब्रिड में कर सकते हैं स्विच

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के सबसे बेहतर तरीकों में से एक एसआईपी है। यह निवेशकों को रोजाना के शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर रखता है। साथ ही, निवेश में आसानी और निरंतरता बनाए रखता है। एसआईपी की खूबसूरती यह भी है कि आप इसे डेट या हाइब्रिड में स्विच कर सकते हैं। इससे बाजार की गिरावट का आपके निवेश पर कोई असर नहीं पड़ता है।?- निरंजन अवस्थी, एसवीपी एवं मार्केटिंग प्रमुख, एडलवाइस एमएफ

आठ जुलाई से शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला, 25 देशों के खरीदार भाग लेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में आठ जुलाई से तीन दिवसीय खिलौना मेला शुरू होगा। इसमें कम से कम 25 देशों के लगभग 5,000 खरीदारों और उद्योग जगत की दिग्गज हस्तियों के भाग लेने की उम्मीद है। भारतीय खिलौना संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। उद्योग निकाय ने कहा कि वॉलमार्ट और लेगो सहित लगभग 20 वैश्विक सोर्सिंग कंपनियों के सीईओ भी मेले का दौरा करेंगे। प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले मेले में 250 से अधिक भारतीय ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय खिलौना संघ के चेयरमैन मनु गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा खिलौना मेला है। उन्होंने कहा, भारतीय खिलौना विनिर्माताओं के लिए यह वैश्विक खरीदारों को अपने उत्पादों और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है।

भारत ने लेबनान को दी मात, पांच साल बाद बना चैंपियन

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने पांच वर्षों के इंतजार के बाद इंटरकांटिनेंटल कप पर कब्जा जमाया है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने कप्तान सुनील छेत्री और लल्लिंजुआला छांगते के गोल के दम पर लेबनान को 2-0 से मात दी।

इस मैच में भारत के लिए पहला गोल कप्तान सुनील छेत्री ने किया। उनके बाद दूसरा गोल लल्लिंजुआला छांगते ने किया। वहीं लेबनान पूरे मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे भारत से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच का पहला हाफ गोल रहित रहा, जिसमें दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। इसके बाद जल्द ही पिता बनने जा रहे 38 वर्षीय सुनील छेत्री ने 46वें मिनट में गोल किया और भारतीय टीम को बढ़त दिलाई। ये गोल छेत्री के करियर का 87वां गोल रहा, जो उन्होंने छांगते की मदद से किया। गौरतलब है कि छेत्री अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों की सूची में तीसरे पायदान पर है।

इस के बाद लल्लिंजुआला छांगते ने मैच के 66वें मिनट में गोल कर टीम को दो बढ़त दिला दी। इस गोल को करने के साथ ही जहां लेबनान की टीम के इरादे पस्त हो गए वहीं भारतीय दर्शक झूम उठे। बता दें कि विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज टीम लेबनान को सन्न कर दिया। विश्व रैंकिंग में 101वें स्थान पर काबिज भारत ने दूसरी बार इस

टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। इसे पहले भारतीय टीम ने इंटरकांटिनेंटल कप के शुरुआती सीजन को वर्ष 2018 में जीता था, जिसमें उसने कीनिया को मात दी थी। इसके बाद भारतीय टीम कोई खिताब नहीं जीत सकी थी। यहां तक इंटरकांटिनेंटल कप के दूसरे सीजन में भारतीय टीम अंतिम पायदान पर आई थी।

ऐसा रहा मुकाबला – उमस भरी गर्मी में दोनों टीमों के पास शुरुआती हाफ में बढ़त बनाने का मौका था लेकिन वे इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। यह हाफ उसी तरह था जैसा की दोनों टीमों ने दो दिन पहले राउंड रोबिन चरण के आखिरी मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला था। इस दौरान भारत ने गेंद को अधिक समय तक अपने पास रखने पर ध्यान दिया तो वही लेबनान का जोर आक्रमण करने पर था। लेबनान ने भारतीय गोल पोस्ट की तरफ सात बार हमले किये तो वही गेंद को 58 प्रतिशत समय तब अपने नियंत्रण में रखने वाली भारतीय टीम तीन बार ही लेबनान के गोल पोस्ट की ओर आक्रमण कर ली।

मध्यांतर के बाद हालांकि चीजें बदल गयी। सबसे पहले छांगते ने बॉक्स के पास से गेंद को अपने नियंत्रण में लेकर छेत्री को दिया और भारतीय कप्तान ने लेबनान के गोलकीपर अली सबेह को छकाने में कोई गलती नहीं की। टीम ने खिलाड़ियों के शानदार सामंजस्य से इस मौके को बनाया। निखिल पुजारी ने बेहद कम जगह में से लेबनान के खिलाड़ियों के बीच से गेंद को छांगते की ओर धकेला और इस खिलाड़ी ने अपने प्रेरणादायी कप्तान के लिए मौका बनाने में कोई गलती नहीं की।

एक गोल की बढ़त लेने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए छांगते के प्रयास से इस बढ़त को दोगुना कर दिया। स्थानापन्न नाओरेम महेश सिंह ने छेत्री के पास पर गोल करने का प्रयास किया लेकिन लेबनान के गोलकीपर ने उनके प्रयास को विफल कर दिया। गोलकीपर हालांकि गेंद को नियंत्रण में नहीं रख सके जो छिटक कर छांगते के पास गयी और खिलाड़ी ने गेंद को गोल पोस्ट में डाल दिया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इंडोनेशिया ओपन जीतने पर सात्विक और चिराग को बधाई दी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब जीतने पर सोमवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को बधाई दी। सात्विक और चिराग ने रविवार को जकार्ता में सुपर 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की गत विश्व चैंपियन जोड़ी को हराकर खिताब जीता। सात्विक और चिराग सुपर 1000 खिताब जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बने। रेड्डी ने ट्वीट किया, ''हमारे तेलुगु लड़के सात्विक और चिराग को मेरी ओर से बधाइयां और शुभकामनाएं। आपने हम सभी को गौरवांवित किया।

शूट आउट में दो पेनल्टी रोकी, स्पेन ने नेशन्स लीग फाइनल जीता

रोटरडम। स्पेन ने फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में क्रोएशिया को 5-4 से हराकर नेशन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता लिया। स्पेन ने इस तरह 11 साल के खिताब के सूखे को खत्म किया जबकि क्रोएशिया और उसके अनुभवी कप्तान लुका मोड्रिच का पहले अंतरराष्ट्रीय खिताब का इंतजार जारी है। निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला गोल रहित बराबर रहने के बाद गोलकीपर उनाइ साइमन ने क्रोएशिया की दो पेनल्टी रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पेनल्टी शूट आउट में जब स्कोर 3-3 से बराबर था तब साइमन ने लोवरो मायेर और फिर ब्रूनो पेटकोविच की पेनल्टी रोकी। डेनी कार्वाइल ने इसके बाद अपनी पेनल्टी को गोल में बदलकर स्पेन की जीत सुनिश्चित की।

सेना के 11 मुक्केबाज पुरुष युवा राष्ट्रीय मुक्केबाजी के फाइनल में पहुंचे

गंगटोक। सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) के 11 मुक्केबाज रविवार को यहां छठी युवा पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। एसएससीबी के अरमान (80 किग्रा) ने रिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसले से मध्य प्रदेश के प्रशांत खटाना को हराया। वह फाइनल में हरियाणा के इशान कटारिया का सामना करेंगे। एसएससीबी के ऋषि ने भी सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और हरियाणा के विशेष को 3-0 से हराकर फाइनल में पहुंचे। अरमान और ऋषि के अलावा सेना से जुड़े आर्यन (51 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), निखिल (57 किग्रा), एम हनथोई (60 किग्रा), अंकुश (67 किग्रा), प्रीत मलिक (71 किग्रा), योगेश (75 किग्रा), आर्यन (86 किग्रा)) और हर्ष (92 किग्रा) भी फाइनल में पहुंच गए हैं। हरियाणा के मुक्केबाजों ने भी सेमीफाइनल में अपने दमखम से प्रभावित किया। एशियाई जूनियर चैंपियन भरत जून (92 किग्रा) के अलावा राज्य के अन्य मुक्केबाज फाइनल में चुनौती पेश करेंगे। जून ने अपने सेमीफाइनल बाउट में मध्य प्रदेश के अवचल शाई को हराया।

टीम के सभी प्लेयर दोस्त हुआ करते थे, अब सिर्फ साथी हैं

अश्विन ने भारतीय ड्रेसिंग रूम की खोली यह कैसी सच्चाई

नई दिल्ली। भारतीय ड्रेसिंग रूम को लेकर रविचंद्रन अश्विन ने हैरान करने वाले खुलासा किया है। अश्विन का कहना है कि टीम में पहले सभी प्लेयर दोस्त हुआ करते थे, लेकिन अब सिर्फ साथी हैं। गौरतलब है कि अश्विन को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। कप्तान रोहित और टीम मैनेजमेंट के इस फैसले की जमकर आलोचना भी हुई थी।

अश्विन का बड़ा खुलासा – दरअसल, रविचंद्रन अश्विन से जब एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की प्लेइंग इलेवन में जगह ना मिलने के बाद उन्होंने इसको लेकर किसी साथी खिलाड़ी से बात करने की कोशिश नहीं की। इसके जवाब में अश्विन ने कहा, ÷यह एक बेहद गहरा विषय है। यह ऐसा युग है कि जहां हर कोई साथी है। एक समय होता था जब क्रिकेट खेला जाता था और सभी प्लेयर्स दोस्त हुआ करते थे। हालांकि, अब सिर्फ सभी साथी हैं। इसमें काफी बड़ा अंतर है, क्योंकि यहां पर सभी खिलाड़ी खुद को आगे बढ़ाना चाहते हैं और दूसरे से आगे निकलना चाहते हैं। इस वजह से किसी के पास भी यह कहना का समय नहीं है कि ओके बॉस आपको क्या हुआ है?÷

अश्विन ने आगे कहा, ÷मेरा मानना है कि जब आप चीजों को शेयर करते हैं, तो क्रिकेट बेहतर होता है। इसमें सुधार होता है, जब आप दूसरे खिलाड़ी की टेक्निक और उनकी यात्रा को समझने की कोशिश करते हैं। हालांकि, ऐसा कहीं भी नहीं होता है। कोई भी आपकी मदद के लिए आगे नहीं आएगा। इस यात्रा में आपको अकेले ही चलना होगा।

भाड़ में जाए भारत..., जावेद मियांदाद की दो टूक- टीम इंडिया से काफी बेहतर है पाकिस्तान क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एशिया कप 2023 के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार करने पर बीसीसीआई पर एक और नया तीखा हमला किया है। मियांदाद लगातार भारतीय क्रिकेट के आलोचक रहे है। एसीसी (एशिया क्रिकेट काउंसिल) द्वारा एशिया कप के लिए पाकिस्तान के %हाइब्रिड मॉडल% को मंजूरी देने दे दिया गया है जिसके मुताबिक भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा। इस प्रस्ताव ने मियांदाद को खुश नहीं किया। उन्होंने जौर देते हुए कहा कि पाकिस्तान को भारत की यात्रा का बहिष्कार करना चाहिए जब तक कि भारतीय क्रिकेट टीम एक श्रृंखला खेलने के लिए उनके पास नहीं आती।

मियादाद ने क्या कहा – जावेद मियांदाद ने कहा कि पाकिस्तान 2012 में भारत आ चुका है और 2016 में भी, अब भारतीयों के यहां आने की बारी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर मुझे कोई फैसला करना होता तो मैं कोई भी मैच खेलने के लिए भारत नहीं जाता, यहां तक ??कि विश्व कप भी नहीं। हम उन्हें (भारत) खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं लेकिन वे कभी भी एक तरह से प्रतिक्रिया नहीं देते। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बड़ा है... हम अब भी अच्छे खिलाड़ी तैयार कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाड़ में जाए भारत। मुझे नहीं लगता कि अगर हम भारत नहीं जाते हैं तो भी हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

जारी है विवाद – भारत-पाकिस्तान का ड्रामा केवल एशिया कप तक ही सीमित नहीं है। भारत में होने वाले विश्व कप 2023 में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर काफी हो-हल्ला मचा था। हालांकि आईसीसी ने अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, ब्लॉकबस्टर भारत-पाकिस्तान टाई 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी की विश्लेषणात्मक टीम ने सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को अपना विश्व कप मैच अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई की स्पिन के अनुकूल सतह पर नहीं खेलना चाहिए। हालांकि, मियांदाद का मानना ??है कि पाकिस्तान को कड़ा रुख अपनाना चाहिए और तब तक मना कर देना चाहिए जब तक कि बीसीसीआई पहले अपनी टीम नहीं भेजता। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भारत ने आखिरी बार 2008 में एशिया कप के लिए एक श्रृंखला के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था, दोनों देशों के बीच संबंधों में 26/11 के बाद खटास आनी शुरू हो गई थी।

रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया का कप्तान कौन, चयनकर्ता पर सवाल करते हुए बोले वेंगसरकर- उनके पास कोई विजन नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मैदान में कठिन समय चल रहा है। रोहित शर्मा के भारत को हाल ही में द ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही आईसीसी खिताब का इंतजार और लंबा हो गया है। कई मौकों पर नॉकआउट चरणों में जगह बनाने के बावजूद, आईसीसी ट्रॉफी का स्थान 2013 से अभी भी खाली है। इन सब के बीच टीम इंडिया के भविष्य को भी लेकर सवाल उठने लगे हैं। एक पूर्व विश्व कप विजेता और पूर्व चयनकर्ता ने साफ तौर पर सवाल किया कि वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा के साथ कौन आगे बढ़ेगा? एक बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने दो टूक कहा कि चयनकर्ताओं के पास भविष्य के लिए कोई विजन नहीं है और उनमें क्रिकेट की समझ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पिछले छह-सात वर्षों में मैंने जिन चयनकर्ताओं को देखा है, उनमें न तो दृष्टि है, न ही खेल के बारे में गहरी जानकारी है और न ही क्रिकेट की समझ है। वेंगसरकर के कहा कि उन्होंने शिखर धवन को

भारत का कप्तान बनाया (जब भारत के मैच ओवरलैप हो गए और मुख्य खिलाड़ी अनुपलब्ध थे)। उन्होंने कहा कि यहीं पर आप भावी कप्तान को तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे रोहित के बाद कप्तान के रूप में एक आदर्श उम्मीदवार की पहचान करने में विफल रहे।

किसी को तैयार नहीं किया – अपना सवाल जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि आपने किसी को तैयार नहीं किया है। आप बस आते ही खेलते हैं। आप दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड की बात करते हैं, बेंच स्ट्रेंथ कहां है? सिर्फ आईपीएल होना, मीडिया राइट्स में करोड़ों रुपये कमाना ही एकमात्र उपलब्धि नहीं होनी चाहिए। दिलीप वेंगसरकर ने प्रबंधन के प्रति आलोचना व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसी का पालन-पोषण करने में विफल रहे हैं और जैसे ही यह खेल आया, वैसे ही खेल रहे थे। उन्होंने दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड के साथ जुड़े होने के बावजूद उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल के ठिकाने पर सवाल उठाया, जो विंग्स में इंतजार कर रहे थे।

नेशनल टीम में खेलने के बाद घरेलू क्रिकेट खेलना मानसिक रूप से दर्दनाक-अवेश

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले महीने वेस्टइंडीज दौरे पर रहेगी। ऐसे में अवेश को उम्मीद है कि टीम में उनकी वापसी हो सकती है। उन्होंने अक्टूबर 2022 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। अवेश ने कहा कि अगर आप मेरे पिछले दो आईपीएल सीजन की तुलना करते हैं, तो यह वैसा ही थे जैसे मैं चाहता था।

अलग फॉर्मेट में लय बनाए रखना मुश्किल– अवेश ने आगे कहा कि यह सीजन मेरे अनुसार अच्छा नहीं रहा, फिर भी मैंने अपनी इकॉनमी रेट को बनाए रखा, जो 10 से कम है। मैं महत्वपूर्ण 4 या 5 वें ओवर और बाद में डेथ ओवर में गेंदबाजी करता था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजों के लिए अलग-अलग फॉर्मेट के बीच पूरे सीजन में लय बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के लिए खेलने के बाद फिर घरेलू क्रिकेट खेलना मानसिक रूप से काफी परेशान करता है।

हेलमेट वाली घटना थोड़ा ज्यादा था– बेंगलुरु में एक करीबी आईपीएल मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराने के बाद अवेश खान ने अपना हेलमेट फेंक दिया था, जिसके चलते उन्हें अपनी इस हरकत पर आज भी पछतावा है। इसके बाद उन्हें बुरी तरह सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। अवेश ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि हेलमेट वाली घटना थोड़ा ज्यादा हो गया था। मुझे बाद में एहसास हुआ कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मुझे अब दुख होता है कि यार ये सब चीज नहीं करना था।

खुद को बेहतर समझने लगे हैं– खान का कहना है कि उन्होंने एमपी के लिए पिछले सीजन में 240 से अधिक ओवर में गेंदबाजी की थी। उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर ने उनसे कहा कि वह चाहते हैं कि वह जितनी जल्दी हो सके गेंदबाजी करें, भले ही वह चार ओवरों में 60 रन दें, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के बाद मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के लिए की इनाम की घोषणा

भारत की फुटबॉल टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए लेबनान को इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 में 2-0 से मात दे दी है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने ये जीत हासिल कर दूसरी बार कप पर कब्जा किया है। इस मैच को देखने के लिए फुटबॉल फैंस से स्टेडियम खचा खच भरा हुआ था।

वहीं भारतीय टीम की जीत के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी के दौरान टीम को प्रतिष्ठित इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 की ट्रॉफी सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ओडिशा के लिए इस प्रतिष्ठित इंटरकांटिनेंटल कप की मेजबानी करना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडिशा में फुटबॉल के कई अन्य टूर्नामेंट और कार्यक्रमों के

आयोजन के लिए तैयार है। ओडिशा और भारत में खेल के विकास का समर्थन करने के लिए ओडिशा सरकार पूरी तरह तैयार है।

बता दें कि फुटबॉल टूर्नामेंट हीरो इंटरकांन्टिनेंटल कप में भारतीय टीम के विजेता बनने के बाद भुवनेश्वर के खचाखच भरे कलिंगा स्टेडियम में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने टीम को एक करोड़ रुपये की इनामी राशि दिए जाने की घोषणा भी की।

बता दें कि इस इंटरकांन्टिनेंटल कप में जीत हासिल करने के बाद भारतीय और लेबनानी टीम के खिलाड़ियों को गोल्स और सिल्वर मेडल सौंपे गए। समापन समारोह में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुकाबल में कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, जिसके बाद भी भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया और जीत दिलाई।

एशिया कप 2023 पर बारिश का साया, नहीं हो सका सेमीफाइनल अब भारत के लिए मुश्किल हुई फाइनल की राह

नई दिल्ली। वीमेंस इमर्जिंग एशिया कप 2023 के मुकाबले कुल आठ टीमों के बीच खेले जा रहे हैं, इन मुकाबलों में बारिश का साया देखने को मिल रहा है। टूर्नामेंट के अधिकतर मुकाबलों पर बारिश हावी रही है। वहीं भारतीय टीम के भी अधिकतर मुकाबले बारिश के कारण प्रभावित हुए है। आंकड़ों के मुताबिक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम व अन्य सभी टीमों को लीग स्टेज में 3-3 मैच खेलने थे। हालांकि भारतीय टीम बारिश के कारण सिर्फ एक ही मुकाबला खेल सकी है जबकि दो अन्य मुकाबले नहीं हो सके। वहीं टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ गया। माना जा रहा है कि सेमीफाइनल मुकाबला अब 20 मई यानी मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने के लिए मैदान में उतरेगी।

सिर्फ एक मुकाबला खेल सकी भारतीय टीम

बता दें कि लीग स्टेज में महिला इंडिया-ए की टीम का पहला मुकाबला हांग कांग के खिलाफ था। इस मुकाबले में जीत हासिल करने के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। इस मुकाबले में भारत को नौ विकेट से जीत मिली थी। टीम की दूसरी भिड़ंत नेपाल के खिलाफ थी जबकि तीसरी भिड़ंत पाकिस्तान से होनी थी। इन दोनों मुकाबलों में कोई भी गेंद भारी बारिश के कारण नहीं फेंकी गई और दोनों ही मुकाबलों को रद्द कर दिया गया।

बता दें कि भारत का सेमीफाइनल का मुकाबला सोमवार यानी 19 जून को श्रीलंका ए की टीम के साथ होना था, जिसमें जीतने वाली टीम

फाइनल में जगह बनाती। मगर बारिश ने इस मुकाबले को धो दिया। सेमीफाइनल का मुकाबला अब रिजर्व डे पर खेला जाएगा जो कि 20 जून को है। बता दें कि भारतीय टीम को कुल चार मुकाबले खेलने थे जिसमें से तीन मैच बारिश के कारण रद्द हो गए।

पहले मुकाबले में किया था कमाल

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम सिर्फ एक ही मुकालबा खेल सकी है। मगर उस मुकाबले में भारतीय टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। हांग कांग के खिलाफ खेले गए पहले मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की थी। बल्लेबाजी करने उतरी हांग कांग की टीम को महज 34 रनों के छोटे से स्कोर पर भारतीय टीम के दमदार गेंदबाजों ने ऑलआउट कर पवेलियन लौटा दिया। इस मुकाबले में श्रेयांका पाटिल ने 3 ओवर में 5 विकेट चटकाए और सिर्फ दो रन दिए थे। वहीं 35 रनों का टारगेट भारतीय टीम ने सिर्फ 5.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल किया था। गोंगड़ी तृषा (19) ने उमा छेत्री (16) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई थी मगर कप्तान श्वेता सहरावत कमाल नहीं कर सकी और दो रन पर पवेलियन लौट गई थी।

धान उत्पादन में तेलंगाना अव्वल: केसीआर

- फलदार पौधों के निःशुल्क वितरण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट देने का निर्देश दिया मुख्यमंत्री केसीआर ने
- मेट्रो को महेश्वरम तक लाने के लिए पुरजोर प्रयास करूंगा: केसीआर

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री श्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से तेलंगाना अब धान उत्पादन में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहा है। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के थुम्मलूर गांव में हरितोत्सव आयोजन के अवसर पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले तेलंगाना धान उत्पादन में देश में 17वें स्थान पर था। इंजीनियरिंग के चमत्कार के रूप में कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के साथ, तेलंगाना देश का सर्वाधिक धान उत्पादक राज्य बन गया है। यह परियोजना निश्चित रूप से जनता के लिए वरदान साबित हुई है और इसने बड़े पैमाने पर कृषि क्षेत्र की मदद की है। मैंने मुख्य सचिव को इस वर्ष फलदार पौधों के निःशुल्क वितरण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट देने कहा है। यह कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री श्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना गोदावरी बेसिन पर बनी है और कृष्णा नदी के विपरीत गोदावरी में कोई अंतर्राज्यीय जल विवाद नहीं है। तेलंगाना सभी क्षेत्रों में एक निश्चित प्रगति की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना हर क्षेत्र में और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में पहले स्थान पर है। तेलंगाना राज्य हर घर में पीने का पानी उपलब्ध कराने, प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति बिजली उपयोग के मामले में शीर्ष स्थान पर है। राज्य में कृषि क्षेत्र को अन्य राज्यों से प्रशंसा मिल रही है। जलापूर्ति और पर्याप्त बिजली आपूर्ति ने प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। तेलंगाना की विभिन्न उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरित क्षेत्र में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य पौध कवरेज बढाने के लिए में लगातार प्रयास कर रहा है और इस वर्ष वृक्षारोपण विस्तार अभियान के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आठ साल से तेलंगाना को राहत देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और टीम बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए आधिकारिक तंत्र की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए राशि स्वीकृत की है। रंगा रेड्डी जिले के बदंगपेट नगरपालिका में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों के लिए 50 करोड़ रूपए स्वीकृत किए हैं। पहले इंदिरा पार्क में ऑक्सीजन प्लांट की जरूरत थी लेकिन अब टीकेएचएच के तहत पेड़ लगाने से यह जरूरत अप्रासंगिक हो गई है। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल के पहले सप्ताह में वन विभाग के साथ समीक्षा की थी। बंजर भूमि, पानी की कमी की जानकारी ली। तब परिस्थितियाँ बहत कठिन थी। मैंने वनालु वापस रावले - कोटुलु वापस पोवाले नामक एक गीत भी लिखा है। हरे-भरे जंगल होंगे तो गांवों में बंदर नहीं आएंगे। हम बंदरों की पीड़ा जानते हैं जिनसे हम गुजरते हैं। हम इन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए हरितहरम कार्यक्रम लेकर आए। उस समय बहुत से लोग हँसे थे और सोचा कि इन पेड़ों का क्या उपयोग है? लेकिन केसीआर द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम के परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं। नष्ट हुए वनों को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। भूपाल रेड्डी और प्रियंका वर्गीज ने हरित सैनिकों की तरह काम किया और अच्छे समन्वय के साथ शानदार परिणाम हासिल किया है। तेलंगाना में जहां भी देखें, सड़कों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ आरक्षित वन क्षेत्र भी बढ़े हैं। वन अधिकारियों ने इस दिशा में मेहनत की है। मैं सबसे ज्यादा गांव के सरपंचों की सराहना करता हूं। जब मैं कानून लाया तो वे सभी मुझसे थोड़ा नाराज हो गए थे। लेकिन आज उस कानून के कारण सभी गांव खूब हरे-भरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन में गोबी रेगिस्तान के विस्तार को रोकने के लिए इस देश के लोगों ने 500 करोड़ पौधे लगाने पर जोर दिया। ब्राजील में घटती हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 300 मिलियन पौधे लगाए गए हैं। हम तेलंगाना में 276 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। यहां हर गांव में नर्सरी और ओपन जिम हैं। अर्बन पार्कों का शानदार तरीके से विकास किया जा रहा है। पहले ही 170 शहरी पार्क पूरे हो चुके हैं। अभी और पार्क बन रहे हैं। यह हम सभी की जीत है, यह हमारी सामूहिक सफलता है। तेलंगाना के सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं। केसीआर ने कहा कि हम सबिता इंद्रा रेड्डी की मांगों को पूरा करेंगे। हम महेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र को एक मेडिकल कॉलेज प्रदान करेंगे। तुम्मालूर सब स्टेशन को भी मंजूरी दी जाएगी। हम इसे जल्द से जल्द पूरा करेंगे। यहां तक मेट्रो का विस्तार करने की मांग को देखते हुए मैं मेट्रो को महेश्वरम तक लाने के लिए पुरजोर प्रयास करूंगा। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने थुम्मलूर गांव में वन प्रखंड का निरीक्षण किया और थुम्मलूर वन प्रखंड में पौधे लगाए। मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी और इंद्रकरन रेड्डी ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे । बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, सांसद रंजीत रेड्डी, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी और रंगारेड्डी और विकाराबाद के जिला कलेक्टर उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव शांति कुमारी, सीएम सचिव भूपाल रेड्डी, सीएम ओएसडी प्रियंका वर्गीस, पीसीसीएफ राकेश मोहन डोबरियाल और अन्य ने मुख्यमंत्री केसीआर को एक स्मृति चिन्ह सौंपा। फारेस्ट अधिकारी श्रीनिवास राव की पत्नी भाग्यलक्ष्मी को नौकरी नियुक्ति दस्तावेज सौंपे गए, जिन्होंने कार्यस्थल पर ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी थी।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे को दी मछली खाने की सलाह

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मछली खाने की सलाह दी है। राणे ने इसके पीछे की वजह भी बताई। एक मराठी चैनल के कार्यक्रम में सवाल का जवाब देते हुए राणे ने ये बातें कही। नारायण राणे ने कहा कि आप जब भी कोंकण आएं तो मछली खाकर जरूर जाएं लेकिन, बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध न करें। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने बारसू रिफाइनरी परियोजना को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। मराठी चैनल के खुसे थे गुसे कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान राणे ने उद्धव ठाकरे को सलाह दी कि अगर कोंकण आना ही है तो मछली खाने आइए लेकिन, परियोजना का विरोध मत कीजिए।

बारसू परियोजना पर बवाल क्यों है: महाराष्ट्र के बारसू में एक रिफाइनरी के लिए भूमि सर्वेक्षण को लेकर उद्धव ठाकरे सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हालांकि सरकार की तरफ से उद्धव पर काउंटर अटैक किया गया कि जब इस परियोजना की मंजूरी उद्धव ने अपने कार्यकाल में ही दी थी तो अब इसका विरोध क्यों

जवाब में उद्धव का कहना है कि केंद्र ने उनके कार्यकाल के दौरान दो साल तक इस परियोजना पर अमल क्यों नहीं किया जब राज्य में बीजेपी की सरकार लौटी तो लोगों से जबरदस्ती भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, जो सरासर गलत है। उद्धव ने ये बातें तब कहीं, जब मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी कि बारसू में रिफाइनरी परियोजना के लिए लोगों से बल प्रयोग कर जमीन अधिग्रहित की जा रही है।

उद्धव पर निशाना: कार्यक्रम के दौरान राणे ने उद्धव के लिए कहा, आप कोंकण आए और रत्नागिरी में बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध किया। लेकिन अगर आप जानते हैं तो शिवसेना ने गठन के बाद से कोंकणी लोगों का समर्थन किया गया है। कोंकण के लोगों ने भी शिवसेना को बढ़ाया है और आज भी ऐसा ही कर रहे हैं। कोंकण के विकास के लिए बारसू रिफाइनरी परियोजना आवश्यक है। इसलिए इस परियोजना का विरोध न करें, सहयोग करें। आप बालासाहेब के बेटे हैं। कोंकण ने बालासाहेब को प्यार और विश्वास दिया। आप कम से कम इसमें से इन लोगों को दें।

नौकरशाह आकांक्षाओं पर खरा उतरें, सरकार में लोगों का विश्वास अर्जित करें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली , एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोक सेवकों का आह्वान किया कि वे जन समुदाय की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। जनता के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर सरकार में लोगों का विश्वास अर्जित करें। उन्होंने कहा कि यदि अगर नौकरशाह जन समुदाय के साथ सरलता से जुड़ते हैं तो लोकतंत्र में लोगों का विश्वास कई गुना बढ़ जाएगा। 18 जून को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के सफल उम्मीदवारों की एक सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित भारत का विचार अब केवल स्वप्न नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रखर नेतृत्व में वास्तविकता में बदल रहा है। पिछले नौ वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का महत्व बढ़ा है और विश्व में अब भारत की बात ध्यान से सुनी जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अब अमेरिका जैसी महाशक्ति भारत के प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए लगन से तैयारी करती है।

उन्होंने कहा, आपके कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी है। आप ऐसे समय में सेवा करने जा रहे हैं, जब देश अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। जब आप 2047 में अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे, तो देश अपनी स्वाधीनता का 100 वां वर्ष मना रहा होगा। मैं चाहूंगा कि आप आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहें। हम सब मिलकर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और भारत को एक विकसित राष्ट्र के मार्ग पर आगे ले जा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने इस बात को रेखांकित किया कि जैसे-जैसे समाज प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है, सामंती व्यवस्था और मानसिकता कम होती जा रही है और ऐसे में जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरना नौकरशाहों और नेताओं की क्षमता का मापदंड है। उन्होंने कहा, एक समय था, जब समाज में अधिकार की संस्कृति हुआ करती थी, अब न्यायोचित संस्कृति अधिकार की संस्कृति से आगे निकल गई है, क्योंकि जन समुदाय संचार के नए साधनों के साथ शिक्षित और अधिक जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने रोजमर्रा की शासन प्रणाली और लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में कहा कि सिविल सेवकों को जन प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान से सुनना चाहिए और उन्हें लागू करने के लिए कार्य करना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधि होते हैं। हाल के वर्षों में सिविल सेवा परीक्षा में महिलाओं के अभूतपूर्व प्रदर्शन की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि लड़कियों ने शीर्ष 3 पदों पर विजय हासिल की है और शीर्ष 25 में से 14 लड़कियां परिवर्तनशील भारत और नव भारत की छवि प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों को जब भी अवसर मिला है, उन्होंने नाम रोशन किया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल-मंत्र और संरक्षण (ट्रस्टीशिप) के दर्शन का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने युवा सिविल सेवकों से कहा कि वे लोगों के कल्याण के लिए कोई भी निर्णय लेते समय समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के बारे में सोचें।

डॉ सुनीता शर्मा चुनी गई फोर्टी विमन विंग की नई प्रेसिडेंट

जयपुर, एजेंसी। डॉ. सुनीता शर्मा को फोर्टी विमन विंग की प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया है। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने डॉ सुनीता शर्मा को फोर्टी विमन विंग प्रेसिडेंट के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी करते हुए कहा डॉ सुनीता शर्मा पिछले 3 साल से फोर्टी विमन विंग के विभिन्न पदों पर शिद्दत के साथ काम कर रहीं हैं। अब इन्हें एफवीवी के नेतृत्व की जिम्मेदारी सोंपी जा रही है। डॉ सुनीता शर्मा एक सफल निर्यातक के साथ चिकित्सक भी हैं, जो हमेशा वंचित, गरीब और महिला वर्ग को स्वास्थ्य के लिए जागरुक करती हैं। डॉ सुनीता शर्मा ने कहा कि फोर्टी विमन विंग प्रदेश का सबसे बड़ा और प्रभावशाली महिला संगठन है। इस संगठन की प्रतिष्ठा को आगे ले जाने का प्रयास करेंगी। इसके माध्यम से राजस्थान में वुमन ऑन्त्रप्रन्योरशिप के विकास और सरकार की योजनाओं को महिला उद्यमियों तक पहुंचाया जाएगा।

पाकिस्तान कस्टम ने बलूचिस्तान में जब्त की 11.4 करोड़ रुपये की विदेशी सिगरेट, चार प्रांतों में अभियान जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सीमा शुल्क ने बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में अलग-अलग छापे के दौरान 114 मिलियन रुपये के सिगरेट के विदेशी ब्रांडों की एक बड़ी मात्रा जब्त की है। न्यूज एजेंसी डॉन ने इसकी जानकारी दी है।

डॉन एक पाकिस्तानी अंग्रेजी भाषा का अखबार है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने सभी चार प्रांतों में शुरू किए गए एक तस्करी विरोधी अभियान के दौरान पिछले सप्ताह 303 मिलियन रुपये मूल्य की तस्करी की गई सिगरेट के विदेशी ब्रांडों को जब्त करने का दावा किया।

डॉ मैंडी कोहेन होंगी सीडीसी की नई निदेशक, राष्ट्रपति बाइडन ने की घोषणा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उत्तरी कौरोलिना की पूर्व अधिकारी डॉ मैंडी कोहेन रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र की नई निदेशक होंगी। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। डॉ कोहेन के पास कई वर्षों तक काम करने का अनुभव है।

डॉ कोहेन के पास कई वर्षों तक काम करने का अनुभव: जानकारी के अनुसार, डॉ कोहेन 2017 से लेकर पिछले साल तक उत्तरी कैरोलिना में स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग की सचिव थीं। इससे पहले, वह दो संघीय एजेंसियों में स्वास्थ्य संबंधी नौकरियों में कार्यरत थीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने की घोषणा: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि डॉ कोहेन देश के उन शीर्ष चिकित्सकों और स्वास्थ्य अधिकारियों में से एक हैं, जिनके पास बड़े संगठनों का नेतृत्व करने का अनुभव है। साथ ही उनके पास अमेरिकियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने का ट्रैक-रिकॉर्ड है।

कौन हैं डॉ कोहेन?: डॉ कोहेन का पालन-पोषण न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में हुआ है। उनकी मां एक नर्स थी। डॉ कोहेन ने येल से मेडिकल डिग्री और हार्वर्ड से पब्लिक हेल्थ में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। इसके साथ ही वह एक वकील भी रह चुकी हैं।

डॉ कोहेन ने संघीय सरकार के लिए 2008 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स में काम करना शुरू किया। यहां उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उप निदेशक के तौर पर काम किया। उन्होंने 2017 में उत्तरी कैरोलिना में स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग में नौकरी की।

कोविड-19 के दौरान अच्छा काम करने का रिकॉर्ड: उन्होंने इस पद पर रहते हुए, कोरोना महामारी के वक्त अच्छा काम किया। लोगों के बीच उनकी अच्छी छवि बनी हुई है। खासकर कोविड महामारी से निपटने के लिए बताए गए सलाह को लेकर लोग डॉ कोहेन की काफी तारीफ करते हैं।

बता दें कि डॉ मैंडी कोहेन 54 वर्षीय डॉ रोशेल वालेंस्की की जगह लेंगी। डॉ रोशेल ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 30 जून को इस्तीफा दे रही हैं।

पांच दिन से लापता शख्स का शव उसके ही घर के बेसमेंट में लटका हुआ मिला, दोनों हाथ थे बंधे

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी काबुल के तैमानी प्रोजेक्ट कॉलोनी में एक शख्स के लापता होने के पांच दिन बाद शनिवार को उसका शव मिला।

खामा प्रेस के मुताबिक, शख्स का शव उसके ही घर के बेसमेंट में लटका हुआ पाया गया। इस दौरान उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे। खामा प्रेस के साथ एक साक्षात्कार में काबुल पुलिस मुख्यालय ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि तालिबान के खुफिया निदेशालय ने इस मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

बच्चों ने घर के बेसमेंट में पाया शव

अधिकारियों के मुताबिक, 45 वर्षीय कंबर अली के परिवार ने 13 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में जब मृतक के बच्चे बेसमेंट में गए, तो उन्हें उसका शव मिला।

खामा प्रेस के अनुसार, फॉरेंसिक जांच के बाद शव को दफना दिया गया है। मृतक व्यक्ति के परिवार के अनुसार, घटना के सिलसिले में उसके दो रिश्तेदारों को अफगान सुरक्षा अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। हालांकि, व्यक्ति की हत्या कैसे की गई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हाल ही में अफगानिस्तान में रहस्यमय हत्याओं और आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है।

4 अफगानों की हत्या

अफगानिस्तान में सेवा करते हुए एक ऑस्ट्रेलिया वेटरन पर चार अफगानों की हत्या का दोषी ठहराया है। ऑस्ट्रेलिया की फेडरल कोर्ट के जज एंथनी बेंसाको ने विक्टोरिया क्रॉस से नवाजे गए युद्ध नायक बेन रॉबर्ट स्मिथ को अफगानों की हत्या का जिम्मेदार बताते हुए कहा कि स्मिथ भी कई क्षेत्रों में एक ईमानदार और विश्वसनीय गवाह नहीं थे।

कट्टरपंथी संगठन टीएलपी के आगे झुकी शहबाज सरकार, पाकिस्तान में ईशनिंदा मामलों में आतंक फैलाने की लगेगी धारा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) की मांग के आगे झुकते हुए सरकार ने ईशनिंदा के मामलों में आतंकवाद फैलाने की धारा जोड़ने का भी फैसला किया है।

अपनी मांगों को लेकर जुलूस निकाल रहा था टीएलपी: बता दें कि टीएलपी अपनी मांगों को लेकर जुलूस निकाल रहा था। जुलूस के 25 दिन चलने के बाद टीएलपी की सरकार के साथ वार्ता हुई और समझौता हुआ। समझौते के बाद लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर गुजरात जिले के सराय आलमगीर में जुलूस खत्म हो गया है और उसमें शामिल लोग अपने ठिकानों पर लौट गए हैं।

क्या बोले गृह मंत्री राणा सनाउल्ला: देश के गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने कहा है कि सरकार ने टीएलपी की सभी उचित मांगें मान ली हैं इनमें ईशनिंदा कानून को और प्रभावी बनाने की मांग भी शामिल है। सरकार और टीएलपी के बीच 12 बिंदुओं पर समझौता हुआ है।

आतंकवाद निरोधी अधिनियम की धारा भी लगाएगी सरकार

सरकार ईशनिंदा के मामलों में उसके लिए नियत धारा 295-सी के साथ आतंकवाद निरोधी अधिनियम की धारा भी लगाएगी। साथ ही ईशनिंदा के मामलों का स्पीडी ट्रायल (त्वरित गति से) से ट्रायल होगा और दोषी को सजा दी जाएगी। सरकार इंटरनेट मीडिया पर ईशनिंदा से संबंधित कंटेट को भी फैलने से रोकेगी।

सार्वजनिक पत्र जारी करेगी सरकार

इसके साथ ही सरकार टीएलपी की स्थिति के बारे में एक सार्वजनिक पत्र जारी करेगी। इस पत्र में टीएलपी के आतंकी संगठन न होने की सरकार घोषणा करेगी। उल्लेखनीय है कि टीएलपी के कई हिंसक आंदोलनों के बाद पूर्ववर्ती सरकार ने उसे आतंकी संगठन घोषित कर दिया था।

अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में मॉक शादी का ट्रेंड

न बाराती असली, न दूल्हा-दुल्हन; बस नाचो-गाओ-जश्न मनाओ

वॉशिंगटन , एजेंसी। पारंपरिक भारतीय शादियां एक तरह से उत्सव होती हैं। हल्दी-मेहंदी की रस्में, बारात, दूल्हा-दुल्हन का तैयार होना, नाचना-गाना और खाना-पीना। अमेरिका की कोलंबिया, ऑरेगॉन, न्यूयॉर्क, टेक्सास, स्टैनफोर्ड, टोरंटो जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स को यही भारतीय शादी लुभा रही है। वहां स्टूडेंट्स अब मॉक (नकली) शादी आयोजित कर रहे हैं।

शेरवानी पहने दूल्हा बना स्टूडेंट सजी-धजी घोड़ी पर बारात लेकर निकलता है। स्टूडेंट्स बाराती बनकर शामिल होते हैं। ढोल पर नाचते हैं। सब दुल्हन के यहां पहुंचते हैं। चमकती ड्रेस और ज्वेलरी पहनी दुल्हन बनी स्टूडेंट आती है। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर बैठते हैं। सारी रस्में निभाई जाती हैं। स्टूडेंट्स एंजॉय करते हैं। खाते-पीते हैं और लौट जाते हैं।

पूरे उत्तरी अमेरिका में दक्षिण एशियाई स्टूडेंट्स के बीच मॉक शादी का ट्रेंड बढ़ा है। दूल्हा-दुल्हन ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं, जो कभी मिले भी नहीं होते। वे बस भूमिका निभा रहे होते हैं। कई बार अलग-अलग यूनिवर्सिटी के भी होते हैं।

दूल्हा-दुल्हन एक महीने चले सिलेक्शन से चुने: ऐसी ही एक शादी में दूल्हा बने ऑरेगॉन यूनिवर्सिटी के नासिर को जब पता चला कि पाकिस्तान स्टूडेंट एसोसिएशन कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर मॉक शादी कर रहा है तो वे दूल्हे के रूप में नामांकन के लिए पहुंच गए। उन्होंने कहा-लोग एक बार शादी करते हैं। मुझे तो प्रैक्टिस का मौका मिल रहा था। शादी में गोरे दोस्त भी शामिल थे। उन्हें रस्में समझ नहीं आ रही थीं, लेकिन वे उसी जोश से लुत्फ ले रहे थे। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी की मॉक शादी में तो चार-चार दूल्हा-दुल्हन शामिल होते हैं। न्यूयॉर्क इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की सुमैया मुहित बंगाली स्टूडेंट एसोसिएशन के जरिए मॉक शादी कराती हैं। वे कहती हैं- शादी के लिए दूल्हा-दुल्हन एक महीने चले सिलेक्शन से चुने। इसमें भारत, पाक, नेपाल और दक्षिण एशियाई क्षेत्रों के 500 स्टूडेंट्स शामिल हुए। एग्जीक्यूटिव ने सारी रस्मों के बारे में बताया। अब मॉक शादी से कैंपस से बाहर के एशियाई लोगों को भी जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

यह सालाना जलसा, अमेरिकी कैंपस में दक्षिण एशियाई दबदबा: अमेरिका के कई कॉलेजों में अब मौक शादी सालाना जलसा बन गया है। वेस्टर्न कॉलेज कैंपस की एसो. प्रोफेसर डॉ. अपर्णा कपाड़िया कहती हैं, इसमें दक्षिण एशिया के विभिन्न क्षेत्रों के स्टूडेंट्स एक-दूजे की संस्कृति के बारे में जानते हैं। सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टि से देखने की बजाय मैं इसे अमेरिका के कैंपस में दक्षिण एशियाई समुदाय के दबदबे के रूप में देखती हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129